शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 09 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 2, अंक : 122 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

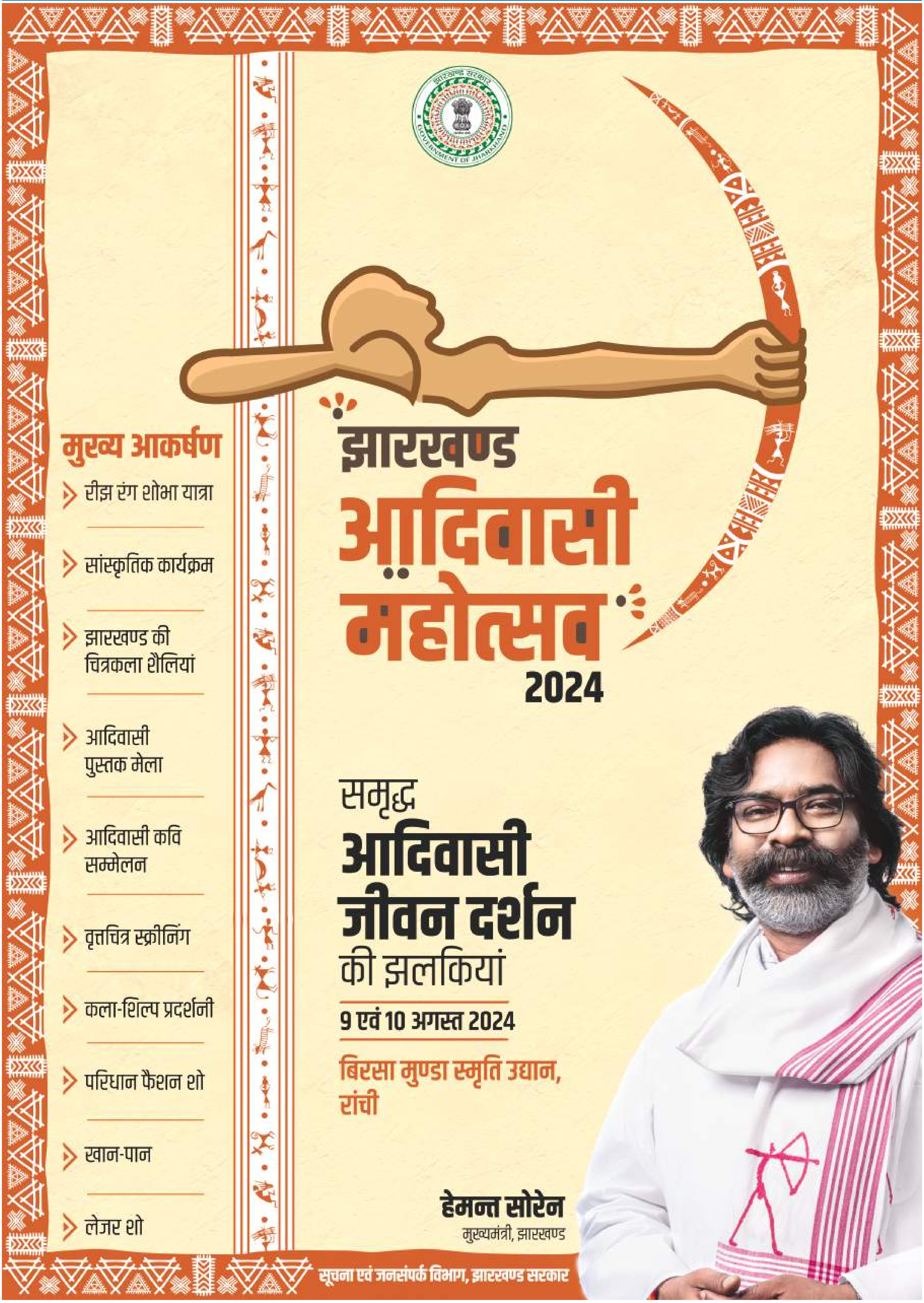

दो दिन तक होंगे कई कार्यक्रम, झारखंड सहित विभिन्न राज्यों के जनजातीय समूह लेंगे हिस्सा, 32 जनजातीय समूह पेश करेंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

हेमंत सरकार तीसरा भव्य आदिवासी महोत्सव आज, शिबू सोरेन होंगे मुख्य अतिथि

विशेष संवाददाता। रांची

हेमंत सोरेन सरकार का तीसरा झारखंड आदिवासी महोत्सव 2024 का आयोजन विश्व आदिवासी दिवस नौ अगस्त पर बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में होगा. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष व पूर्व सीएम शिबू सोरेन होंगे. कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे, जबकि कार्यक्रम में आदिवासी कल्याण मंत्री दीपक बिरूआ, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल अंसारी समेत इंडिया गठबंधन के कई नेता एवं मंत्री हिस्सा लेंगे. दो दिनों तक कई कार्यक्रम होंगे. इसमें झारखंड समेत कई राज्यों के जनजातीय समुह के लोग हिस्सा लेंगे और अपनी कला-संस्कृति का प्रस्तुतीकरण करेंगे. कार्यक्रम में आतिशबाजी एवं भव्य लेजर शो का आयोजन किया जाएगा.

निकाली जाएगी विशाल शोभायात्रा, बटेंगे वनपट्टा : नौ अगस्त को कार्यक्रम दिन के 12 बजे से शुरू होगा. 32 आदिवासी जनजातियों के द्वारा करम टोली धुमकुडिया भवन से रीझ-रंग शोभायात्रा निकाली जाएगी जो बिरसा मुंडा स्मृति पार्क तक पहुंचेगी. इस टीम के द्वारा शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का स्वागत किया जाएगा. मुख्य द्वार पर पारंपरिक लोटा पानी से अतिथियों का स्वागत होगा. इसके बाद अतिथि लगाए गए शिविर, आदिवासी चित्रकार शिविर एवं आदिवासी व्यंजन के शिविर का उदघाटन करेंगे. मुख्य अतिथि द्वारा शहीद वेदी पर पुष्प अर्पण किया जाएगा.

खास बातें

- बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में उतरेगी आदिवासी परंपरा
- आदिवासी फैशन-शो के अलावा होंगे कई कार्यक्रम

आज मोनिका मुंडू नागपुरी गायन प्रस्तुत करेंगी

कार्यक्रम में मिजोरम की टीम पारंपरिक आदिवासी नृत्य प्रस्तुत करेगीं. प्रसिद्ध नागपुरी गायिका मोनिका मुंडू आधुनिक नागपुरी गायन प्रस्तुत करेंगी. परिवर्तन संस्था के आदिवासी दिव्यांग बच्चों द्वारा ट्राइबल कल्चर इन फ्रैमगैम स्टाइल्स इन फैशन शो प्रस्तुत करेंगे. आसाम, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ से आए दल पारंपरिक आदिवासी नृत्य प्रस्तुत करेंगे. अखड़ा दर्शन के तहत आठ जनजातीय समुह गीत-नृत्य प्रस्तुत करेंगे. पद्मश्री मुकुंद नायक द्वारा नागपुरी गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा. भगवान बिरसा मुंडा की ऐतिहासक गाथा नृत्यनाटिका वर्षा लकड़ा एवं उनके समूह द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा. संथाली बैंड आधुनिक संथाली गायन वादन गायिका शेरोम मरांडी द्वारा प्रस्तुत किया जाएसगा. झारखंड झरोखा कार्यक्रम के तहत आदिवासी फैशन शो होगा.

कल दिन भर होगा रंगारंग कार्यक्रम, समापन शाम को

10 अगस्त को सुबह 11 बजे से शाम को तीन बजे तक कई कार्यक्रम होंगे. नागपुरी बैंड के साथ आधुनिक नागपुरी एवं कुडुख गीत की प्रस्तुती होगी. त्रिपुरा, मिजोरम, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश व असम से आए कलाकार आदिवासी नृत्य एवं संगीत प्रस्तुत करेंगे. झारखंड का फिरकाल नृत्य की प्रस्तुति होगी. राजस्थानी पारंपरिक आदिवासी नृत्य होगा. झारखंड रंगारंग महोत्सव के तहत झारखंड के सात क्षेत्रीय एवं जनजातीय गीत नृत्य का कार्यक्रम होगा.

रांची विश्वविद्यालय के कार्यक्रम जोहार संगी -24 में राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा-

पढ़ाई के लिए बना है बेहतर माहौल

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा है कि आज हालात बदल चुके हैं और पढ़ाई के लिए पहले से बेहतर माहौल बना हुआ है. ऐसे में अधिक से अधिक लोग उच्च शिक्षा हासिल करें, यह हमारा प्रयास होना चाहिए. साथ ही, जनजातियों को पढ़ाई के लिए दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए. अपने कार्यों से समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरना चाहिए. जिस प्रकार आज जनजातियों की परंपरा और संस्कृति का पूरे विश्व में उदाहरण दिया जाता है, उसी प्रकार शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में भी उन्हें पिछड़ा न समझा जाए, आदर्श माना जाय. राज्यपाल गुरुवार को विमेंस कॉलेज में रांची यूनिवर्सिटी में विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि कल विश्व आदिवासी दिवस है. मुझे खुशी है कि रांची विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ के थीम प्रोटेक्टिंग द राइट्स ऑफ इंडीजिनस पिपुल इन वोलेंटरी आइसोलेशन एंड इंनिसियल कांटेक्ट पर जोहार संगी 24 का आयोजन किया गया है.

आरयू के कार्यक्रम में ढोलक बजाते राज्यपाल.

सार्वजनिक स्तर पर यह मेरा पहला कार्यक्रम : राज्यपाल ने कहा कि राज्य में सार्वजनिक स्तर पर यह मेरा पहला कार्यक्रम है. इस कार्यक्रम में आप सभी के बीच सम्मिलित होकर अभिभूत हूं. झारखंड वीरों की भूमि है, जहां धरतीआबा बिरसा मुंडा, बीर बुधु भगत, सिदो-कान्हु, चांद-भैरव, फूलो-झान्हो, जतरा उरांव जैसे महान सपूतों ने अपनी मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया. इन महान सपूतों का जन्म जनजाति समुदाय में हुआ था और उन सभी ने अपने उल्लेखनीय कार्यों से दिखाया कि वीरता और यश के लिए किसी विशिष्ट जाति और कुल की जरूरत नहीं है, बल्कि श्रेष्ठ कर्म की आवश्यकता होती है. इस अवसर पर मैं इन महान सपूतों के प्रति अपनी श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं, जिन्होंने हमारी मातृभूमि के लिए संघर्ष किया और अपने प्राणों की भी परवाह नहीं की.

देश की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा जनजातियों का : हमारे देश की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा जनजातियों का है और अति प्राचीन काल से ही जनजातीय समुदाय भारतीय सभ्यता और संस्कृति के महत्वपूर्ण अंग रहे हैं. उनकी कला, संस्कृति, लोक साहित्य, परंपरा और रीति-रिवाज की ख्याति विश्व स्तर पर है. जनजातीय गीत और नृत्य अत्यंत मनमोहक होते हैं, जो सभी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं. मुझे गर्व है कि हमारे जनजाति भाई-बहन प्रकृति प्रेमी होते हैं, जिसकी झलक उनके पर्व-त्योहारों में दिखती है.

जनजातियों की संख्या लगभग 27 प्रतिशत : झारखंड राज्य की 3.28 करोड़ से अधिक की आबादी में, जनजातियों की संख्या लगभग 27 प्रतिशत है। राज्य में 32 प्रकार की अनुसूचित जनजातियां हैं, जिनमें 8 प्रकार के पीवीटीजी भी शामिल हैं. अधिकांश जनजाति लोग गांवों में निवास करते हैं और उनके पास विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न प्रकार की विधा होती है. वे कई प्रकार की व्याधियों के उपचार की औषधीय दवा के संदर्भ में जानते हैं.

कई कल्याणकारी योजनाएं की जा रही हैं संचालित : अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं. हमारे जनजाति भाई-बहनों को इन योजनाओं के प्रति पूरी तरह से जागरूक होने की आवश्यकता है, ताकि वे इन योजनाओं से पूर्णतः लाभान्वित हो सकें. उन्हें अपनी संस्कृति और भाषा का भी सम्मान करना चाहिए और इसे संरक्षित रखना चाहिए. मुझे यह कहते हुए गौरव हो रहा है जनजाति समाज में दहेज-प्रथा नहीं है, जो एक अनुकरणीय उदाहरण है. जनजातियों को शिक्षा के प्रति और अधिक जागरूक होने की जरूरत है.

राज्यपाल अब झारखंड के होंगे मतदाता

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की. इस दौरान रांची विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार भी मौजूद रहे. उत्कर्ष कुमार ने राज्यपाल से फॉर्म 8 भरवाया, ताकि उनका नाम झारखंड की मतदाता सूची में स्थानांतरित हो सके. मतदाता सूची में नाम स्थानांतरण की औपचारिक प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है. जल्द राज्यपाल संतोष गंगवार का नाम रांची विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज हो जायेगा और वे झारखंड के मतदाता बन जायेंगे.

विनेश को मदद का ढिंढोरा शर्मनाक : डॉ. अजय कुमार

रांची/जमशेदपुर। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को मात्र 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण महिला कुश्ती 50 किग्रा से अयोग्य घोषित कर दिए जाने पर पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वरीय नेता डॉ. अजय कुमार ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रचार पर 38 करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं, जिसकी कहीं कोई चर्चा नहीं होती है. वहीं देश की बेटी विनेश फोगाट जिसने विश्व स्तर पर देश का मान व गौरव बढ़ाया है. सरकार द्वारा उसे दिये गये आर्थिक सहयोग जो मात्र 70.45 लाख है, के संबंध में संसद के पटल पर खेल मंत्री मनसुख मांडवीय द्वारा जिस प्रकार ढिंढोरा पीटा गया वह ना सिर्फ शर्मनाक है बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण भी है. उन्होंने कहा कि पेरिस ओलंपिक में भारतीय पहलवान विनेश फोगाट के ज्यादा वजन के कारण अयोग्य करार दिए जाने से जब पूरा देश में शोक में डूबा है, दुखी है. ऐसे समय पर देश के खेल मंत्री मनसुख मांडवीय द्वारा संसद में विनेश फोगाट को सरकार द्वारा अब तक दी गई आर्थिक मदद का बखान करना मोदी सरकार की घटिया मानसिकता को दर्शाता है.

कोर्ट की खबरें

धीरज व सत्यम के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने निवर्तमान पार्षद वेद प्रकाश की हत्या के आरोपियों धीरज मिश्रा और सत्यम पाठक के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है. विधानसभा थाना द्वारा रांची सिविल कोर्ट ने सीजेएम (चीफ ज्यूडीश्यल मजिस्ट्रेट) की कोर्ट में दोनों अभियुक्तों के खिलाफ वारंट जारी करने का आग्रह किया था, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने वारंट जारी कर दिया है. वारंट जारी होने के बाद पुलिस ने वारंट प्राप्त भी कर लिया है. इसके बाद अब आरोपियों की गिरफ़्तारी के लिए दबिश और तेज होगी. बता दें कि पिछले महीने धुर्वा में वेद प्रकाश को शाम में गोली मार दी गई थी. लंबे इलाज के बाद दिल्ली में वेद प्रकाश की तीन अगस्त को मृत्यु हो गई थी.

विनोद-राजकुमार का सरेंडर जमा किये एक लाख के बॉन्ड

रांची। लैंड स्कैम केस के आरोपी व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह और इसी केस के दूसरे आरोपी राज कुमार पाहन ने रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सरेंडर कर दिया है. साथ ही कोर्ट में एक लाख के बॉन्ड भी जमा किये हैं, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है. इससे पहले दोनों ने अपनी अग्रिम जमानत की अर्जी वापस ले ली थी. ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है. जिसमें विनोद सिंह और राजकुमार पाहन को भी अभियुक्त बनाया गया है. ईडी की पीसी पर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है. जिसके बाद राजकुमार और विनोद पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी.

सामान्य स्कूलों के उर्दूकरण पर दायर याचिका पर सुनवाई

रांची। झारखंड के सरकारी स्कूलों के उर्दू करण के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि उर्दू स्कूलों में रविवार की जगह शुक्रवार को छुट्टी दिए जाने का प्रावधान अविभाजित बिहार के समय से चला आ रहा है. जिसपर अदालत ने सरकार से पूछा कि सामान्य स्कूलों का उर्दूकरण कहा- कहा हुआ है और इनपर क्या कार्रवाई हुई है? सरकार ने कोर्ट को बताया कि सरकार ने जामताड़ा में सामान्य स्कूल जिनका नाम उर्दू स्कूल के रूप में बदल दिया गया था, उन स्कूलों पर कार्रवाई हुई है और वर्तमान में ये स्कूल सामन्य स्कूल के रूप में संचालित हो रहे हैं.

चुनाव आयोग से मिली मान्यता

जयराम की पार्टी का नाम झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा हुआ

विशेष संवाददाता। रांची

टाइगर जयराम महतो की पार्टी को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया से मान्यता मिल गयी है. इसके बाद गैर राजनीतिक संगठन झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) अब झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेकेएलएम) के नाम से जानी जायेगी. जेकेएलएम पार्टी का रजिस्ट्रेशन नंबर 56/042/4/2024 है. पार्टी निबंधन के बाद जयराम महतो ने एक सूचना जारी की है. उन्होंने कहा कि जो भी इस राजनीतिक दल से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं, वे अपनी दावेदारी विधानसभा सीट के साथ कर सकते हैं. आवेदन फार्म प्रधान कार्यालय धनबाद से प्राप्त किया जा सकता है.

जयराम महतो.

जयराम की पार्टी का नये क्षेत्रीय दल के रूप में हुआ उदय : मालूम हो कि लोकसभा चुनाव में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने के बाद संगठन ने राजनीतिक दल के रूप में निबंधन कराने की घोषणा की थी, जिसे चुनाव आयोग से मान्यता मिल गयी. इसी के साथ झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का झारखंड में एक नये क्षेत्रीय दल के रूप में उदय हो गया है. आगामी विधानसभा चुनाव में देखना दिलचस्प होगा कि जयराम महतो और उनका राजनीतिक दल किस करवट बैठता है. पार्टी अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी या फिर किसी गठबंधन में शामिल होंगी.

17 चिकित्सा पदाधिकारियों का तबादला, आदेश जारी

डॉ कमलेश बने राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी

रांची । राज्य सरकार ने 17 चिकित्सा पदाधिकारियों का तबादला कर दिया है. इसमें निदेशक, उपनिदेशक और सिविल सर्जन रैंक के पदाधिकारी शामिल हैं. डॉ कमलेश कुमार को राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी की जिम्मेवारी सौंपी गई है. स्वास्थ्य विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया.

नाम	कहां गए
डॉ वीरेंद्र प्रसाद सिंह	निदेशक परिवार कल्याण
डॉ शशि प्रकाश शर्मा	निदेशक संचारी रोग एवं शोध
डॉ चंद्रप्रकाश चौधरी	निदेशक स्वास्थ्य
डॉ राघवेंद्र नारायण शर्मा	राज्य आरसीएच पदाधिकारी
डॉ आनंद मोहन सोरेन	सिविल सर्जन, जामताड़ा
डॉ नवल कुमार	सिविल सर्जन गुमला
डॉ रामदेव पासवान	सिविल सर्जन सिमडेगा
डॉ दिनेश कुमार	सिविल सर्जन चतरा
डॉ साहिर पॉल	सिविल सर्जन पूर्वी सिंहभूम
डॉ पंकज कुमार	राज्य अंधापन नियंत्रण पदाधिकारी
डॉ सुशांतो कुमार मांझी	सिविल सर्जन पश्चिमी सिंहभूम
डॉ प्रवीण कुमार संथालिया	सिविल सर्जन साहिबगंज
डॉ वीरेंद्र सिंह	राज्य भीबीडी पदाधिकारी
डॉ अनिल कुमार	राज्य कुष्ठ रोग नियंत्रण पदाधिकारी
डॉ राजमोहन खलखो	उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं
डॉ अभय भूषण प्रसाद	सिविल सर्जन बोकारो
डॉ कमलेश कुमार	राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी

आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने को कर रहा जद्दोजहद : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के जनसंख्या विस्फोट के कारण संथाल परगना में आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने की जद्दोजहद कर रहा है. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि आदिवासियों के अस्तित्व को मिटाने का षड्यंत्र सिर्फ जमीन की लूट और लव जिहाद तक ही सीमित नहीं है, बांग्लादेशी घुसपैठिये संथाल आदिवासियों को नशे की गिरफ्त में फंसाकर उन्हें बर्बाद करने की साजिश रहे हैं.

बांग्लादेशी घुसपैठिये के कारण आदिवासी युवा नशाखोरी की चपेट में : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार के संरक्षण में बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा पूरे संथाल में चल रहा नशाखोरी का खेल युवाओं को बर्बाद कर रहा है. बांग्लादेशी घुसपैठियों के जनसंख्या विस्फोट के कारण संथाल परगना में आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने की जद्दोजहद कर रहा है. आदिवासियों के अस्तित्व को मिटाने का षड्यंत्र सिर्फ जमीन की लूट और लव जिहाद तक ही सीमित नहीं है, बांग्लादेशी घुसपैठिए संथाल आदिवासियों को नशे की गिरफ्त में फंसाकर उन्हें बर्बाद करने की साजिश रहे हैं.

अहम फैसला झारखंड सरकार ने जारी किया संकल्प पत्र

सूबे के पुलिसकर्मियों को भी मिलेगा डीजी प्रशंसा चिह्न

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड पुलिस के पदाधिकारी और कर्मियों को भी अब उनके असाधारण कार्य के लिए डीजी प्रशंसा चिह्न मिलेगा. झारखंड सरकार ने यह निर्णय लिया है. इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने संकल्प पत्र भी जारी कर दिया है. जारी संकल्प पत्र में कहा गया है कि स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और झारखंड के स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड पुलिस के पदाधिकारी और कर्मियों को पदक से अलंकृत किया जाता है. इस पदकों के लिए संख्या निर्धारित है. इसकी वजह से कई योग्य पुलिस पदाधिकारी और कर्मी इस पदक से वंचित रह जाते हैं. कई बार राज्य सरकार स्तर से अनुशंसा होने के बावजूद भी भारत सरकार के स्तर से पदकों का अनुमोदन प्राप्त नहीं होने के कारण संबंधित कर्मी पदक से वंचित रह जाते हैं.

120 पुलिस पदाधिकारी और कर्मी होंगे सम्मानित : गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 120 पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को इन प्रशंसा चिन्ह से सम्मानित किया जा सकेगा. इनमें प्रशंसा चिन्ह रजत, प्रशंसा चिह्न गोल्ड और प्रशंसा चिह्न हीरक शामिल है

अपनी वर्दी पर प्रशंसा चिह्न प्रदर्शित कर सकेंगे पुलिसकर्मी और पदाधिकारी

वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में उच्च कोटि का प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मी और पदाधिकारियों को डीजी द्वारा प्रशस्ति पत्र और प्रशंसा पत्र दिया जाता है. जिसे हर समय प्रदर्शित नहीं किया जा सकता है. अगर उन्हें प्रशंसा चिह्न मिलता है तो पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों का बेहतर उत्साहवर्धन होगा, क्योंकि इसे वो अपनी वर्दी पर प्रदर्शित कर सकेंगे. साथ ही गौरवान्वित महसूस करेंगे. इसलिए राज्य सरकार ने झारखंड पुलिस के भी पदाधिकारियों और कर्मियों को उनके असाधारण कार्य के लिए डीजी प्रशंसा चिह्न प्रदान किये जाने का निर्णय लिया है.

क्लासिफाइड

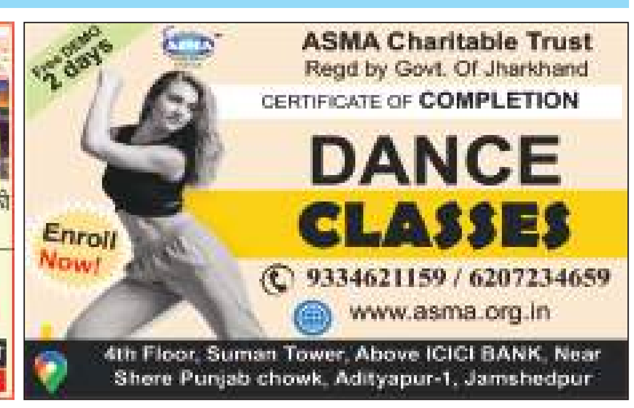

PLEASE SEND YOUR RESUME FOR AN INDUSTRIAL AUTOMATION ORGANISATION, MOSTLY ENGAGED WITH PRESTIGIOUS PROJECTS IN

TATA STEEL, UCIL, ISRO, BARC ETC.

1. MARKETTING MANAGER : SALARY 2.4 LAKHS PA, ITI, DEE, BEE FOR JAMSHEDPUR, SALES PLC SCADA HMI KNOWLEDGE, experience 2 years
2. OFFICE ASSISTANT : SALARY 2.4 LAKHS PA, Graduate with 5 Years Work Experiance Computer Proficient, Knowledge About Tender and TATA STEEL PROCUREMENT

MAIL CV : pradeep_wk@yahoo.com

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

* *

www.lagatar.in रांची, शुक्रवार 09 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 122 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.4	26.1
जमशेदपुर	32.0	25.2
डालटनगंज	33.5	25.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य का गुरुवार को निधन हो गया. वह 80 वर्ष के थे. माकपा के राज्य सचिव मो. सलीम ने यह जानकारी दी. भट्टाचार्य के परिवार में उनकी पत्नी मीरा और बेटी सुचेतना हैं. उनके निधन पीएम नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी समेत देश के अन्य नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है. भट्टाचार्य ने गुरुवार सुबह 8.30 बजे अंतिम सांस ली. भट्टाचार्य का पार्थिव शरीर दिन में शवगृह में रखा जाएगा और शुक्रवार को माकपा के राज्य मुख्यालय ले जाया जाएगा, जहां लोग उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे. माकपा मुख्यालय से उनका शव अस्पताल ले जाया जाएगा क्योंकि भट्टाचार्य ने पहले ही यह ऐलान किया था कि मृत्यु के बाद उनका शरीर चिकित्सा रिसर्च के लिए समर्पित कर दिया जाए. खबर सुनते ही माकपा समर्थक भट्टाचार्य के आवास पर आ गए. जबकि विभिन्न दलों के नेता उनके फ्लैट पर पहुंचे. वरिष्ठ माकपा नेता साल 2000 में बंगाल के सीएम बने थे. भट्टाचार्य साल 2011 के विस चुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी से हार गये और राज्य में माकपा के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे के 34 साल का शासन खत्म हो गया था. ममता बनर्जी ने कहा, पूर्व भट्टाचार्य के आकस्मिक निधन से स्तब्ध और दुखी हूं. एक युग का अंत हो गया है.

वक्फ संशोधन बिल संसद में पेश: जेपीसी को भेजा जाएगा

ये होंगे बड़े बदलाव

वक्फ कानून की जगह एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम के नाम से जाना जायेगा.

वक्फ को जमीन सर्वे का अधिकार था, यह अधिकार अब जिला के डीसी को होगा.

केंद्रीय वक्फ परिषद व राज्य स्तर के वक्फ बोर्ड में दो गैर मुस्लिम प्रतिनिधि होंगे.

बोहरा और आगाखानी समुदायों के लिए अलग वक्फ बोर्ड की स्थापना होगी.

छह महीने के भीतर वक्फ का पंजीकरण सेंट्रल पोर्टल व डाटाबेस पर करना होगा.

वक्फ ट्रिब्यूनल में तीन के बदले दो सदस्य होंगे. ट्रिब्यूनल का आदेश अंतिम नहीं माना जायेगा. 90 दिन के भीतर हाईकोर्ट में चुनौती दी जा सकती है.

कोई भी संपत्ति वक्फ का है या नहीं, इसके फैसले का अधिकार वक्फ बोर्ड को नहीं रहेगा.

अगर किसी व्यक्ति ने 12 साल से अधिक समय से वक्फ की जमीन पर कब्जा कर रखा है, तो वह मालिक बन सकता है.

एजेंसियां। नयी दिल्ली

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक पेश किया और फिर विपक्ष की मांग पर इसे संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) के पास भेजने का प्रस्ताव दिया. इस पर स्पीकर ओम बिरला ने आश्वासन दिया कि कमेटी का गठन जल्द ही कर दिया जाएगा.

इससे पूर्व रिजीजू ने सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को पेश किया और विभिन्न दलों की मांग के अनुसार विधेयक को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने का प्रस्ताव किया. विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का पुरजोर विरोध किया और कहा कि यह संविधान, संघवाद और अल्पसंख्यकों पर हमला है. विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए किरेन रिजीजू ने कहा कि विधेयक में किसी धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है तथा संविधान के किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है. उन्होंने कहा, वक्फ संशोधन पहली बार सदन में पेश नहीं किया गया है. आजादी के बाद सबसे पहले 1954 में यह विधेयक लाया गया. इसके बाद कई संशोधन किए गए. रिजीजू ने कहा कि व्यापक स्तर पर विचार-विमर्श के बाद यह संशोधन विधेयक लाया गया है, जिससे मुस्लिम महिलाओं और बच्चों का कल्याण होगा. उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के समय बनी सच्चर समिति और एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का उल्लेख किया और कहा कि इनकी सिफारिशों के आधार पर यह विधेयक लाया गया.

विपक्षी दलों ने वक्फ संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान और संघवाद पर हमला है तथा अल्पसंख्यकों के खिलाफ है. इस बिल का कांग्रेस, सपा, एनसपी (एसपी), एआईएमआईएम, द्रमुक, टीएमसी, माकपा, आईयूएमएल और आरएसपी ने विरोध किया. हालांकि सरकार को अपने सहयोगियों जदयू, तेदेपा, शिवसेना व लोजपा का समर्थन मिला है. रिजीजू ने दावा किया कि इस बिल के जरिए किसी भी धार्मिक बॉडी की स्वतंत्रता में कोई भी हस्तक्षेप नहीं किया गया है.न ही कोई संविधान का उल्लंघन हो रहा है. - शेष पेज 11 पर

वक्फ एक नजर में

8.72 लाख संपत्तियां

3.56 लाख जायदादें

9.4 लाख एकड़ जमीन

बिहार में मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण अनिवार्य

पटना । बिहार सरकार ने राज्य के सभी जिलों के डीएम को निर्देश दिया है कि उनके जिलों में मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण कराया जाए और उनकी संपत्तियों का विवरण राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड को दिया जाए, ताकि इसे उसकी वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके. बीएसबीआरटी बिहार सरकार के विधि विभाग के अंतर्गत आता है. कानून मंत्री नितिन नवीन ने कहा, सभी डीएम को निर्देश दिया गया है कि वे सभी अपंजीकृत मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण कराएं. मैंने इस संबंध में सभी डीएम को पत्र लिखा है. अभी तक केवल 18 जिलों ने ही बीएसबीआरटी को आंकड़ा दिया है. बिहार हिंदू धार्मिक ट्रस्ट अधिनियम, 1950 के अनुसार, बिहार में सभी सार्वजनिक मंदिरों/मठों, ट्रस्ट और धर्मशालाओं को बीएसबीआरटी के तहत पंजीकृत होना चाहिए. राज्य सरकार पंजीकृत मंदिरों/मठों/ट्रस्ट की संपत्तियों की बिक्री व खरीद के अवैध कामों में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,200
चांदी (किलो)	84,000

ब्रीफ खबरें

मो. यूनुस ने संभाली बांग्लादेश की सत्ता

ढाका। नोबेल विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ले ली है. यूनुस को राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति भवन में समारोह में पद की शपथ दिलाई. -पेज 12 भी देखें

जिंदगी अब ज्यादा मुश्किल हो गई है

नयी दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को संसद भवन के रिसेप्शन एरिया में जाकर मछुआरों के डेलिगेशन से मुलाकात की. इसे लेकर राहुल ने कहा, हमारा हक बनता है कि हम किसी से भी मिल सकें, लेकिन वे रोक देते हैं. मछुआरों का श्रीलंका का एक मुद्दा है. मैंने किसानों के बारे में कहा, स्पीकर ने हाउस में कहा था कि रोका नहीं जा रहा है, लेकिन फिर रोक रहे हैं. मेरी जिंदगी अब कुछ ज्यादा मुश्किल हो गई है.

रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को बरकरार रखा

मुंबई। रिजर्व बैंक ने उम्मीद के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार नौवीं बार नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा. इसके अलावा आरबीआई ने चेक क्लीयरेंस और यूपीआई पेमेंट आदि पर भी दिशा-निर्देश जारी किए. - पेज 11 भी देखें

जापान में तगड़ा भूकंप सुनामी की चेतावनी

तोक्यो। जापान के दक्षिणी तट पर गुरुवार को रिक्टर पैमाने पर 7.1 की गति से भूकंप के तगड़े झटके महसूस किए गए. इसके बाद देश में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है.

ईडी अफसर 20 लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार

नयी दिल्ली। सीबीआई ने मुंबई के एक जौहरी से 20 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में ईडी के एक सहायक निदेशक को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी.

मुख्यमंत्री ने उलियान में शहीद निर्मल महतो को दी श्रद्धांजलि, कहा

फिर सरकार बनी तो सबको देंगे एक-एक लाख रुपये

सुनील पांडेय । जमशेदपुर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार को गठन के समय से ही अस्थिर करने की कोशिश जारी रखी गई. लेकिन कामयाबी नहीं मिली. अंततः सरकार अपना कार्यकाल पूरा करने जा रही है. इन वर्षों में जितना काम आम जनता हित में किया, उतना काम किसी भी सरकार में नहीं हुआ. मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का जिक्र करते हुए हेमंत ने कहा कि महिलाओं को एक वर्ष में 12 हजार रुपए मिलेंगे. पुनः अगर अगली सरकार बनी, तो यहां के हर नागरिक को एक-एक लाख रुपए मिलेंगें.

सीएम गुरुवार को जमशेदपुर के कदमा उलियान में शहीद निर्मल महतो शहादत दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे. कहा कि यहां की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के साथ अन्याय किया. पुरानी पेंशन योजना की बजाय नई पेशन योजना लागू की. जिसका पुरजोर विरोध हुआ. लेकिन उनकी सरकार ने 2019 में पुरानी पेंशन योजना को बरकरार रखने का काम किया. कैबिनेट के एक हालिया फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लेक्चरर, प्रोफेसर, शिक्षक व कर्मचारी लगातार पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग कर रहे थे. उनकी मांगों को कैबिनेट ने मुहर लगाते हुए पुरानी पेंशन योजना से जोड़ने का निर्णय लिया. इस निर्णय से कई हजार लोगों के चेहरों पर मुस्कान लौटी है. जबकि केंद्र सरकार इनकी मुस्कान छीन चुकी थी. पेंशन योजना को बुढ़ापे की लाठी बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बुजुर्गों की लाठी छीनने का काम कर रही है. जबकि उनकी सरकार हर नागरिक के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम कर रही है.

सितंबर से शुरू होगी 5 हजार सिपाहियों की बहाली

विस चुनाव कराने की दी चुनौती

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री लगातार केंद्र सरकार और भाजपा पर बरसते रहे. कहा कि केंद्र की सरकार व भाजपा उनकी सरकार को लगातार परेशान करती रही. कई राज्यों में सरकार गिरायी और बनायी. लेकिन उनका मंसूबा झारखंड में सफल नहीं हो पाया. अंततः झूठे मामले में हमें जेल भेजने का काम किया. लेकिन अदालत से न्याय मिला. उन्होंने कहा कि वे भाजपा के हर कुचक्र का जबाव देने के लिए तैयार हैं. हालिया संपन्न लोकसभा चुनाव की चर्चा करते हुए कहा कि अकेले बहुमत का दंभ भरने वाली भाजपा को आज बैशाखी के सहारे सरकार चलानी पड़ रही है. उस पार्टी की षड़यंत्रकारी नीति का जनता ने जवाब दिया. कहा कि वे चुनौती देते हैं कि अगर आज झारखंड में चुनाव हो जाए, तो यहां से भाजपा का सफाया तय है.

रोजगार देने में जुटी है सरकार

मुख्यमंत्री ने मंच से घोषणा की कि झारखंड में रोजगार देने की दिशा में सरकार तेजी से कार्य कर रही है. कई विभागों में रिक्त पदों को भरा गया है. वहीं सिपाही बहाली के लिए आवेदन मांगे गए थे. अब तक 15 लाख आवेदन आए हैं. जिनमें 5 हजार सिपाही की बहाली होगी. बहाली प्रक्रिया सितंबर से शुरू होगी. वहीं उच्च शिक्षा के लिए सरकार गुरुजी क्रेडिट कार्ड के माध्यम से युवाओं को 15 लाख रुपए दे रही है. इसके लिए किसी गारंटर की जरूरत नहीं है. सरकार गारंटर बन रही है. चार प्रतिशत की ब्याज पर पैसे मिल रहे हैं. पढ़ाई पूरी होने तक पैसे वापस करने की भी चिंता नहीं करनी है. शहादत दिवस समारोह को पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, विधायक रामदास सोरेन, मंगल कालिंदी, सविता महतो, संजीव सरदार आदि ने भी संबोधित किया. इससे पहले मुख्यमंत्री ने उलियान स्थित शहीद निर्मल महतो की समाधि पर पुष्प अर्पित कर तथा उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की.

घुसपैठ पर हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को लगाई फटकार, कहा

यह देश की सुरक्षा का सवाल है

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

▪ टिप्पणी : घुसपैठिए देश में घुस जाएंगे तब आप जागेंगे

झारखंड हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा शपथ पत्र दाखिल नही किए जाने पर कड़ी टिप्पणी की. मौखिक कहा कि देश में घुसपैठ करने वालों के घुस जाने के बाद क्या केंद्र सरकार कार्रवाई करेगी. अभी

बांग्लादेश में उथल-पुथल की स्थिति है, वहां राजनीतिक अस्थिरता है. ऐसे में भारत में बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के लिए बॉर्डर में बीएसएफ को कड़ी निगरानी करनी पड़ेगी. कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़ने पर केंद्रीय गृह सचिव से भी जवाब मांगा जा सकता है और उन्हें कोर्ट में बुलाया जा सकता है, यह देश की सुरक्षा का सवाल है. जो आ रहे हैं उनको रोकिए और जो यहां आकर बसे हैं, उनकी पहचान कर उन्हें वापस भेजने की पहल करें.

एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की अदालत ने भारत सरकार के इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के डायरेक्टर, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के डायरेक्टर जनरल, चीफ इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया और डायरेक्टर जनरल यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया को प्रतिवादी बनाया है, उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. कोर्ट ने इंटेलिजेंस ब्यूरो से सीलबंद रिपोर्ट मांगी है. सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश की आलोक में 6 जिलों के उपयुक्त (डीसी) द्वारा जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर कोर्ट ने राज्य सरकार पर कड़ी नाराजगी जताई. शेष पेज 11 पर

अंबानी परिवार नंबर 1 बजाज नंबर दो

मुंबई। अंबानी परिवार 25.75 लाख करोड़ के साथ देश का सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसाय बना है. गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. बार्कलेज प्राइवेट क्लाइंट्स हुरुन इंडिया के सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसायों की सूची में बजाज परिवार 7.13 लाख करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर है. बिरला परिवार 5.39 लाख करोड़ के साथ तीसरे स्थान पर है. सूची में अडाणी परिवार का मूल्य 15.44 लाख करोड़ आंका गया है, लेकिन पहली पीढ़ी का व्यवसायी होने से यह मुख्य सूची में शामिल नहीं है. दूसरी पीढ़ी के परिवारों वाली सूची में अडाणी शीर्ष पर हैं.

गोलकीपर श्रीजेश ने ली हॉकी से यादगार विदाई, स्पेन को 2-1 हराया

हॉकी टीम ने जीता कांस्य

एजेंसी। पेरिस

भारतीय हॉकी टीम ने इतिहास रच दिया है. हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने पेरिस ओलंपिक्स 2024 में ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है. टीम इंडिया ने स्पेन को 2-1 से हरा दिया. भारत के लिए दोनों ही गोल हरमनप्रीत सिंह ने किए. टीम इंडिया के दिग्गज गोलकीपर पी श्रीजेश के लिए यह मुकाबला बेहद खास रहा. यह उनके करियर का आखिरी मैच था. मैच समाप्त होते ही श्रीजेश मैदान में लेट गए और धरती को चूम लिया. टीम इंडिया को पेरिस ओलंपिक्स में यह चौथा मेडल मिला है. इससे पहले उसे तीन मेडल शूटिंग में मिले हैं. पहले क्वार्टर में दोनों ही टीमें एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देती हुई दिखीं. लेकिन इसमें एक भी गोल नहीं हो सका. स्पेन ने दूसरे क्वार्टर में बाजी मार ली. उसके लिए मार्क मिरालेस ने 18वें मिनट में गोल दाग दिया. हालांकि स्पेन की खुशी ज्यादा देर नहीं टिकी. भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दम दिखाते हुए भारत के लिए गोल दाग दिया. इस तरह भारत और स्पेन की टीमें दूसरे क्वार्टर के खत्म होने तक 1-1 की बराबरी पर रहीं. टीम इंडिया तीसरे क्वार्टर में आक्रामक नजर आई. तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही भारत ने गोल कर दिया. हरमनप्रीत ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाया और गोल कर दिया. खेल खत्म होने तक टीम इंडिया के पास 2-1 की बढ़त रही.

पीएम मोदी ने टीम से की बात

पीएम मोदी ने कैप्टन हरमनप्रीत सिंह समेत पूरी टीम को बधाई दी. पीएम मोदी नेबातचीत की शुरुआत में हरमनप्रीत से कहा, सरपंच साहब, आपको और पूरी टीम को बहुत बधाई. भारत का नाम रोशन किया है. मैंने टोक्यो में कहा था कि आपने पराजय की श्रृंखला को तोड़ा है. इस बार भी हमने प्रगति की है और हमें पूरा यकीन है कि जो हॉकी का पुराना स्वर्णिम काल था, उसे फिर से वापस लेकर आएंगे. मुझे विश्वास हो गया है. इसके बाद मोदी ने रिटायरमेंट लेने वाले श्रीजेश से भी बात की और पूछा कि कैसे हो भैया. मोदी ने कहा कि मुझे लगता है कि हॉकी को समझने वाला हर बच्चा इसको याद रखेगा और इसे उदाहरण की तरह माना जाएगा. देश को गर्व हो रहा है आप पर. -पेज 10 भी देखें

मां, कुश्ती जीत गई, मैं हार गई, माफ करना...

भावुक विनेश फोगाट ने खेल को अलविदा कहा

एजेंसी। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक में अयोग्य ठहराये जाने के बाद अपनी मां को संबोधित एक भावुक संदेश में कुश्ती को अलविदा कहने की घोषणा की और कहा कि अब आगे खेलने की ताकत नहीं है. विनेश को बुधवार को महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था.

उन्होंने 'एक्स' पर संन्यास की घोषणा की. अपनी मां प्रेमलता को संबोधित करते हुए 29 वर्षीय विनेश ने लिखा, मां, कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई. माफ करना. आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके. इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब. दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता ने कहा, अलविदा कुश्ती 2001-2024. मैं आप सभी की हमेशा ऋणी रहूंगी. मुझे माफ कर दीजिए. विनेश ने खेल पंचाट (कैस) में खुद को अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील की है और मांग की कि उन्हें संयुक्त रजत पदक दिया जाए. ओलंपिक खेलों के दौरान उत्पन्न किसी भी विवाद के समाधान के लिए यहां खेल पंचाट स्थापित किया गया है, जो अगले कुछ घंटों में उनकी अपील पर सुनवाई करेगा. विनेश ने दिन का एक बड़ा हिस्सा खेल गांव के अस्पताल में बिताया, क्योंकि वजन कम करने के उपाय से उनके शरीर में पानी की कमी हो गई. इन उपायों में भूखा रहना, तरल पदार्थों से परहेज करना और पसीना बहाने के लिए पूरी रात जागना शामिल था.

पर उपदेश कुशल बहुतेरे

प्रसंगवश

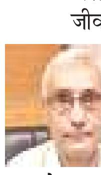

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

मशहूर कृषि वैज्ञानिक घाघ ने कहा है- अंबरझार बहे पुरुआई, तब समझो पावस ऋतु आई. सचमुच इस महीने देश भर में ऐसी ऐसी पुरवाई बही है कि उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम सब जगह से जल प्रलय जैसी खबरें आ रही हैं. चतुर्दिक जीवन-जीवन की पुकार मची है. जीवन का अर्थ जल भी होती है. लेकिन हमारी संसद पिछले हफ्ते जाति का जंगल राग गा रही थी. बजट पर चर्चा जाति के कर्कश आरोप-प्रत्यारोप पर उतर आई. पता नहीं क्या हो गया है हमारे रहनुमाओं को. उनकी चुनाव की खुमारी शायद अभी उतरी ही नहीं है. उन्होंने संसद को चुनावी मंच बना दिया है. कुछ भी हो भाई लोग अपना राजनीतिक मुद्दा घुसेड़ ही देते हैं. एक तरफ के सलाहकारों ने समझा दिया है कि जाति से ही सत्ता मिलेगी. यह जाति सिर्फ हिन्दुओं की होती है. जाति दूसरे मजहबी समाजों में भी होती है, लेकिन उनकी पहचान जाति से नहीं है. इसलिए हिंदू जातियों में जितना टूटेगा अपने लिए फायदेमंद होगा. जाति एक हकीकत है, लेकिन जमात के बगैर केवल जाति फायदेमंद नहीं होती है. सलाहकारों को इससे कोई मतलब नहीं है कि देश, समाज की सेहत के लिए क्या फायदेमंद है और क्या नुकसानदेह. उन्हें तो सिर्फ गड्ढा खोदना है जिसमें सामने वाला डूब जाए. अभी तो एक नया प्रचलन चल पड़ा है. क्रांतिकारी और दूरदर्शी नेता वह हो गया है जो सबकी जाति पूछता है. सैनिकों की, जजों की, अफसरों की, पत्रकारों की, कामगारों की, किसानों की, युवाओं की और कर्मचारियों की. उनकी योग्यता, क्षमता, आचरण की एक मात्र कसौटी जाति बताई जा रही है. अगर वह सवर्ण है तो काबिल औ इंसाफपसंद हो ही नहीं सकता. ऐसी एक भ्रांत धारणा कुछ विशेषाधिकार प्राप्त वंशवादी नेताओं के दिमाग में ठूंस दी गयी है. उनमें से एक महाशय चुनौती भरे लहजे में आए दिन जातीय जनगणना का उद्घोष करते रहते हैं. लेकिन अपने नेतृत्व वाले राज्यों में यह पुनीत कार्य करने का जोखिम नहीं उठाते हैं. कम से कम एक उदाहरण तो पेश कर ही सकते थे. इनके पुरखों ने जातीय गणना को रोक कर रखा. पिछड़ों के आरक्षण की सिफारिशें उन्होंने लागू नहीं की. जब एक राजनीतिक मजबूरीवश लागू भी नहीं हुईं, तो विरोध भी उन्होंने ने ही किया. फिर भी यदि महानुभावों को अब समझ में आ गया है कि पहले जो गलती हो चुकी है, उसे सुधारना देशहित में जरूरी है तो उसका श्रीगणेश स्वयं अपनी पार्टी और स्वयं से जुड़ी संस्थाओं से ही क्यों नहीं करते ? वह बाकायदा एक सूची क्यों नहीं जारी करते कि उनके कितने प्रदेश अध्यक्ष किस जाति के हैं. -शेष पेज 11 पर

आदिवासियों के सभी अधिकारों की सुरक्षा का प्रतीक

अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस पर विशेष

प्रभाकर तिर्की

झारखंड आंदोलनकारी और आजसू के संस्थापक सदस्य

अगस्त 9 को हर वर्ष पूरी दुनिया में आदिवासी दिवस का आयोजन किया जाता है. यह आयोजन आदिवासियों की पारंपरिक समाज व्यवस्था पर आधारित सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक आधिकारों की सुरक्षा के प्रतीक के रूप में किया जाता है. आदिवासी दिवस की घोषणा संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आदिवासी अधिकारों के घोषणा पत्र बनाने के लिए गठित कार्यदल की पहली बैठक 9 अगस्त 1982 के यादगार के रूप की गयी. आदिवासी दिवस का मुख्य आधार है संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा तैयार किया गया आदिवासी अधिकारों का घोषणा पत्र 1993. यह घोषणा पत्र संपूर्ण विश्व के आदिवासी समुदाय की सामाजिक, सांस्कृतिक अस्मिता की सुरक्षा और विशिष्ट व विकसित समाज द्वारा राष्ट्रीय नीतियों के माध्यम से बड़े पैमाने पर आदिवासी जमीन की गैरकानूनी तरीके से लूट, जमीन हथियाने के लिए किये जानेवाले नरसंहारों, उन्हें अपनी सीमाओं के अंदर हाशिये पर ढकेलकर गरीबी व बदहाली का जीवन जाने के लिए मजबूर करने की नीतियों के विरोध में आदिवासी समुदाय को एकजुट करने के लिये प्रेरित करती है. आदिवासियों के साथ भेदभाव व क्रूर तरीके से जुल्म और दमनात्मक कार्रवाइयों से सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय वराष्ट्रीय नियमों द्वारा स्थापित सिद्धांतों के तहत देशज / आदिवासियों को वंचित करने और उन्हें उनके पारंपरिक आर्थिक संसाधनों जल, जंगल, जमीन से बेदखल करने की नीतियों के विरोध में भी आदिवासी समुदायों को एकजुट करने के लिए प्रेरित करती है.

आदिवासी आयोग का गठन सहित कई महत्वपूर्ण प्रावधान पर गौर करना जरूरी : संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आदिवासी अधिकारों का घोषणा पत्र- 1993 एक दस्तावेज है, जो दुनिया के तमाम आदिवासी समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक नीति निर्धारण का मार्ग प्रशस्त करती है. वैसे तो भारत में आजादी के साथ ही संविधान में अनुसूचित जनजातियों के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किये गये हैं. परंतु आज के संदर्भ में इन प्रावधानों को अमली जामा पहनाने के लिए किये गये प्रयास संतोषजनक नहीं हैं. भारत के संदर्भ में आदिवासी के लिए अंतरराष्ट्रीय घोषणा पत्र 1993 पर गहन विचार- विमर्श एक महत्वपूर्ण विषय है. विशेष कर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13 (3) क, 29 (च), 243, पंचायतों का उपबंध और अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायतों का विस्तार अधिनियम 1996, 244(1) पांचवीं अनुसूची, वनाधिकार अधिनियम 2006, 338 आदिवासियों के लिए आयोग का गठन सहित कई महत्वपूर्ण प्रावधान हैं. -शेष पेज 11 पर

रिक्शा चालकों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट

- नो एंट्री एरिया में भी टोटो का प्रवेश
- जिला प्रशासन से रोक लगाने की मांग

संवाददाता । धनबाद

टोटो चालकों की बढ़ती मनमानी से रिक्शा चालकों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया है. टोटो चालक नो एंट्री एरिया में भी जबरन प्रवेश कर कम किराए में सवारी ढ़ो रहे हैं, जिससे रिक्शा चालकों को सवारी मिलना मुश्किल सा हो गया है. रिक्शा चालक लोकल किराया 30-40 रुपए लेते हैं तो वहीं टोटो चालक 10 रुपए. इस वजह से भी रिक्शा चालकों को सवारी मिलना मुश्किल हो गया है. सवारी टोटो में कम किराया देकर गंतव्य तक पहुंचना बेहतर समझते हैं.

इस संबंध में रिक्शा चालक लखन राय ने बताया कि जब से शहर में टोटो आई है तब से रिक्शा चालकों की आमदनी छिन गई है. दो वक्त की रोटी नसीब नहीं हो रही है. रात में सामाजिक संस्थाओं द्वारा खाना का वितरण किया जाता है, जिसे खाकर पेट भरता हूं. बीबी-बच्चों का पेट भरना मुश्किल हो गया है. दिन भर 100-200 रुपए की आमदनी भी नहीं होती है. जिला प्रशासन टोटो चालकों की मनमानी पर रोक लगाए, जिससे रिक्शा चालकों की रोजी-रोटी बरकरार रहे.

एक अन्य रिक्शा चालक दुलाल पंडित ने बताया कि 15 वर्षों से रिक्शा चला रहा हूं. पहले 500 रुपए प्रतिदिन कमाई हो जाती थी. टोटो आने के बाद कमाई घटकर 150 – 200 रुपए हो गई है. इस पैसे से घर परिवार चलाना मुश्किल हो गया है. इतना ही नहीं रिक्शा मेरा अपना नहीं है. रिक्शा मालिक को भी इसी कमाई में से प्रतिदिन 40 रुपए देना पड़ता है. जिला प्रशासन जल्द टोटो चालकों का रूट तय करे, जिससे हम लोग भी कुछ कमा सकें.

रिक्शा चालक पवन महतो का कहना है कि टोटो चालकों का भी रूट तय होना चाहिए. गली मोहल्ले में टोटो चालकों के प्रवेश पर जिला प्रशासन पूरी तरह रोक लगाए. टोटो के कारण हम लोगों की आमदनी छिन गई है. 20 वर्षों से रिक्शा चला रहा हूं. पहले की तरह अब कमाई नहीं रह गई है. सुबह से रात दस बजे तक प्रतिदिन 150 से 200 रुपए ही कमा पाता हूं. इस कमाई में खुद क्या खाउंगा और घर-परिवार को क्या खिलाउंगा? टोटो चालक की मनमानी इसी तरह जारी रही तो रिक्शा चालकों के समक्ष भुखमरी की नौबत आ जाएगी.

ब्रीफ खबरें

नियोजन की मांग को ले ग्रामीणों का प्रदर्शन

कतरास । स्थानीय बेरोजगारों को आउटसोर्सिंग कंपनी में नियोजन देने की मांग को लेकर झींझीपहाड़ी, सलानपुर ,राजबाडी,टंडा सहित आसपास के ग्रामीणों ने गुरुवार को बीसीसीएल के एरिया चार के सलानपुर कोलियरी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारी आरके आउटसोर्सिंग कंपनी में स्थानीय बेरोजगार युवकों को नियोजन देने की मांग कर रहे थे. प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने कंपनी प्रतिनिधि को मांगपत्र सौंपा. ग्रामीणों ने कहा कि 75 प्रतिशत स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार देना होगा, नहीं तो कंपनी को उत्खनन कार्य नहीं करने देंगे. बीते कई माह से नियोजन की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी कंपनी कोई पहल नहीं कर रही है. मौके पर भाजपा कतरास मंडल महामंत्री सूर्य देव मिश्रा,भरत शर्मा, अर्जुन महतो, पूर्व पार्षद बिरजू बाउरी,सत्या देवी, लक्ष्मी देवी, रंकी देवी, कविता देवी, गीता देवी, सोना देवी, मीना देवी, रूमा देवी, राजेश सिंह, भरत शर्मा, श्रीकांत केवट, किशोर महतो , बंटी शर्मा, मिंटू केवट आदि शामिल थे.

नाबालिग से छेड़छाड़ करने का आरोपी रिहा

धनबाद । नाबालिग से छेड़छाड़ करने के एक मामले में गुरुवार को धनबाद पोक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट की दलील सुनने के बाद मामले के नामजद आरोपी राजेश भूईंया को रिहा करने का आदेश दिया है. प्राथमिकी पीड़िता की शिकायत पर कतरास थाने में दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 23 जुलाई 2019 को पीड़िता अपने घर के बाहर पूजा कर रही थी. तभी अचानक राजेश आया और उसके साथ छेड़खानी करने लगा. हो- हल्ला होने पर अगल बगल के लोग आने लगे तो राजेश ईंट पत्थर चलाने लगा. थोड़ी देर बाद वह तलवार लेकर आया और धमकी दिया. अनुसंधान के बाद पुलिस ने चार अक्टूबर 2019 को आरोप पत्र दायर किया था. 21 नवंबर19 को आरोप तय होने के बाद सुनवाई शुरू हुई थी. इस दौरान अभियोजन ने पांच गवाहों का परीक्षण कराया था.

कमांडेंट ने आरपीएफ पोस्ट का किया निरीक्षण

गोमो । आरपीएफ कमांड़ेट अनुराग मीना गुरुवार को गोमो पहुंचे. उन्होंने आरपीएफ पोस्ट की संचिकाओं पड़ताल कर लंबित मामले को यथाशीघ्र निपटारा करने का दिशा निर्देश दिए. बैरक का निरीक्षण कर जवानों से समस्यायों को लेकर पूछताछ किए. यात्री सुरक्षा को लेकर बेठक कर कई दिशानिर्देश दिए. मौके पर आरपीएफ निरीक्षक एसके मिश्रा सहित पोस्ट के पदाधिकारी मौजूद रहे.

तोपचांची में निर्मल महतो का मनाया शहादत दिवस

तोपचांची । गोमो-तोपचांची मार्ग स्थित महतो मार्केट में गुरुवार को निर्मल महतो का 37 वां शहादत दिवस आजसू पार्टी ने मनाया. इस दौरान पार्टी नेताओं ने दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी. आजसू नेता सदानंद महतो ने कहा कि निर्मल महतो आजसू पार्टी के संस्थापक सदस्य थे. झारखंड अलग राज्य आंदोलन में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. उन्होंने युवाओं को सक्रिय राजनीति में जोड़ने का प्रयास किया. झारखंड को शोषण मुक्त बनाने का सपना निर्मल महतो का था. मौके पर रमेश जयसवाल , सोमर डोम, मनोज गोप, गिरधारी महतो, ओमप्रकाश महतो, रामचन्द्र ठाकुर, लखन महतो, धीरेन्द्र राम समेत आजसू के अन्य कार्यकर्त मौजूद थे.

मंईयां सम्मान योजना

सर्वर डाउन रहने से महिलाएं रहीं परेशान

तकनीकी बाधा अविलंब दूर करने की मांग

संवाददाता । महुदा

पंचायत सचिवालय तेलमोचो में गुरुवार को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का ऑनलाईन फॉर्म भरने आई महिलाओं को एक बार फिर सर्वर डाउन रहने से परेशानी का सामना करना पड़ा. यहां बड़ी तादाद में महिलाएं फॉर्म भरने आई थी, लेकिन सर्वर डाउन रहने के कारण कम महिलाएं ही फॉर्म भर पाई. खिया प्रतिनिधी शिबू महतो ने बताया कि दिनभर सर्वर धीमा रहने के कारण सिर्फ तीन फॉर्म ही भरा जा सका. उन्होंने सरकार से फॉर्म भरने में आ रही तकनकी बाधा दूर करने की मांग की है. मौके पर मुखिया मीरा कुमारी, पंचायत सचिव मुख्यमंत्री जोगेश्वर

प्रसाद साव, उप मुखिया यार मोहम्मद अन्सारी, वार्ड सदस्य गैतम कुमार मोदक, शबनम आरा, मकसूद आलम, कन्हाई रजक, नरेश मोदक, सुशीला देवी, चंचला देवी, गीता देवी, संगीता देवी, बिरू हेम्ब्रम,सेविका रूमा देवी, प्रज्ञा केन्द्र के कंप्यूटर ऑपरेटर दामोदर महतो, गोविंद महतो, गोपाल महतो, अतीश कुमार रवानी, सन्तोष महतो, तेलमोचो पैक्स अध्यक्ष प्रदीप कुमार तिवारी आदि मौजूद थे.

राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. कमलेश कुमार धनबाद पहुंचे

अस्पताल का जायजा लिया, कहा मानव संसाधन की कमी को पूरा किया जाएगा

खबर का असर

- एसएनएमएमसीएच के लैब में टीबी मरीजों की रेसिस्टेंस जांच पिछले 5 माह से है बंद

संवाददाता । धनबाद

धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) के लैब में टीबी मरीजों की रेसिस्टेंस जांच बंद पिछले 5 माह से बंद है. जिसे शुभम संदेश ने प्रमुखता से उठाया है. इसके बाद झारखंड सरकार के राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी डॉक्टर कमलेश कुमार धनबाद पहुंचे और अस्पताल का जायजा लिया. इस दौरान उन्होंने अस्पताल में बने कल्चर एंड डीएसटी लैब का निरीक्षण किया. निरक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित है. इसे लेकर अस्पताल में बने टीवी लैब का संचालन दुबारा चालू किया जाएगा. इसे लेकर जिला और राज्य स्तर से पहल की जाएगी. इसे चालू करने के लिए डीएमएफटी या एनएचएम के तहत शुरू की जाएगी. इसे लेकर बैठक कर निर्णय लिया जाएगा. इस दौरान उन्होंने कहा कि डॉक्टर और मानव संसाधन की कमी है, जिसे जल्द ही दूर किया जाएगा.

कई जिले के मरीजों को मिलता था लाभ

मेडिकल कॉलेज में बने कल्चर एंड डीएसटी लैब में टीबी के गंभीर मरीजों में रेसिस्टेंस जांच के लिए साल 2017 में 4.5 करोड़ रुपये की लागत से लैब की शुरुआत की गयी है. धनबाद के इस लैब से बोकारो, गिरिडीह, कोडरमा, हजारीबाग, देवघर, जामताड़ा, गोड्डा, पाकुड़ जिलों के लोगों को भी लाभ मिल सकेगा.

अनुबंध स्वास्थ्य कर्मियों को बकाए वेतन का भुगतान जल्द : डीडीसी

धनबाद । डीएमएफटी के तहत बहाल स्वास्थ्य कर्मियों के वेतन भुगतान 4 महीने से नहीं हुआ है. वेतन भुगतान को डीडीसी सादात अनवर ने संज्ञान में लिया है. उन्होंने कहा कि कुछ सवाल थे, जिसकी जानकारी सिविल सर्जन से मांगी गई थी. फाइल तैयार कर लिया गया है. एक से दो दिन के अंदर वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा.

क्या है मामला : डीएमएफटी के तहत बहाल करीब 150 अनुबंध स्वास्थ्य कर्मियों को पिछले 4 महीने से वेतन नहीं मिलने पर सदर अस्पताल समेत अन्य स्वास्थ्य केंद्र के अनुबंध स्वास्थ्य कर्मियों में नाराजगी है. सदर अस्पताल में कार्यरत कर्मचारियों ने वेतन की मांग को लेकर बुधवार को सिविल सर्जन से मुलाकात की थी. साथ ही चेतावनी दी थी कि वेतन भुगतान नहीं होने पर हड़ताल किया जाएगा. हालांकि सिविल सर्जन कार्यालय ने फाइलें डीडीसी कार्यालय बढ़ा दी थी. अब कर्मियों को वेतन भुगतान की उम्मीद जगी है.

टाटा स्टील ने दिव्यांगों के बीच किया कृत्रिम अंग-व्हीलचेयर का वितरण

संवाददाता । धनबाद

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति नई दिल्ली के सहयोग से टाटा स्टील फाउंडेशन (टीसीएफ) ने मलकेरा सामुदायिक केंद्र में दिव्यांगों के लिए दो दिवसीय शिविर लगाई है. शिविर की शुरुआत गुरुवार को हुई तथा समापन शुक्रवार को होगा. शिविर का उद्घाटन टीसीएफ (सिजुआ ग्रुप) झरिया डिवीजन के चीफ विकास कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि किया. इस अवसर पर उन्होंने सबल जैसी परियोजना को कार्यान्वित करने के लिए टीसीएफ की प्रशंसा की. इस परियोजना के तहत सुदूर इलाके में समाज के सभी वर्गों की सेवा की जाती है. शिविर में दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ व पैर, बैसाखी और व्हीलचेयर दिया गया. कुल मिलाकर 40 सहायक उपकरण दिव्यांगों में वितरित किए गए. मौके पर हेड एडमिनिस्ट्रेशन श्वेता मिश्रा, सीनियर एरिया मैनेजर एचआरबीपी सिजुआ ग्रुप पीयूष कुमार, सीनियर रजिस्ट्रार भेलाटांड़ फीडर हॉस्पिटल डॉ. अंकित प्रकाश, सेक्रेटरी आरसीएमयू भेलाटांड़ कोलियरी महमूद आलम, प्रेसिडेंट आरसीएमयू भेलाटांड़ कोलियरी नयन चंद महतो, मैनेजर कम्युनिटी डेवलपमेंट टीएसएफ सिजुआ बिपिन सिंह चौधरी, मेडिकल ऑफिसर टीएसएफ डॉ. विवेकानंद पात्रा, केंद्रीय सलाहकार समिति के सदस्य गिरीश महतो, मुखिया मलकेरा दक्षिण पंचायत विनोद रजक समेत अन्य लोग उपस्थित थे. बता दें कि टाटा स्टील फाउंडेशन (टीएसएफ) अपनी परियोजना सबल बाघमारा ब्लॉक के 33 पंचायतों में चला रही है. परियोजना के तहत दिव्यांग व्यक्तियों की पहचान से लेकर उन्हें विकलांगता प्रमाण पत्र प्राप्त करने में मदद पहुंचायी जाती है. टीएसएफ का उद्देश्य दिव्यांगों में सकारात्मक परिवर्तन लाकर उन्हें सशक्त बनाना है.

बीएसएस हाई स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर

धनबाद । प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार धनबाद राम शर्मा के निर्देश पर दिव्यांगों के लिए 45 दिनों का जिला स्तरीय जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को बीएसएस बालिका हाई स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश रोशन, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने बच्चों को विभिन्न तरह के कानून की जानकारी दी दिव्यांग बच्चों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न स्कीमों के विषय में बताया. अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा राकेश रोशन ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार धनबाद द्वारा दिनांक 15 जुलाई 2024 से 26 . अगस्त 2024 तक प्रखंड स्तरीय विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है.

चूल्हा चौकी, नावाडीह (असर्फी अस्पताल के समीप, धनबाद)

झारखण्ड मैदान में फुटबॉल टूर्नामेंट 10-11 अगस्त को

एसएसपी एचपी जनार्दनन करेंगे उद्घाटन

संवाददाता । धनबाद

धनबाद फुटबॉल क्लब के तत्वाधान में आगामी 10 और 11 अगस्त को दो दिवसीय दिवारात्रि विकास रंजन उर्फ पप्पू सिंह नॉक आउट आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन हीरापुर के झारखण्ड मैदान में किया जाएगा. यह जानकारी टूर्नामेंट आयोजन सचिव विकास साव ने झारखंड मैदान स्थित सामुदायिक भवन में गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस में दी. टूर्नामेंट खेलने के लिए कुल 32 क्लबों ने रजिस्ट्रेशन कराई है. टूर्नामेंट के बाद विजेता टीम को 17 हजार रुपए नगद राशि, ट्रॉफी और पुरस्कार दिया जाएगा. उप विजेता टीम को 12 हजार रुपए नगद, ट्रॉफी और पुरस्कार भेंट किया जाएगा. तीसरे विजेता को 6 हजार रुपए नगद, ट्रॉफी और पुरस्कार दिया जाएगा. टूर्नामेंट का उद्घाटन 10 अगस्त की रात 8 बजे धनबाद एसएसपी एचपी जनार्दनन, चंदनकियारी चंदनकियार विधायक अमर बाउरी, कुम्भनाथ सिंह, विकास रंजन उर्फ पप्पू सिंह और रूपा सिंह बतौर मुख्य अतिथि करेंगे. 11 अगस्त की शाम 7 बजे फाइनल मुकाबला के बाद टूर्नामेंट का समापन होगा. इसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसके मुख्य अतिथि पूर्व मेयर चन्द्रशेखर अग्रवाल होंगे. इस अवसर पर विकास रंजन, रूपा सिंह, मिथिलेश पासवान, प्रमोद यादव, उर्मिला देवी, भाजयुमो के प्रदेश महासचिव रूपेश सिन्हा भी उपस्थित रहेंगे. प्रेस कांफ्रेंस में बबलू ठाकुर, बबलू मिश्रा, अजीत सिन्हा, विकास साव, विकास रंजन उर्फ पप्पु सिंह, रूपा सिंह, तारकनाथ दास, अनिल लाल, सतीश प्रसाद, संतोष यादव, अजय बास्की समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

गिरिडीह सांसद ने डीआरएम को भेजा पत्र

महुदा । गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने दक्षिण पूर्व रेलवे आद्रा मंडल के डीआरएम को पत्र लिखकर मुचिरायडीह रेलवे फाटक से हाथुडीह वाशरी रेलवे फाटक के बीच अंडरपास निर्माण करने की मांग की है. पत्र में कहा गया है कि धनबाद-बोकारो एनएच-32 चौड़ीकरण होने के बाद कारण फ्लाईओवर निर्माण कर मुचिरायडीह रेलवे फाटक को स्थाई रूप से बंद कर दिया गया है, जिससे आसपास के छह पंचायतों के करीब 30 हजार लोगों को आवागमन में असुविधा हो रही है. फाटक बंद होने से ग्रामीणों को 2 किलोमीटर घूमकर जाना पड़ता है या फिर जान जोखिम में डालकर रेलवे लाइन पार करना पड़ता है. जान जोखिम में डालकर रेलवे लाइन पार करना खतरनाक है, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है. ग्रामीण काफी दिनों से अंडरपास बनाने की मांग कर रहे हैं. सांसद के लिखे पत्र को जनता श्रमिक संघ के केन्द्रीय सचिव सह पूर्व जिप सदस्य संतोष कुमार महतो ने डीआरएम को सौंपा.

बीएसके कॉलेज मैथन में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

- छात्र-छात्राओं ने किए पारंपरिक संगीत व नृत्य प्रस्तुत

संवाददाता । मैथन

बीएसके कॉलेज मैथन के हिन्दी विभाग में गुरुवार को विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया. इस अवसर पर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने आदिवासी संस्कृति पर आधारित पेंटिंग्स बनाने समेत कविता, गीत और निबंध लेखन किए. साथ ही पारंपरिक आदिवासी संगीत व नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिए. डॉ. संध्या गुप्ता ने आदिवासी समाज के वर्तमान स्थिति एवं अधिकार विषय पर विचार रखे. उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस हर वर्ष 9 अगस्त को क्यों मनाया जाता है, संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आदिवासियों को दिए गए अधिकार पर सविस्तार प्रकाश डाला. प्रिंसिपल डॉ. डीपी सिंह ने इस आयोजन के लिए हिंदी विभाग को शुभकामना दी. हिंदी विभाग के अलावा इतिहास विभाग में भी आदिवासी दिवस मनाया गया. शुक्रवार को भी एनएसएस टू भी विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन कॉलेज में करेगा.

श्रद्धांजलि : धनबाद में मनाई गई शहीद निर्मल महतो की 37 वीं पुण्यतिथि

एसएनएमएमसीएच में प्रतिमा का अनावरण

संवाददाता । धनबाद

शहीद निर्मल महतो के 37 वीं पुण्यतिथि पर अस्पताल में शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा का अनावरण किया गया. शहीद निर्मल महतो के प्रतिमा का अनावरण टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने विधिवत किया.साथ ही शहीद के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया. विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने बताया कि शहीद निर्मल महतो को कभी भूल नहीं सकते. वह झारखंड के महान आंदोलनकारी थे. हर साल हम उनके बलिदान को आज के दिन याद करते हैं. अस्पताल परिषद में उनका एक छोटी सा प्रतिमा लगाई गई है. आने वाले समय में उनके प्रतिमा को भव्यरूप से स्थापित किया जाएगा. मौके पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्या सह डॉक्टर ज्योति रंजन प्रसाद, जेएमएम नेत्री नीलम मिश्रा सहित जेएमएम के कई कार्यकर्ता और अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी मौजूद थे.

आजसू की श्रद्धांजलि सभा

आजसू पार्टी धनबाद जिला द्वारा झारखंड अलग राज्य के लिए अपने जीवन की आहुति देने वाले वीर सपूत, झारखंड के महान आंदोलनकारी में से एक अमर शहीद निर्मल महतो की शहादत दिवस पर हेल्थ इज वेल्थ एथलेटिक क्लब में आजसू नगर अध्यक्ष जीतु पासवान की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. मुख्य रूप से आजसू के केंद्रीय सदस्य कुल्लू चौधरी, रतिलाल महतो और भगवान दास शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी संतोष कुशवाहा, गोरका पांडे, सुमित आदि मौजूद रहे.

बीसीसीएल : प्रतिदिन उत्पादन रिपोर्ट

एरिया		कोल	ट्रांसपोर्ट
बरोरा	-	16,001 टन	14,384 टन
ब्लॉक-2	-	14,017 ʼʼ	14,951 ʼʼ
गोविंदपुर	-	1,712 ʼʼ	3,940 ʼʼ
कतरास	-	6,000 ʼʼ	5,268 ʼʼ
सिजुवा	-	8,002 ʼʼ	7,537 ʼʼ
कुसुंडा	-	10,002 ʼʼ	8,100 ʼʼ
पंजाब	-	504 ʼʼ	0 ʼʼ
बस्ताकोला	-	11,002 ʼʼ	5,110 ʼʼ
लोदना	-	13,015 ʼʼ	12,742 ʼʼ
ईजे	-	6,510 ʼʼ	0 ʼʼ
सीवी	-	1,700 ʼʼ	0 ʼʼ
डब्ल्यू जे	-	1,080 ʼʼ	0 ʼʼ
कुल		89,545	72,032

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | धनबाद, शुक्रवार 09 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 122 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

नीरज हत्याकांड

रिंकू सिंह को गिरफ्तारी पर रिपोर्ट तलब

धनबाद : पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह सहित चार लोगों की हत्या मे शूटर सप्लाई करने के आरोपी मुन्ना बजरंगी का खास रिंकू सिंह उर्फ विकास सिंह उर्फ धर्मेन्द्र सिंह को अदालत ने गिरफ्तार करने का आदेश दिया है. रिंकू सिंह जमानत पर जेल से 23 जनवरी 2023 को बाहर निकला था. जमानत मिलने के बाद से रिंकू सिंह लगातार अदालत के निर्धारित तारीखों पर हाजिर नहीं हो रहा था. इस कारण अदालत ने रिंकू सिंह का बंध पत्र खारिज करते हुए उसे गिरफ्तार करने का आदेश दिया था. गुरुवार को अदालत ने पुलिस से रिंकू की गिरफ्तारी के संबंध में रिपोर्ट तलब की है. झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रोगन मुखोपाध्याय की खंडपीठ ने रिंकू सिंह को जमानत पर मुक्त करने का आदेश दिया था.

दहेज प्रताड़ना में पति को तीन वर्ष कैद

धनबाद : दहेज के लिए पत्नी को प्रताड़ित करने के एक मामले में अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी की अदालत ने महुदा निवासी उत्तम कुमार सिंह को तीन वर्ष की कैद एवं बीस हजार रुपए जुर्माना से दंडित किया है. प्राथमिकी उत्तम की पत्नी उषा देवी की शिकायत पर महुदा थाने में दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 8 जुलाई 2004 को उषा की शादी उत्तम से हुई थी. कुछ दिन के बाद पचास हजार रुपए दहेज की मांग कर उसके साथ मारपीट की जाने लगी. 5 जनवरी 2020 को सुबह 7:00 बजे उत्तम एक महिला को लेकर घर में आ गया, पूछने पर बताया वह उसकी दूसरी पत्नी है. जब उसने उसका विरोध किया तो उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया गया था. अनुसंधान के बाद पुलिस ने 30 नवंबर 2020 को इस मामले में आरोप पत्र दायर किया था. सुनवाई के दौरान अपर लोक अभियोजक उमेश दीक्षित ने इस मामले में आठ गवाहों का परीक्षण कराया था.

ग्रामीण भाजपा के उपाध्यक्ष बने नंदलाल अग्रवाल

धनबाद । भाजपा ग्रामीण जिला कमेटी व मंडल अध्यक्षों ने नाम की घोषणा गुरुवार को हो गई. घनश्याम ग्रोवरः अध्यक्ष, नन्दलाल अग्रवालः उपाध्यक्ष, रानी करईः उपाध्यक्ष, मोहन कुम्भकारः उपाध्यक्ष, राम प्रसाद महतोः उपाध्यक्ष, बलदेव महतोः उपाध्यक्ष, राजेश चोधरीः उपाध्यक्ष, निताई रजवारः महामंत्री, मनोज मिश्राः महामंत्री, संजय महतोः मंत्री, कविता वर्णवालः मंत्री, अनिल यादवः मंत्री, आशीष मुखर्जीः मंत्री, प्रकाश बाउरीः मंत्री, रानी सिंहः मंत्री, काजल नागः कोषाध्यक्ष, कपूर रवानीः कार्यालय मंत्री, मथूर नाथ मंडलः कार्यालय मंत्री, रति रंजन गिरीः जिला मीडिया प्रभारी, नीलकंठ रवानीः जिला मीडिया प्रभारी, फुलचन्द मंडलः जिला आईटी संयोजक, राजेश सिंहः जिला आईटी संयोजक, राजेश पाण्डेयः जिला सोशल मीडिया प्रभारी बनाये गए हैं.

वारदात : पांच में तीन अपराधियों के चेहरे पर था मास्क, सीसीटीवी में दो के दिखे चेहरे

दुमका में इंडियन बैंक से दिनदहाड़े 20 लाख की लूट

खास बातें

- बाइक पर सवार होकर बैंक आए थे पांच अपराधी
- हथियार की नोंक पर कैश काउंटर से रकम लूटी

संवाददाता। दुमका/रांची

झारखंड-बिहार के सीमावर्ती दुमका जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र में इंडियन बैंक की शाखा में हथियारबंद अपराधियों ने दिहदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया. जानकारी के मुताबिक, गुरुवार की दोपहर करीब 12 बजे पांच अपराधी बाइक पर सवार होकर बैंक पहुंचे. इनमें से तीन नकाबपोश थे, बैंक में घुसते ही अपराधियों ने हथियार लहराते हुए कर्मचारियों को धमकाया और हुए कैश काउंटर में रखे करीब 20 लाख रुपये लूट कर फरार हो गए.

बैंक से बाहर निकलने के बाद अपराधियों ने मुख्य गेट पर ताला भी मार दिया था. घटना के बाद बैंक कर्मियों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी. घटना की सूचना मिलने के बाद जरमुंडी एसडीपीओ संतोष कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे. उन्होंने बैंक के अधिकारियों एवं कर्मियों से घटना के संबंध में पूछताछ की. उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है, जल्द ही सभी लुटेरे गिरफ्तार किये जाएंगे. समाचार लिखे जाने तक लूटी गयी रकम के संबंध में बैंक प्रबंधन की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गयी थी. बैंक के अधिकारी लूट की रकम का आकलन करने में जुटे हुए थे.

लूट के बाद देवघर की ओर फरार हुए लुटेरे

वारदात के बाद पुलिस बैंक और आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाल रही है. बैंक में लगे कैमरे में नकाबपोश अपराधियों की तस्वीर भी कैद हुई है. बताया जा रहा है कि वारदात को अंजाम देने के बाद पांचों लुटेरे देवघर की ओर फरार हो गए. बैंक के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस लुटेरों की शिनाख्त में जुट गई है. अपराधियों की धर-पकड़ के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है.

काफी व्यवस्त इलाके में घटना को दिया अंजाम

जिस बैंक में लूट की वारदात हुई है, वह हंसडीहा चौक पर स्थित है. ये काफी व्यस्त इलाका है और यहां से चार रास्ते निकलते हैं. इसमें एक रास्ता बिहार के भागलपुर, तो दूसरा रास्ता गोड्डा होते हुए बिहार के पीरपैंती जाता है. वहीं, तीसरा रास्ता देवघर और चौथा रास्ता दुमका होते हुए पश्चिम बंगाल की ओर जाता है. ऐसे व्यस्त इलाके में दिनदहाड़े बैंक में हुई लूट की इस वारदात ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

बादीडीह में डायरिया का प्रकोप, 9 बीमार

गांवा : गावां प्रखंड में बरसात आते ही डायरिया ने पांव पसारना शुरू कर दिया है. प्रखंड के बादीडीह में डायरिया के प्रकोप से 9 लोग आक्रांत हैं. गुरुवार की रात सभी को गावां अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया है, जहां सभी का इलाज किया जा रहा है. इसमें बादीडीह निवासी सिंपी कुमार, रीना देवी की गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है . जबकि अकलेश कुमार, स्वीटी कुमारी, रानी कुमारी, स्नेहा कुमारी, जिलिया देवी व अंकेश कुमार समेत अन्य 7 लोग अस्पताल में इलाजरत हैं. जानकारी के अनुसार सभी कुएं का गंदा पानी पीने के बाद एक साथ डायरिया की चपेट में आ गए हैं. डॉक्टर काज़िम खान ने बरसात में सभी से बरसात में कुएं आदि की पीने से परहेज करने की अपील की है.

अगस्त महीने में बीसीसीएल का उत्पादन 10 प्रतिशत गिरा

- पूरा सप्ताह प्रतिदिन एक लाख टन से कम उत्पादन

संवाददाता। धनबाद

अगस्त महीने के प्रथम सप्ताह में बीसीसीएल का उत्पादन लगभग दस प्रतिशत तक गिर गया है.

महीने के प्रथम सप्ताह के अंतिम दिन 89545 टन कोयला का उत्पादन हुआ. जुलाई 2024 के प्रथम सप्ताह के अंतिम दिन 99399 टन कोयला उत्पादन हुआ था. हालांकि जून 2024 में प्रतिदिन लगातार बीसीसीएल का उत्पादन एक लाख दस हजार और एक लाख 15 हजार टन या उससे अधिक कोयला उत्पादन हुआ था. मानसून में भारी बारिश के कारण उत्पादन पर बुरा असर पड़ा है. 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट हो रही है. इधर मानसून के कारण भी कोयला उत्पादन धीमी हो गया है. कंपनी के सभी कोलियरियों में कोयला स्टॉक पर्याप्त है. बीसीसीएल को इस वर्ष जहां 45 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य है.

बीसीसीएल ने दो-तीन वर्षों में रिकार्ड उत्पादन किया : सीआईएल चेयरमैन

बीसीसीएल ने किया 2023- 24 का पहला लाभांश 44.43 करोड़ का भुगतान

धनबाद .सीआईएल की सहायक कंपनी बीसीसीएल ने कोलकाता में अपना पहला लाभांश भुगतान समारोह आयोजित किया. इस दौरान बीसीसीएल सीएमडी समीरन दत्ता ने 2023- 24 के लिए सीआईएल चेयरमैन पीएम प्रसाद को 44 .43 लाभांश चेक प्रदान किया. जानकारी के अनुसार बीसीसीएल मजबूत वित्तीय स्थिति और रणनीतिक प्रगति के पथ पर आज अग्रसर है, जिससे बीसीसीएल अपने संचित घाटे से भी उभर चुका है. सीआईएल चेयरमैन पीएम प्रसाद ने बीसीसीएल की उपलब्धि पर सराहना की .उन्होंने कहा कि कंपनी की लाभांश भुगतान कुशल रणनीतिक दृष्टि को दर्शाता है. पीएम प्रसाद ने कहा की बीसीसीएल ने बीते दो से तीन वर्षों में कोयला उत्पादन, ओबीआर और ऑफ - टेक में उल्लेखनीय विकास किया है .कंपनी की राजस्व वृद्धि जबरदस्त हुई है .इसके साथ हाई वॉल माइनिंग और वाशरी डिवीजन पर बीसीसीएल की पहल पर सीआईएल चेयरमैन ने खुशी जाहिर की. बीसीसीएल सीएमडी समीरन दत्ता ने कहा लाभांश भुगतान कंपनी के फाइनेंशियल अनुशासन और हितधारकों के लिए अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है .उन्होंने कहा कि बीसीसीएल चार वर्षों में 18 प्रतिशत से अधिक सीएजीआर वृद्धि के साथ कोयला उत्पादन और ऑफ टेक हासिल किया है. इस दौरान सीआईएल डीपी विनय रंजन,सीआईएल डीटी डॉक्टर बी वीरा रेड्डी,निदेशक वित्त सीआईएल सुनील कुमार मेहता,निदेशक कार्मिक मुरली कृष्णा रमैया,निदेशक फाइनेंस आरके सहाय सहित कई वरीय अधिकारी मौजूद थे.

कतरासगढ राजातालाब में कमल फूल तोड़ने में डूबा युवक

खास बातें

- फूल तोड़ने बेचने का करता था काम
- गहरे पानी में डूबने से हो गई मौत

संवाददाता। कतरास

कतरास थाना क्षेत्र के तेलियाबांध डांडी कुआं टोला निवासी संजय रवानी उम्र करीब 30 वर्ष की मौत गुरुवार को राजबाडी से लिलोरी मंदिर जाने वाले मार्ग के राजा तालाब में डूबने से हो गई. संजय तालाब में कमल का फूल तोड़ने के लिए पानी में उतारा था. लोगों के अनुसार संजय प्रतिदिन तालाब से कमल का फूल तोड़कर बाजार में बेचता था. इसी क्रम में गुरुवार को वह तालबा के गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा.

तालाब के किनारे खड़े लोगों ने संजय को तालाब में डूबते देखा तो वे लोग शोर मचाने लगे. इसके बाद स्थानीय कुछ युवा तालाब में उतरे और उसे बचाने का प्रयास किया. लेकिन तब तक संजय गहरे पानी में डूब गया और उसकी मौत हो गई. खबर पाकर कतरास पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों के सहयोग से संजय के शव को गहरे पानी से बाहर निकाला. सूचना मिलते ही संजय की पत्नी सहित परिवार के लोग मौके पर पहुंचे. संजय का शव देखकर पत्नी सहित परिवार के लोग दहाड़ मार कर रोने लगे.पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए शव को धनबाद भेज दिया.

पोल से गिरकर बिजली मिस्त्री घायल

कतरास। फुलवार में 11 हज़ार तार के पोल में चढ़ कर काम कर रहे बिजली विभाग के मिस्त्री डब्लू कुमार प्रसाद गुरुवार की शाम गिरकर घायल हो गया .घटना के बाद आनन-फानन में घायल को बीजीएच अस्पताल ले जाया गया. जहां उसका इलाज चल रहा है .पोल में करंट लगा या नहीं इसकी पूरी जानकारी नहीं मिली है .जेई देवीलाल सोरेन ने बताया कि घायल का अस्पताल में इलाज चल रहा है.

झरिया में खिलौना गोदाम में लगी आग

संवाददाता। झरिया

झरिया के होरलाडीह रोड बालू बैंकर निवासी हाजी मुस्ताक के खिलौने के गोदाम में गुरुवार की दोपहर अचानक आग लग गई. अगलगी की घटना में गोदाम में रखी करीब 10 लाख रुपए की संपत्ति जल कर राख हो गई. दोपहर करीब 2 बजे गोदाम से धुआं व आग की लपटें देख मुहल्ले में अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने गैलन व बाल्टी से पानी लाकर आग बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन, आग तेजी से फैल गई. सूचना मिलते ही झरिया थाना पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची. करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका. तब तक गोदाम में रखे 90 प्रतिशत खिलौने जल चुके थे. महज 10 प्रतिशत खिलौने ही बच पाए हैं.

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल : आक्रोश में मुस्लिम समाज

- कहा- वक्फ बोर्ड संशोधन बिल मुस्लिमों को परेशान करने का हत्थकंडा
- समाज के हर तबके ने सरकार को कटघरे में किया खड़ा

नसीम अख्तर। वासेपुर

लोकसभा में वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पेश को लेकर पूरे देश के मुस्लिमों के बीच चर्चा रही. धनबाद भी इससे अछूता नहीं रहा. मुस्लिम समाज के हर तबके ने इस संशोधन को शक की निगाह से देखा और राजनीतिक रोटी सेंकने का एक हथकंडा करार दिया है. समाज की तरफ से कहा गया कि ऐसे नियम जो सिर्फ चर्चा बटोरने, सुर्खियों में रहने की मानसिकता से की जाती है. इसमें सरकार का इरादा नाहक तंग करना भी शामिल है.

तंग कर रही सरकार : मुख्तार खान

कांग्रेस नेता मुख्तार खान ने कहा कि भाजपा सरकार को सिर्फ पाकिस्तान-मुसलमान को परेशान कर वोट लेना है. ऐसे में नए-नए हथकंडे अपनाए जा रहे हैं. वक्फ बोर्ड संशोधन बिल असल में वक्फ की जमीन और संपत्ति पर सरकार की गंदी निगाह रखना है. ऐसे मनसूबों को कभी कामयाब होने नहीं दिया जाएगा. फिलहाल बिल को जेपीसी को भेजा गया है. इस बिल की मुखालफत की जाएगी.

परेशान करने वाला बिल : शमशेर

कांग्रेस नेता शमशेर आलम ने कहा कि सरकार के पास कुछ करने को नहीं है, यही अनाप-शनाप काम कर चर्चे में रहना चाहती है और लोगों को बेवकूफ बना रही है. लेकिन इस सरकार की उम्र की खत्म हो रही है. ऐसे बिल भी इस सरकार के साथ दफन हो जाएंगे, जो किसी को बेवजह परेशान करने के लिए बनाए गए हैं, या बनाए जा रहे हैं. सरकार का इरादा इस बिल से किसी की भलाई करने की नहीं है.

सरकार अपना इरादा बदले : नदवी

मोहम्मद नौशाद आलम नदवी ने कहा कि वक्फ बोर्ड में संशोधन मुस्लिम अदारों के लिए बेहतर नहीं साबित हो सकती हैं. इसलिए सरकार को अपना इरादा बदलना चाहिए. वक्फ बोर्ड में किसी संशोधन से पहले देशभर में चल रही बोर्ड की कमेटियों से बात करनी चाहिए थी. ऐसा नहीं करना, संशोधन करने वालों की नीयत को जाहिर करने के लिए काफी है. लेकिन ऐसे बदलाव से मुल्क की बेहतरी तो कतई नहीं हो सकती.

बदलाव के पीछे क्या है मंशा : डा. एजाज

डा. एजाज अंसारी ने कहा कि वक्फ बोर्ड में बदलाव करना वाकई बेहतर है. लेकिन इसके पीछे मंशा क्या है, ये समझना जरूरी है. क्योंकि सरकार की मंशा और बात में फर्क है. यहां इरादा अगर किसी खास तबके को निशाना बनाने का है तो फिर सरकार गलत काम कर रही है. ऐसे में मुल्क की फलाह कभी नहीं हो सकती, सरकार को चाहिए कि विवाद फैलाने के अलावा देश की तरक्की के लिए काम करे.

गलत हाथों में न जाए जिम्मेवारी : मुफ्ती रिजवान

जामा मस्जिद पुराना बाज़ार के पेशइमाम मुफ़्ती मोहम्मद रिजवान ने कहा कि जो बिल बनाए जाने की कवायद की गई है, इसका इत्तेफाक नहीं रखता है. क्योंकि वक्फ बोर्ड से हमारी मस्जिदें खानकाह, दरगाह, मदरसे सारे अदारे जुड़े हैं. अगर गलत हाथों में इनकी जिम्मेवारी होगी तो सभी अदारे परेशानी में मुबतला होंगे. सरकार को काफी सोच समझ कर इस किसी भी तरह के कदम उठाने की जरूरत है.

राजनीति | पहले पीएन सिंह की मर्जी के बिना नहीं हिलता था संगठन में पत्ता

भाजपा जिला संगठन में बढ़ रहा ढुल्लू का दबदबा

अमित सिन्हा । धनबाद

भाजपा संगठन में पदाधिकारियों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है. ऐसे में हर नेता की चाहत होती है कि संगठन में उनके करीबी लोग शामिल हों. पूर्व सांसद पीएन सिंह जब तक सांसद रहे तब तक जिला कमिटी से लेकर युवा मोर्चा एवं अन्य मोर्चों में उनके करीबी ही काबिज रहे. कहा जाता था कि सांसद की मर्जी के बिना संगठन में पत्ता भी नहीं हिलता हैं. धनबाद विधायक राज सिन्हा के भी कुछ करीबी संगठन में शामिल रहे हैं. ढुल्लू महतो के सांसद बनने के बाद से माना जा रहा कि भाजपा के जिला संगठन पर अब उनका दबदबा रहेगा. युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष की ही घोषणा के साथ ही इस बात को और मजबूती भी मिल गई. युवा मोर्चा ग्रामीण जिलाध्यक्ष मनीष साव, ढुल्लू महतो के करीबियों में शामिल हैं. गुरुवार को घोषित ग्रामीण जिला कमिटी को देखकर भी यह बात पुख्ता हो गई. अब युवा मोर्चा महानगर एवं ग्रामीण कमेटी में ढुल्लू के करीबियों को जगह मिलने की उम्मीद से पार्टी का ही एक धड़ा सहमा-सहमा सा है. क्योंकि अब सबको पता है कि जिला कमिटी में भी ढुल्लू के ही करीबियों का दबदबा होगा.

भाजपा में रहकर चलाते थे अलग संगठन

ढुल्लू महतो भाजपा के विधायक रहते हुए भी टाइगर फ़ोर्स चलाते रहे. सांसद बनने के पहले उन्होंने कभी जिला संगठन में एवं संगठन के कार्यक्रम में ज्यादा दिलचस्पी भी नहीं दिखाई थी. लेकिन अब ढुल्लू महतो संगठन की तरफ से भी ध्यान नहीं हटा सकते, ऐसे में दो-दो संगठनों को एक साथ कैसे समानरूप से चलाने की कला वाकई ढुल्लू महतो में है या नहीं, ये आने वाला वक्त तय करेगा.

एक सप्ताह के भीतर जिला कमेटी की घोषणा संभव

भाजपा जिला कमिटी की घोषणा इसी सप्ताह होने की संभावना है. लोकसभा चुनाव के पहले से ही जिला कमिटी का विस्तार लंबित है. श्रवण राय के जिलाध्यक्ष बनने के बाद से ही जिला कमिटी की घोषणा को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं. लोकसभा चुनाव के मद्देनजर इसे टाल दिया गया था. भाजपा सूत्रों की मानें तो चुनाव के बाद से अब तक जिला कमिटी के लिए संभावित नामों को दो बार प्रदेश को भेजा जा चुका है. सांसद ढुलू की दखलंदाजी की वजह से अब तक इसकी घोषणा सम्भव नहीं हो पाई है. सूत्र बताते हैं कि ढुल्लू महतो पूरे जिला कमिटी में अपने ही करीबियों को जगह दिलाना चाहते हैं. ऐसे में जिला कमिटी के कई पुराने चेहरे बाहर हो जाएंगे. मालूम हो कमिटी में अपनी जगह सुरक्षित रखने वाले प्रतिदिन चिटाही कि दौड़ लगा रहे हैं.

मुआवजे को लेकर ग्रामीणों का ढाई घंटे तक सड़क जाम

संवाददाता। मैथन

चिरकुण्डा रानी सती मंदिर के पास जीटी रोड पर बस के धक्के से छात्रा प्रिया मोदी की मौत हो गयी थी। बुधवार को हादसे के बाद सड़क जाम किया गया था, लेकिन मुआवजा संबंधी आश्वासन के बाद जाम हटा दिया गया था. गुरुवार को धनबाद से पोस्टमार्टम के बाद आये छात्रा प्रिया के शव के साथ ग्रामीणों ने फिर से ढाई घंटे तक जीटी रोड जाम कर दिया. पुलिस द्वारा उचित मुआवजा नहीं दिलाने को लेकर ग्रामीण गुस्से में थे. ग्रामीण पीड़ित परिवार को पांच लाख मुआवजा देने की मांग कर रहे थे. जिप सदस्य झामुमो युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष गुलाम कुरैशी के आश्वासन पर लोगों ने सड़क जाम हटाया. कुरैशी ने 25 हजार रूपये की मदद पीड़ित परिवार को की. साथ ही पुलिस के सहयोग से बस मालिक से अधिक से अधिक मुआवजा दिलाने का भरोसा दिलाया. बता दें कि बुधवार को चिरकुण्डा रानी सती मंदिर के पास जीटी रोड पर बस के धक्के से छात्रा प्रिया मोदी की मौत हो गयी थी. आक्रोशित लोगों ने संजयनगर के पास प्रिया का शव रखकर छह घंटा प्रदर्शन किया था. पुलिस ने गुरूवार को बस मालिक से उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया था. इस आश्वासन पर लोग शांत हुए और शव को पोस्टमार्टम के लिये जाने दिया. गुरूवार के दोपहर दो बजे पोस्टमार्टम के बाद प्रिया का शव आया लेकिन तब तक कुछ बात नहीं बनी थी. मुआवजा की कोई ठोस पहल नहीं होने पर लोगों ने पुनः रोड जाम कर दिया गया.

पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन,शोक सभा आयोजित

संवाददाता।जामुड़िया

पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर जामुड़िया में माकपा के द्वारा गुरुवार को एक मौन जुलूस निकाला गया। जुलूस अप्पायन मैरेज हॉल से शुरू होकर सिनेमा मोड़, जामुड़िया बाजार होते हुए थाना मोड़ बस स्टैंड पर समाप्त हुआ। इसके बाद जामुड़िया थाना में एक सोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माकपा नेता तापस कवि, मनोज दत्ता, एमडी कलीमुद्दीन, बिकास यादव, बुद्धदेव रजक, सुमित कवि, नुमान असफर ख़ान, बिजय पासवान, राम लखन यादव, करुणामई ममता दत्ता सहित कई अन्य नेता उपस्थित थे।

सावन सिंधारा मंगल पाठ कार्यक्रम आयोजित

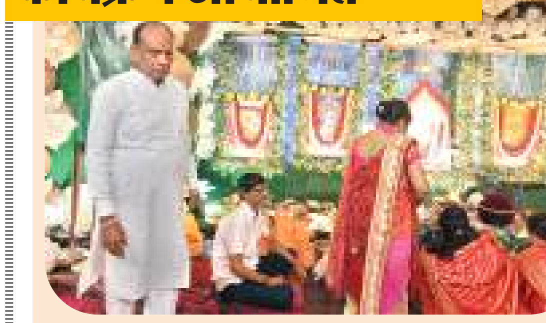

रानी सती जी के सम्मान में महिलाओं ने किया मंगल पाठ

रानीगंज। रानीगंज में श्री राणी सती जी सत्संग समिति और श्री श्याम मंदिर द्वारा आयोजित सावन का सिंधारा और मंगल पाठ कार्यक्रम में महिलाओं ने भाग लिया। मुंबई से आई पाठ वाचिक डिंपल अग्रवाल ने मंगल पाठ का महत्व सुनाया। कार्यक्रम में दादी जी की दरबार की सजावट, सिंदूर, चुनरी, नृत्य, सवामणी और छप्पन भोग प्रसाद चढ़ाया गया। 251 महिलाओं ने एक स्वर में मंगल पाठ किया और भक्ति भाव में झूम उठीं। सुप्रसिद्ध समाजसेवी पवन केजरीवाल ने कहा कि नारी शक्ति की प्रतीक राणी सती दादीजी की महिमा सुनकर महिलाएं जयकारे लगाने लगीं। सत्संग समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

बराकर रेलवे स्टेशन पर चला जागरुकता अभियान

संवाददाता। बराकर

बराकर रेलवे स्टेशन पर आसनसोल रेल मंडल की ओर से मिशन जन जागरण के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर बराकर आरपीएफ पोस्ट के एसआई एसएन मुर्मू, हेड कांस्टेबल आर विश्वास, कांस्टेबल आर पासवान सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। आरपीएफ के जवानों ने रेल यात्रियों को रेल यात्रा के दौरान सुरक्षा बिंदुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि चलती ट्रेन पर पत्थर न फेंकें, मानव तस्करी और नशाखोरी से सतर्क रहें और अनजान व्यक्ति द्वारा दिए गए खाद्य पदार्थ न ग्रहण करें। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन परिसर या ट्रेन में किसी भी तरह की अंजन वस्तु दिखाई पड़ने पर या अन्य समस्या होने पर आरपीएफ के हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क करके जानकारी दें, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी होने से पहले ही उसे रोका जा सके।

ब्रीफ खबरें

बुधदेव भट्टाचार्य के निधन पर शोक की लहर

बराकर। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुधदेव भट्टाचार्य का गुरुवार को कोलकाता में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे। उनके निधन की खबर से पूरे पश्चिम बंगाल में शोक की लहर फैल गई। बामपंथी संगठनों और आम जनमानस में शोक का माहौल है। कुल्टी क्षेत्र में भी शोक का माहौल है। सीटू और बाम मोर्चा कार्यालय में शोक के साथ पार्टी के सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। कुल्टी एरिया कमिटी की ओर से नियामतपुर पार्टी कार्यालय से एक शोक जुलूस का आयोजन किया गया।

कर्मचारियों ने रखा 1 मिनट का मौन

जामुड़िया। जामुड़िया बोरो 1 में पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर शोक पालन किया गया। बोरो एक के चेयरमैन सहित सभी कर्मचारियों ने 1 मिनट का मौन रखा। बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन गुरुवार की सुबह हुआ, वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और उनका इलाज चल रहा था। पश्चिम बंगाल के बाम दल के दिग्गज नेताओं में से एक बुद्धदेव भट्टाचार्य ने मुख्यमंत्री के रूप में कई सालों तक अपना योगदान दिया। उनके निधन पर जामुड़िया बोरो एक के कार्यालय में 1 मिनट का मौन पालन किया गया।

पत्रकार राजेश की माता का निधन

बराकर। बराकर के युवा पत्रकार राजेश नागवंशी की माता जी हीरामणि देवी का निधन बुधवार की शाम हुआ। वे 80 वर्षीय थीं और पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं। उनका निधन आसनसोल के एक निजी अस्पताल में हुआ। उनकी अंतिम शव यात्रा गुरुवार को उनके निवास स्थान लखियाबाद से बराकर मुक्ति धाम शमशान घाट ले जाया गया, जहां उनके पुत्र ने अंतिम संस्कार किया। शव यात्रा में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे, जिनमें स्थानीय राजनेता, समाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार शामिल थे।

स्थापना दिवस पर शिविर का आयोजन

नितुरिया: अदाणी फाउंडेशन और एसीसी दामोदर सीमेंट वर्क्स ने वरिष्ठ नागरिक कल्याण सोसायटी के सहयोग से सांतुड़ी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। यह शिविर अदाणी फाउंडेशन के 28वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया था। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) परियोजना अधिकारी ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में कुल 26 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिससे लगभग 3000 गरीब और हाशिए पर रहने वाले लोगों को लाभ मिलेगा।

पुरुलिया में होगा एयरपोर्ट का निर्माण

पर्यटन, विकास के लिए एक बड़ा कदम

खास बातें
- एयरपोर्ट 1722 मीटर लंबा और 350 मीटर चौड़ा होगा

♦ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल में पर्यटन केंद्र विकसित करने के लिए कई पहल की हैं और इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने पर जोर दिया

- एयरपोर्ट का निर्माण द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों द्वारा निर्मित पुरानी हवाई पट्टी को आधुनिक हवाई अड्डे में बदलने की है परियोजना
- इसके निर्माण से पुरुलिया और बांकुड़ा जिलों में पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक विकास में बड़ी सफलता मिलेगी।
- राज्य सरकार के परिवहन विभाग, विमान अभियंता, अधिकार विभाग और भूमि विभाग के अधिकारियों ने रनवे क्षेत्र का दौरा किया
- पुरुलिया और बांकुड़ा राज्य के पर्यटन जिलों में से एक हैं, और इस रनवे के बनने से परिवहन सुविधाओं में सुधार होगा।

संवाददाता।पुरुलिया

शहर से महज 10 किमी दूर हरारत में एक अत्याधुनिक एयरपोर्ट बनने जा रहा है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों द्वारा निर्मित एक पुरानी हवाई पट्टी को आधुनिक हवाई अड्डे में बदलने की परियोजना है। यह एयरपोर्ट 1722 मीटर लंबा और 350 मीटर चौड़ा होगा और इसके निर्माण से पुरुलिया और बांकुड़ा जिलों में पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक विकास में बड़ी सफलता मिलेगी। इस परियोजना के लिए राज्य सरकार के परिवहन विभाग, विमान अभियंता, अधिकार विभाग और भूमि विभाग के अधिकारियों ने रनवे क्षेत्र का दौरा किया और मानचित्र की जांच, भूमि का निरीक्षण और मिट्टी परीक्षण किया। इसके अलावा, जिले के लोगों का मानना है कि अगर पुरुलिया में हवाईअड्डा बनेगा तो संचार के क्षेत्र में बड़ी सफलता मिलेगी। पुरुलिया और बांकुड़ा राज्य के पर्यटन जिलों में से एक हैं, और इस रनवे के बनने से परिवहन सुविधाओं में सुधार होगा और साथ ही सामाजिक-आर्थिक विकास भी होगा। अयोध्या पहाड़ियाँ पुरुलिया में स्थित हैं, और बांकुड़ा जिले में भी कई पर्यटन केंद्र हैं। हर साल सैकड़ों हजारों लोग पुरुलिया और बांकुड़ा घूमने आते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल में पर्यटन केंद्र विकसित करने के लिए कई पहल की हैं और इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने पर जोर दिया है। उन्होंने परिवहन व्यवस्था को और आधुनिक बनाने पर जोर दिया है। इसी तरह पुरुलिया में भी एयरपोर्ट बन रहा है, जिससे पर्यटकों के लिए पुरुलिया जाना आसान हो गया है। परिणामस्वरूप, पर्यटन क्षेत्र में सुधार आएगा।

जामुड़िया में सड़क हादसे में एक की मौत

जामुड़िया। जामुड़िया थाना क्षेत्र के केंदा फाडी में राष्ट्रीय राजमार्ग 60 पर तापसी ओवरब्रिज के पास एक सड़क हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई। मजदूर एक निजी कारखाने में काम करने जा रहा था, जब उसका दो-पहिया वाहन एक बड़ी लॉरी से टकरा गया। लॉरी के चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और मजदूर के वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। मृतक मजदूर का नाम परमा रॉय है, जो बिहार का रहने वाला बताया जा रहा है।

रानीगंज में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

रानीगंज ।रानीगंज में फ्रेंड्स क्लब और केनरा बैंक के संयुक्त तत्वावधान में एनएसबी रोड स्थित बैंक के बाहर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर अविष्कार डायग्नोसिस सेंटर के अधिकारी राजीव मुखर्जी, चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष अरुण भारतीया, सिविल इंजीनियर वीरेंद्र ठाकुर, स्वप्न चक्रवर्ती सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैंक के प्रबंधक रविशंकर प्रजापति ने बताया कि फ्रेंड्स क्लब पर्यावरण संबंधी कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास करता है। शहर को ग्रीन टाउन के रूप में विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ‟हमारा उद्देश्य शहर को हरा-भरा बनाना और पर्यावरण संरक्षण में योगदान करना है। हमें उम्मीद है कि यह पौधारोपण कार्यक्रम शहर के लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करेगा और उन्हें अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

सिविक वोलेंटियर पर लगा अपहरण, रुपये मांगने का आरोप

पूनम देवी के पास हैं आरोपियों के मैसेज, फोन कॉल और वीडियो फुटेज

खास बातें
- आरोपियों ने आदित्य राज को तपसी बाबा मंदिर इलाके में किया कैद

संवाददाता। आसनसोल

आसनसोल के मोहिसीला इलाके की रहने वाली पूनम देवी ने सिविक वोलेंटियर परितोष दुबे और उनके दो साथियों पंकज यादव और राहुल यादव पर अपने 16 वर्षीय बेटे आदित्य राज का अपहरण कर फिरौती मांगने का आरोप लगाया है। पूनम देवी का कहना है कि आरोपियों ने उनके बेटे को तपसी बाबा मंदिर इलाके में कैद कर रखा और फिरौती के लिए कई बार पैसे मांगे।पूनम देवी ने कहा कि उनके पास आरोपियों के मैसेज, फोन कॉल और वीडियो फुटेज हैं जो उनके आरोपों को साबित करते हैं। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने उनके बेटे को धमकी दी कि अगर वह पैसे नहीं देता है तो वह उसे झूठे केस में फंसा देंगे या उसकी हत्या कर देंगे।पूनम देवी ने आसनसोल नॉर्थ थाना में शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन आरोपियों ने आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि आदित्य राज ने उनसे पैसा उधार लिया था। पूनम देवी ने कहा कि आरोपी मामले को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं और अगर उन पर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो वे आगे चलकर बड़ा अपराध कर सकते हैं।

लच्छीपुर दिशा यौन पल्ली के पास अवैध पार्किंग पर निगम ने चलाया बुलडोजर

संवाददाता। आसनसोल

आसनसोल नगर निगम की ओर से आसनसोल नगर निगम के अधिकारियों ने लक्ष्मीपुर दिशा यौनपल्ली के बगल में अवैध पार्किंग पर चलाया बुलडोजर, निगम द्वारा पार्किंग स्थल के साथ-साथ पार्किंग बोर्ड को भी तोड़ दिया, इस अवैध निर्माण को तोड़ने के दौरान स्थानीय तृणमूल नेता शिवदास राय और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ निगम अधिकारी की बहस, खबर पाकर आसनसोल नगर निगम के स्थानीय पार्षद (59) जाकिर हुसैन मौके पर पहुंचे, आसनसोल नगर निगम के कानूनी सलाहकार रबीउल इस्लाम एवं सायंतन मुखर्जी ने कहा कि आसनसोल के मेयर के पास अवैध पार्किंग की शिकायत की जा रही है, जिस जगह को ध्वस्त किया गया है, पोर निगम में बिना अनुमति के कोई भी गाड़ी पार्क नहीं कर सकता, सरकारी जमीन 75 फीट टूट सकती है, अगर हमने पहले कहा होता तो हमें चीजें साफ करने के लिए समय देना चाहिए था ,मेरे पास अपनी जमीन है, पूरा निगम टेंडर नहीं कर सकता, तो मैं ट्रेड लाइसेंस के आधार पर काम चला रहा हूं, हाई कोर्ट के आदेश कह रहे हैं कि मुझे पीडब्लूडी क्षेत्र में कोई आपत्ति नहीं है, दूसरी ओर, स्थानीय (59) वार्ड नंबर के पार्षद जाखिर हुसैन ने कहा कि वह खबर मिलने के बाद आए थे. यह सही नहीं है कि पूरा निगम एक ही जगह तोड़फोड़ का काम करेगा, एक आंख में काजल,एक में सुरमा नही चलेगा।

फुटपाथ का निर्माण अधूरा

खास बातें
- फुटपाथ पर हो रही बाइक पार्किंग, ट्रैफिक पुलिस ने काटा चालान

संवाददाता।बराकर

बाजार में दुकानदारों के द्वारा दुकान के बाहर फुटपाथ पर सामान रखने से खरीदार अपनी बाइक को सड़क पर खड़ा करने पर मजबूर हुए। इस समस्या को देखते हुए आसनसोल नगर निगम ने बैगुनिया मोड से बराकर स्टेशन मोड तक सड़क के किनारे फुटपाथ का निर्माण करवाया था, ताकि लोग सड़क के किनारे फुटपाथ पर चल सकें। लेकिन अब देखा जा रहा है कि ग्राहक फुटपाथ पर बाइक पार्किंग कर रहे हैं। फुटपाथ का निर्माण बैगुनिया मोड से आरा डंगाल तक ही हुआ है, जबकि यह कार्य स्टेशन तक पूरा होना था। इसके कारण क्या है, यह जानकारी नहीं मिल पाई है। वहीं, ट्रैफिक पुलिस ने एक अगस्त से सड़क के किनारे बाइक लगाने वाले ग्राहकों का चालान काटना शुरू कर दिया है।

कांग्रेस नेता ने निजी स्कूलों में बच्चों के नि:शुल्क दाखिले की मांग की

रवि यादव ने कई स्कूलों का किया दौरा

खास बातें
- स्कूलों के मालिकों ने नि :शुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने के महत्व पर सहमति दी

संवाददाता।बराकर

यूथ कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष रवि यादव ने कुल्टी क्षेत्र के निजी स्कूलों में गरीब और नीचे तबके के बच्चों को सामान शिक्षा ग्रहण करने का मौका दिलाने के लिए प्रयास किया। उन्होंने आरटीआई के तहत स्कूल प्रबंधकों से मिलकर जानकारी मांगी और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के पालन की बात कही। रवि यादव ने बताया कि उन्होंने ग्रीन प्वाइंट एकेडमी और कुल्टी प्रियदर्शानी पब्लिक स्कूल का दौरा किया और स्कूल प्रबंधकों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों स्कूलों के मालिकों ने 25% आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने के महत्व पर सहमति दी है। हम मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हर बच्चे को, चाहे उसकी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके।

न्यूज अपडेट

वार्ड नंबर 68 में डेंगू जागरुकता अभियान

आसनसोल। आसनसोल नगर निगम के वार्ड नंबर 68 में पार्षद राधा सिंह के नेतृत्व में डेंगू को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत नगर निगम के आईसीडीएस कर्मियों ने घर-घर जाकर लोगों को डेंगू से बचाव को लेकर जानकारियां प्रदान कीं। कर्मियों ने लोगों को बताया गया कि अपने घरों व आसपास जल जमा ना होने दें, पुराने टायर या किसी अन्य बर्तन में स्वच्छ पानी अधिक दिनों तक जमा ना रहने दें, छत पर रखे गए पानी का टंकी की नियमित रूप से सफाई करें, फूलों के गमले की नियमित सफाई करें तथा फ्रिज का भी समय-समय पर सफाई करते रहें। डेंगू से बचाव को लेकर यह उपाय सर्वोत्तम हैं। पार्षद राधा सिंह ने कहा कि नगर निगम द्वारा समय-समय पर दवाओं का छिड़काव भी जारी रहेगा, लेकिन डेंगू से बचाव करने का सबसे आसान तरीका जागरूकता अभियान ही है। यदि सभी लोग जागरुक हो जाएंगे तब डेंगू पर पूरी तरह से विजय हासिल कर लिया जाएगा। इसके अलावे कर्मियों ने लोगों को यह भी कहा कि किसी भी तरह का बुखार आदि होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में तुरंत संपर्क करें।

विकास कार्यों की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक

अंडाल । अंडाल बीडीओ कार्यालय में गुरुवार को जिलाधिकारी की उपस्थिति में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में ‟जल सपना मिशन‟, स्वच्छ भारत मिशन, एसएजी, 15 वित्त और अन्य सरकारी परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में जिला मजिस्ट्रेट एस पेन्नाबलम, दुर्गापुर उपमंडल मजिस्ट्रेट सौरभ चक्रवर्ती, अंडाल बीडीओ देबंजन दत्ता के अलावा ब्लॉक की आठ पंचायतों के मुखिया, पंचायत समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और जिला परिषद के सदस्य उपस्थित थे। जिलाधिकारी एस पेन्नाबलम ने बताया कि बैठक में सरकारी परियोजना कार्यों की समीक्षा पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि ‟जल सपना मिशन‟ प्रोजेक्ट का काम अगले 8/9 महीने में तय समय पर पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि घर-घर नल कनेक्शन के लिए मिट्टी खुदाई के कारण जगह-जगह सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है, दुर्गा पूजा से पहले सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करा दी जाएगी।

सावन में सड़कों का बुरा हाल, गड्ढों में जलभराव से लोग परेशान

संवाददाता। पुरुलिया ।

सावन माह की भारी वर्षा के कारण पुरुलिया बराकर की मुख्य सड़क पर गड्ढे उभर आए हैं, जिनमें जलभराव हो गया है। इससे खतरा होने की आशंका बनी हुई है। लोग तेज रफ्तार से दौड़ती गाड़ियों से परेशान हैं, जो गड्ढों में भरे जल के छींटे उड़ाती हैं। लोगों का कहना है कि दुर्घटना हो या न हो, लेकिन इन गड्ढों में भरे जल के छींटे उड़ाती गाड़ियों से ज्यादा डर लगता है। स्थानीय निवासियों ने सड़क की दुरावस्था पर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि सरकार को सड़क बनाने वाली संस्था पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़कें इतनी जल्दी कैसे उखड़ जाती हैं, यह समझ से परे है।

खास बातें
- जलभराव के कारण सड़क दुर्घटनाएं होने की आशंका बनी रहती है

स्थानीय निवासियों ने सड़क की दुरावस्था पर चिंता व्यक्त की

शीतलपुर निवासी संतोष का कहना है कि वर्षा के समय की तो बात छोड़ दें, वर्ष के अन्य भागों में भी ज्यादातर सड़क की यही स्थिति बनी रहती है। पता नहीं किस तरह की सामग्रियों से इनका मरम्मत किया जाता है कि सड़कें इतनी जल्दी उखड़ जाया करती हैं। सरकार को सड़क बनाने वाली संस्था पर ध्यान देना चाहिए।

संतोष (डिसरगढ़)

डिसरगढ़ निवासी सुषमा प्रसाद ने सड़क की अवस्था पर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि घर के लोग वाहन लेकर घर से निकलते हैं तो भगवान से प्रार्थना करते रहते हैं घर के लोग। हमसबों को कभी न कभी निकलना पड़ता है तो हमेशा गाड़ियों द्वारा छींटे उड़ाने का डर तो लगा ही रहता है। वाहनों द्वारा खस्ता सड़कों पर तेजी से वाहन चलाये जाने पर खीझ भी लगता है। लगता है जानबूझकर ऐसी जगहों पर छींटे उड़ाते चलते हैं।

सुषमा प्रसाद (डिसरगढ़ शीतलपुर)

डोभा में डूबने से बच्चे की मौत

संवाददाता। गांडेय (गिरिडीह)

अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के गुलियाडीह गांव में गुरुवार को अपने मां के साथ घर के बगल में स्थित खेत पर धान रोपाई करने गई मां के साथ बच्चा का डोभा में डूब जाने से मौत हो गई.
प्राप्त समाचार के अनुसार गुलियाडीह गांव के निवासी खिरो दास का लगभग छः वर्षीय पुत्र प्रभात दास अपनी मां को धान रोपाई करते देख वह अपने कुछ दोस्तों के साथ खेत के बगल में बने डोभा के पास चला गया. इस दौरान प्रभात की मौत डोभा में डूबने से हो गई. घटना के बाद परिजन डोभा से शव को निकाल कर अपने घर के आंगन में लाये, जहां पर शव को देखने के लिए आस पास के लोग पहुंचने लगे. मृत बच्चे का शव देख कर मृतक के पिता खिरो दास, मृतक की मां व परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है. ग्रामीणों ने बताया कि खिरो दास का दो पुत्र व दो पुत्री है. इस घटना से पूरे गांव में मातम छाया हुआ है.

जंगली हाथियों ने तीन घरों को किया क्षतिग्रस्त

वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से हाथियों को खदेड़ा

संवाददाता। डुमरी

पोरैया पंचायत के हेठनगर में बुधवार की रात जंगली हाथियों ने तीन घरों को क्षतिग्रस्त कर घर में रखे अनाज व अन्य सामान सहित कई ग्रामीणों खेतों में लगी फसलों को बर्बाद कर दिया. कई दिनों से पारसनाथ पहाड़ की तराई के जंगलों में डेरा डाले झुंड को भगाने में लगी वन विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए झुंड को गांव से खदेड़कर जीटी रोड और रेलवे लाईन पार करवाते हुए रोशनाटुण्डा तक ले गये. खदेड़ने के क्रम में झुंड ने ट्रैक के किनारे रेलवे द्वारा बनाई गयी चाहरदीवारी को तोड़ दिया. इस दौरान झुंड के कई हाथी ट्रेन की चपेट में आने से बचे. फिलहाल हाथियों का झुंड रोशनाटुण्डा के जंगल में डेरा डाले हुए है. सूचना पर गुरुवार की सुबह मुखिया राजकुमार महतो गांव पहुंचे और ग्रामीणों से क्षति का जायजा लिया. साथ सरकारी प्रावधानों के अनुसार मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया. वहीं हाथियों के झुंड बुधवार की रात पोरैया पंचायत के हेठनगर कलाली टोला पहुंचा. झुंड के क्षेत्र में कई दिनों से डेरा जमाने की जानकारी से गांव वाले सर्तक थे. झुंड के गांव में घुसते ही वे अपने-अपने घरों से निकल कर सुरक्षित स्थानों पर चले गये. इस दौरान झुंड ने ललीता देवी, पति वासुदेव राम का घर और चाहरदीवारी, डेगलाल महतो का घर और मनोज महतो का रसोई क्षतिग्रस्त कर दिया. इसके साथ ही घरों में रखे अनाज बर्बाद कर दिया. साथ ही ललीता देवी, भुखलाल महतो और चुरामन महतो के खेतों में लगी मकई, धान की फसल को रौंद कर बर्बाद कर दिया. बताया जाता है कि झुंड को खदेड़ने में लगी वन विभाग की टीम इस दौरान रात को फुलवार गांव के समीप थी. हेठनगर में झुंड के आने की सूचना पर टीम तत्काल वहां पहुंची और झुंड को ग्रामीणों के सहयोग से गांव से बाहर खदेड़ा.

कोयला मंत्री से मिले भाजपा नेता कुमार अमित

बोकारो। भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने दिल्ली में केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी से मिल कर बीजीएच को सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल के रूप में विकसित करने हेतु सार्थक पहल करने की मांग की है. कुमार अमित ने बोकारो वासियों के स्वास्थ्य समस्याओं से अवगत कराते हुए कोयला मंत्री से कहा कि सेल द्वारा संचालित बीजीएच पूर्वी भारत के बड़े अस्पतालों में से एक है. इस अस्पताल में आसपास के कई राज्यों के मरीज भी इलाज हेतु आते हैं. विशेष कर कोल इंडिया लिमिटेड के बीसीसीएल और सीसीएम के कर्मचारियों की भी निर्भरता इस अस्पताल पर इलाज हेतु रहती है, क्योंकि इन कम्पनियों के अस्पतालों में भी डाक्टरों और संसाधनों की भारी कमी है. पर्याप्त आधार भूत संरचना के बावजूद संसाधन और योग्य डाक्टरों के अभाव में बीजीएच की भी विकास नहीं हो पा रहा है. कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने इन विषयों को गम्भीरता से लेकर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया है.

इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिले बेरमो विधायक

कथारा (बोकारो)। इंटक के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह बेरमो के विधायक कुमार जय मंगल उर्फ अनूप सिंह ने हैदराबाद में इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जी संजीवा रेड्डी मुलाकात की. अनूप ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से श्रमिकों के हितों व मजदूर संगठन आरसीएमयू की भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की डॉ रेड्डी ने कहा कि इंटक हमेशा श्रमिकों के अधिकार की रक्षा के लिए काम करती रही है. केंद्र की मोदी सरकार उद्योगों व मजदूरों के खिलाफ फैसले ले रही है. सरकार पब्लिक सेक्टर में आउटसोर्स को बढ़ावा देने पर आमादा है. कांग्रेस सरकार ने निजी कंपनियों का राष्ट्रीयकरण किया था, अब मोदी सरकार राष्ट्रीय कंपनियों का निजीकरण कर रही है. इसके विरोध में देश के मजदूरों को जोरदार आन्दोलन के लिए तैयार रहना होगा. मौके पर आरसीएमयू की केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पिछले लोकसभा चुनाव में धनबाद से कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह भी मौजूद थीं.

कृष्ण मुरारी ने कार्यकर्ताओं संग बनाई रणनीति

गिरिडीह। आम आदमी पार्टी छोड़ चुके पूर्व प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने गुरुवार को गिरिडीह कृष्णानगर में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श किया. बैठक में उपस्थित आम आदमी पार्टी के सभी साथियों ने सर्व सम्मति से कृष्ण मुरारी शर्मा के नेतृत्व में आगे राजनीतिक दिशा तय करने का निर्णय लिया. कृष्ण मुरारी शर्मा ने कहा कि झारखंड और झारखंडियत का ख़्याल रखने वाली धर्म निरपेक्ष पार्टी के साथ ही हम सब जायेंगे. आम आदमी पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व का झारखंड पर तनिक भी ध्यान नहीं था. इसी वजह से उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दिया.

कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने लिया योजना का जायजा

गिरिडीह। कांग्रेस जिला अध्यक्ष गुरुवार को अपनी टीम के साथ नगर निगम क्षेत्र एवं मुफ्फसिल क्षेत्र के विभिन्न पंचायत एवं वार्डों में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का जायजा लिया. जिला अध्यक्ष धनंजय कुमार सिंह टीम के साथ विवाह भवन, मवेशी अस्पताल, बाजार समिति, सकीना रेस्ट हाउस एवं नगर भवन पहुंच कर जायजा लिया. उन्होंने उपस्थित महिलाओं को इस योजना में आवेदन जमा ऑनलाइन करने के साथ-साथ ऑफलाइन भी आवेदन जमा करने की बात कही. महिलाओं को जानकारी दी कि अब इसकी निर्धारित तिथि दिसंबर माह तक बढ़ा दी गई है, जो पूर्व में 15 अगस्त तक थी.

विद्यालय परिसर में पौधरोपण

जमुआ (गिरिडीह)। जमुआ प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय शानडीह में गुरुवार को प्रधानाध्यापक पीताम्बर कुमार के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया. विधिक सहायता केंद्र प्रखण्ड कार्यालय जमुआ के पीएलवी सुबोध कुमार साव ने पौधरोपण करते हुए कहा कि प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत जरूरी है. पेड़-पौधों के माध्यम से प्रकृति सभी प्राणियों पर अनंत उपकार करती है. पेड़-पौधे हमें छाया प्रदान करते हैं. विधालय प्रबंधन समिति शानडीह के अध्यक्ष बबलू कुमारराम ने पौधरोपण करते हुए कहा कि पौधे मिट्टी को एकत्रित रखते हैं तथा कटाव को रोकते हैं. प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं, जो हम ऑक्सीजन लेते हैं.

पांच युवाओं की टीम पैदल निकली बाबा बैजनाथ धाम

धनवार (गिरिडीह)। धनवार प्रखंड क्षेत्र के ग्राम बरजो से पांच युवाओं की टोली बाबा बैजनाथ धाम के लिए पैदल निकली. गांव के बंटी विश्वकर्मा, टिंकू विश्वकर्मा, रंजीत शर्मा, सतीश विश्वकर्मा और आशीष कुमार राणा राजदाहा धाम सरिया से 21 लीटर जल लेकर पैदल बाबा बैजनाथ धाम देवघर के लिए निकले हैं. इनलोगों ने बताया कि पहली बार हमलोग पैदल रास्ता धाम से देवघर जाएंगे और बाबा बैजनाथ मंदिर में जलाभिषेक करेंगे. कहा कि यात्रा के दौरान सिर्फ पानी और फल का ही सेवन करूंगा. कहा कि यात्रा के दौरान सड़क किनारे बने मंदिरों में ही रात्रि विश्राम करेंगे.

नो हेलमेट-नो पेट्रोल, टीम ने किया जागरूक

बोकारो। सड़क नियमों की अनदेखी से बढ़ती दुर्घटना को कम करने के लिए प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है, अब बिना हेलमेट के पेट्रोल नहीं मिलेगा. जिला परिवहन एवं जिला ट्रैफिक विभाग ने इससे संबंधित सभी पेट्रोल पंप संचालकों को नो हेलमेट, नो पेट्रोल की सूचना चस्पा करने का निर्देश दिया है. गुरुवार को यह अभियान नया मोड़ स्थित केबीएल पेट्रोल पंप पर चलाया गया. कुल 113 लोगों का काउंसलिंग किया गया. मौके पर ट्रैफिक डीएसपी आशीष महली, ट्रैफिक पुलिस निरीक्षक, परिवहन विभाग के संतोष समेत टीम के अन्य सदस्य उपस्थित थे.

बोल बम के जयघोष के साथ कांवड़ियों का जत्था रवाना

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड के गावां, बिरने समेत कई गांव से गुरुवार को सावन माह में कांवड़ियों का जत्था रवाना हुआ. बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए दर्जनों की संख्या में बोल बम का उद्घोष करते हुए युवाओं की टोली निकली. इस दौरान कांवड़ियां बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते हुए गांव के मंदिरों में पूजा करते हुए एक साथ निकले. ऐसे में गांव का पूरा माहौल भक्तिमय हो गया. गावां प्रखंड से सैकड़ों युवा हर वर्ष सावन में देवघर जाते हैं. यह लोग पहले सुल्तानगंज पहुंचते हैं. यहां से मां गंगा का जल भरकर 120 किलोमीटर पैदल यात्रा करते हैं. यह यात्रा लगभग दो दिन चलकर पूर्ण करते हुए तीसरे दिन बैद्यनाथ बाबा को जलाभिषेक करते हैं. इस दौरान बैड बाजे के साथ ग्रामीणों ने गांव के बाहर तक छोड़ा. बाबा धाम जाने वालों में जिप सदस्य पवन कुमार चौधरी, तरंग प्रताप सिंह, विक्रम राणा, छोटू पांडेय, केदार चौधरी, मनोज रजवार, संतोष राम, संतोष कुमार, आशीष कुमार, उपेंद्र स्वर्णकार, पूजा देवी, संजू देवी, ज्योति कुमारी, गौतम कुमार, टार्जन कुमार, प्रीतम कुमार, नितेश कुमार समेत कई युवा शामिल थे.

जयप्रकाश सिंह बने भाजपा देवीपुर के मंडल अध्यक्ष

देवघर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबु लाल मरांडी के निर्देशानुसार देवघर जिला भाजपा जिलाध्यक्ष सचिन रवानी ने जिला पदाधिकारियों, जिला मंडल अध्यक्षों की सूची जारी की है. इस सूची में देवीपुर मंडल में जयप्रकाश सिंह को अध्यक्ष बनाए जाने पर नई जिम्मेवारी के लिये ढेरों बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सभी को आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप सभी अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति एवं मजबूत संकल्प से संगठन की मजबूती में नए आयाम स्थापित करेंगे. बधाई देने वालों में देवघर विधायक नारायण दास, प्रमोद सिंह, संदीप राय, बबलु सिंह, विष्णु ठाकुर, साजिर एकबल, बबलु राव, बालेश्वर रमानी, विकाश वर्मा, पप्पु यादव, मोंटी सिंह, गंगाधर मंडल, बालेश्वर रामानी, मनोज सिंह, नवल किशोर पांडे, हरकेश्वर मंडल, विष्णु ठाकुर एवं अन्य ने बधाई दी.

ब्रीफ खबरें

विधायक ने किया 17 योजनाओं का शिलान्यास

गिरिडीह। गिरीडीह सदर के विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने गुरुवार को नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में 17 योजनाओं का शिलान्यास किया. वार्ड नंबर 1 से 7 तक व वार्ड नंबर 19 व 20 में कुल 17 योजनाओं का शिलान्यास किया. इन योजनाओं पर कुल एक करोड़ 45 लाख रुपये की लागत आएगी. विधायक ने कहा कि राज्य सरकार विकास को लेकर पूरी तरह गंभीर है. विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि सरकार के हर कार्य में खोट निकलना विपक्ष का काम रह गया है. सरकार झारखंड को विकसित राज्य की श्रेणी में लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है. मौके पर झामुमो गिरिडीह जिलाध्यक्ष संजय सिंह सहित वार्ड पार्षद, झामुमो कार्यकर्ता व स्थानीय लोग उपस्थित थे.

विदाई सह स्वागत सम्मान समारोह आयोजित

साहिबगंज। गुरुवार को विजय गौतम का एमवीआई कार्यालय, साहिबगंज सभागार में विदाई एवं नये एमवीआई अभिषेक मुंडा का स्वागत सम्मान समारोह का आयोजन जिला परिवहन पदाधिकारी विष्णु देव कच्छप की अध्यक्षता में की गई. जिला परिवहन के वरीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा एमवीआई विजय गौतम को फूल माला पुष्पगुच्छ, मोमेंटो, गीता एवं अन्य उपहार सप्रेम भेट किए. वहीं जिला परिवहन पदाधिकारी विष्णु देव कच्छप ने नव एमवीआई अभिषेक मुंडा को फूल का माला पहनाकर उनका स्वागत किया. इस मौके पर क्लर्क अभिषेक कुमार, अमन कुमार, प्रशांत कुमार, रितिका चौधरी, अनुज परासर, नीरज साह, सुमित कुमार, राज हंस, जगरनाथ साह, वेजनाथ कुमार, घोलटन रजक समेत अन्य लोग मौजूद थे.

आरा मील से एक लाख की लकड़ी जब्त

गांडेय (गिरिडीह)। डीएफओ के निर्देश पर वन विभाग कि टीम गठित करते हुए गुरुवार को अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव में संचालित अवैध आरा मिल में छापेमारी करते हुए अवैध आरा मिल को जेसीबी मशीन से उखाड़ कर वहां पड़े लकड़ी अलकसिया, लिपटस, पीपल, गम्भार आदि करीब एक लाख रुपए की लकड़ी को जब्त कर लिया. मौके पर वनपाल दिवाकर कुमार तांती, रंजन कुमार शर्मा, दाऊद आलम, विष्णु किस्कु मौजूद थे. वन विभाग द्वारा आगे की करवाई की जा रही है.

सांडों के साथ आवारा पशुओं को पकड़ कर भेजा गौशाला

देवघर। उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी विशाल सागर के निर्देशानुसार नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए नगर निगम द्वारा अभियान शुरू किया गया. इस कड़ी में मंदिर व आस-पास के क्षेत्रों में यत्र-तत्र बढ़ती संख्या में घुम रहे सांडों को श्रद्धालुओं व आमजनों से सुरक्षित करने के उदेश्य से कार्य किया जा रहा है. ऐसे में बीती देर रात से नगर आयुक्त राहुल सिन्हा के नेतृत्व में नगर निगम द्वारा चली इस अभियान में अभी तक दर्जन भर सांड़ को पकड़ कर सुरक्षित तरीके से गौशाला भेजा गया. इसके अलावे नगर आयुक्त रोहित सिन्हा द्वारा जानकारी दी गयी कि पलामु की एजेंसी राम नंदन वेलफेयर सोसायटी को नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सांडों के साथ आवारा पशुओं को पकड़ने का काम सौंपा गया है.

मेडिकल प्रैक्टिशनर की पत्थर से कूचकर हत्या

गिरिडीह में दूसरे दिन भी मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता। पीरटांड़ (गिरिडीह)

गिरिडीह जिले के पीरटांड़ में लगातार दूसरे दिन खून के छींटें मिले हैं. पीरटांड़ के खुखरा थाना क्षेत्र में छह अगस्त को बरामद अनिल यादव के हत्याकांड की गुत्थी अभी ठीक से सुलझी भी नहीं है कि एक बार फिर प्रखंड क्षेत्र से पुलिस ने एक और शव बरामद किया है. प्रथम दृष्टया शव की स्थिति देखने से प्रतीत हो रहा है कि युवक के सिर को पत्थर से कूचकर उसकी हत्या कर दी गई है. पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है.
पीरटांड़ थाना की बांध पंचायत स्थित पोखरिया गांव के पास पुलिया के नीचे गुरुवार को एक युवक का शव पाया गया है. मृतक के माथे पर चोट के निशान हैं. शव की पहचान इसी पंचायत के केंदुआडीह निवासी करमचंद सोरेन, पिता जेठा सोरेन के रूप में हुई है. बताया जाता है कि गुरुवार की सुबह ही वह घर से काम के लिए निकला था. करमचंद सोरेन मेडिकल प्रैक्टिशनर था. गुरुवार की सुबह वह अपने साथ दवा से भरा बैग लेकर घर से निकला था.
कुछ ही घंटे बाद दोपहर में स्थानीय लोगों ने शव को देखा और पुलिस को सूचना दी. थाना प्रभारी घटनास्थल पर पहुंचे. बाद में सूचना पाकर परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने शव को पुलिया से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पीरटांड (गिरिडीह)। पीरटांड़ प्रखंड के हरलाडीह ओपी अंतर्गत अरबेका गांव में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है. घटना के सम्बंध में बताया जाता है कि राजेन्द्र मरांडी की पत्नी लीलमुनि देवी उम्र-करीब 30 साल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घरेलू विबाद के कारण लीलमुनि देवी ने घर के एक कमरे में ही अंदर से बंद करके फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना के बाद आत्महत्या की बात गांव में फैल गई और राजेन्द्र मरांडी के घर पर लोगों की भीड़ जमा हो गई. मामले की जानकारी हरलाडीह मुखिया प्रतिनिधि जगदीश सोरेन एवं हरलाडीह ओपी प्रभारी दीपक कुमार को दी गई. सूचना पाकर मुखिया प्रतिनिधि और थाना प्रभारी दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और रूम का दरवाजा को तोड़कर शव को अपने कब्जे में लेकर ओपी लाये. बाद में महिला की मौत की सूचना उसके मायके वालों को दी गई, तब जाकर बुधवार देर शाम महिला के मायके वाले ओपी पहुँचे. ओपी पहुंचने के बाद मायके वाले हो हंगामा करने लगे, काफी समझाने बुझाने के बाद मायके वाले शांत हुए. इसके बाद ओपी प्रभारी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया. वहीं मृतिका के मायके वालों ने ओपी में एक आवेदन देकर उसके पति राजेंद्र मरांडी और उसके परिजनों पर हत्या का आरोप लगाया है.

अनिल यादव हत्याकांड की जांच को पहुंची एफएसएल की टीम

गिरिडीह। गिरिडीह के भाजपा कार्यकर्ता अनिल यादव की हत्या मामले की जांच करने रांची से एफएसएल की टीम बुधवार की शाम गिरिडीह पहुंची. टीम सबसे पहले हत्या के आरोपी बैजू रविदास के कृष्णा नगर स्थित घर गई. टीम के साथ गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा व डीएसपी कौशर अली भी थे. टीम में शामिल अधिकारियों ने सरिया प्रखंड कार्यालय में बड़ा बाबू के पद पर कार्यरत बैजू रविदास के आलीशान घर की गहनता से जांच-पड़ताल की और अनिल यादव की हत्या से संबंधित साक्ष्य जुटाने की कोशिश की. टीम ने उस जगह का भी मुआयना किया, जहां से प्लास्टिक के बोरे में बंद अनिल की लाश बरामद हुई थी. मौके पर मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो, नगर थाना प्रभारी शैलेश प्रसाद व पचंबा थाना प्रभारी मंटू कुमार समेत कई पुलिस अधिकारी मौजूद थे. एसपी ने बताया कि एफएसएल की टीम और गिरिडीह पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है. मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि अनिल यादव जैसा ताकतवर युवक को अकेले बैजू रविदास ने कैसे हत्या की है? उसके साथ और कौन लोग थे?

56 गोवंशीय पशु लदा कंटेनर जब्त

संवाददाता। डुमरी

एसपी गिरिडीह को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर अवैध पशु की तस्करी का रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार की रात्रि में डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद के नेतृत्व में निमियाघाट एवं डुमरी थाना के द्वारा जीटी रोड नेशनल हाईवे के रास्ते बिहार से बंगाल की ओर परिवहन कर ले जा रहे अवैध गोवंशीय पशु लदा कंटेनर वाहन संख्या एमएच-04 जीसी 5293 को डुमरी थाना क्षेत्र के कुलगो टॉल प्लॉजा के समीप से पकड़ा गया. उक्त कंटेनर वाहन का जांच पड़ताल करने पर उसमें क्रूरतापूर्वक कुल 56 गोवंशीय पशु को लदा पाया, जो काफी सख्त तरीके से बंधा हुआ था. सभी गोवंशीय पशु को तस्कर के द्वारा कसाई खाना ले जाया जा रहा था, जिसे कसाई खाना ले जाने से पहले मुक्त कराया गया. इस गोवंशीय पशु की तस्करी करने में संलिप्त तस्कर कंटेनर वाहन के चालक, कंटेनर वाहन के मालिक, तसलीम खान उर्फ किशन खान एवं संतोष तथा अज्ञात पशु तस्कर के विरूद्ध बीएनएस एवं अन्य सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्राथमिकी दर्ज किया गया है.

गोड्डा : 270 लीटर नकली विदेशी शराब, 200 लीटर स्प्रिट बरामद

संवाददाता। गोड्डा

नकली शराब का कारोबार जिला में काफी फलफूल रहा है. खासकर बिहार बॉर्डर पर बसे जिला के गांव में इसका कारोबार अच्छी तरह फलफूल रहा है. आबकारी विभाग को ऐसे ही एक मामले का उद्भेदन करने में सफलता मिली है.
आबकारी विभाग को मिली गुप्त सूचना के आधार पर बीते शुक्रवार की रात्रि उत्पाद निरीक्षक देवीलाल सोरेन और उत्पाद अवर निरीक्षक निलेश कुमार सिन्हा ने उत्पाद आरक्षी और ग्रामीण बल के जवानों को साथ लेकर पड़ैयाहाट थाना क्षेत्र अंतर्गत भटौंदा के समीप नवडीहा गांव में छापेमारी की. छापेमारी में जंगल झाड़ के बीच बने झोपड़ीनुमा मिट्टी के घर में 720 बोतल में भरकर रखे गए नकली विदेशी शराब की बोतलों को बरामद किया गया.
बरामद किए गए सभी 720 बोतलों को मिलाकर कुल 270 लीटर नक़ली शराब को जब्त किया. इसके अलावा घटनास्थल से नकली विदेशी शराब बनाने में प्रयुक्त होनेवाला स्पिरिट जो करीब दो सौ लीटर होगा, उसे भी बरामद किया गया. मौके पर से ही चार सौ पीस बोतल का ढक्कन भी बरामद किया गया. इन ढक्कनों का प्रयोग बोतल को सील करने में किया जाता था. इसके अलावा एक मोटरसाइकिल जेएच 11 एस 4550 भी मौके पर पड़ा मिला, जिसे टीम ने जब्त कर लिया. जप्त मोटरसाइकिल के नंबर प्लेट पर अंग्रेजी से चंदा लिखा हुआ है.
छापामारी के दौरान कुछ अन्य शराब की बोतल जो झाड़ी में छुपा कर रखी गई थी, उसे भी बरामद किया गया है. छापेमारी टीम को देखकर अंधेरे का लाभ उठाकर अभियुक्त भागने में सफल रहे. मोटरसाइकिल के नंबर के आधार पर घटना में संलिप्त लोगों की तलाश की जा रही है.

आंदोलन जारंगडीह खुली खदान में सीटू की पिट मीटिंग

एमडीओ मोड-रेवेन्यू शेयरिंग का करें विरोध : प्रदीप

संवाददाता। कथारा

सीसीएल कथारा क्षेत्र के जारंगडीह खुली खदान परिसर में एनसीओईए सम्बद्ध सीटू ने गुरुवार को प्रथम पाली में मजदूरों के साथ पीट मीटिंग किया. पीट मीटिंग की अध्यक्षता व संचालन निजाम अंसारी ने किया. पीट मीटिंग के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में सीसीएल वेलफेयर बोर्ड के सदस्य प्रदीप कुमार विश्वास और विजय कुमार भोई शामिल हुए. जहां उन्होंने संयुक्त रूप से एमडीओ मोड और रेवेन्यू शेयरिंग पर विस्तार पूर्वक जानकारी मजदूरों के बीच साझा किया.
उन्होंने सम्बोधित करते हुए कहा कि कोल इंडिया को धीरे-धीरे प्राईवेट कंपनियों के हाथों में आउटसोसिंग के माध्यम से दिया जा रहा है. जिससे डिपार्टमेंटल कार्य में ब्रेक लगी हैं. आगे उन्होंने बताया कि कोल इंडिया पूरे कोयला उद्योग को एमडीओ मोड और रेवेन्यू शेयरिंग पर चलाने की साज़िश कर रही है. एमडीओ मोड में कोलियरियों के संसाधनों को आऊटसोर्सिंग के माध्यम से निजी मालिकों को सौंप देगा और रेवेन्यू शेयरिंग के तहत खुलने वाली नयी कोलियरियों में कोयला उत्पादन और बिक्री निजी कंपनियां करेगी.
ऐसा यदि हो गया तो स्थाई मजदूरों की जरूरत समाप्त हो जायेगी. कोयला उधोग का मुनाफा सरकार की जगह निजी कंपनियां को होगी और कोयला उधोग को बचाने के लिए मजदूरों को इसका विरोध करना ही होगा.
कोयला उद्योग को बचाने के लिए इक्ठा होकर एमडीओ मोड तथा रेवेन्यू शेयरिंग का पूर्ण जोर विरोध करना होगा.
जिसके लिए मजदूरों को जागरूक किया जा रहा है ताकि आने वाले समय में फिर मजदूरों को अपनी चट्टानी एकता का परिचय देना होगा. मजदूरों को एकजुट करना ही पीट मीटिंग का मुख्य उद्देश्य है ताकि मजदूर विरोधी नीतियों को ईंट का जवाब पत्थर से दिया जा सके.
मौके पर सुरेश कुमार, मुस्तफा अंसारी, नरेश राम, बैजनाथ मंडल, अजय रविदास, मो सहजाद, राकेश प्रसाद, नौसाद खां, रमेश पासवान सहित अन्य कई लोग मौजूद थे.

तबला शिक्षक मयंक को भारतीय गौरव सम्मान

बोकारो। दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो के संगीत शिक्षक मयंक कुमार भक्त को दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के उत्थान को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत उत्तर प्रदेश की गैर सरकारी संस्था द फेयर विजन फाउंडेशन ने मयंक को भारतीय गौरव सम्मान से नवाजा है. दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के साथ-साथ अन्य बच्चों को भी भारतीय शास्त्रीय संगीत में तबला की तालीम प्रभावशाली तरीके से दिए जाने को लेकर उन्हें यह सम्मान दिया गया. पुरस्कार स्वरूप उन्हें एक प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति फलक प्रदान किया गया है, जिसमें संगीत विधा को समृद्ध बनाए जाने की दिशा में उनके योगदान व समर्पण की सराहना की गई है. झारखंड से इस कैटेगरी में एकमात्र उन्होंने ही यह सम्मान पाया है. गुरुवार को विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने मयंक की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे विद्यालय परिवार सहित पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय बताया.

गिरिडीह झारखंड सहित पूरे देश वासियों को विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक बधाई

रामजीत मुर्मू
प्रखंड अध्यक्षआदिवासी युवा मंच
गांडेय जिला-गिरिडीह

विनेश फोगाट की त्रासदी

पहलवान विनेश फोगाट ने पचास किलो वर्ग स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश करके करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया था. देश उनसे सोने के पदक की उम्मीद कर रहा था. लेकिन करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों पर उस समय वज्रपात हो गया, जब पेरिस ओलंपिक में महज सौ ग्राम वजन ज्यादा होने के कारण उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया. विनेश अब इस ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीत सकेंगी. निस्संदेह, जब विनेश इतिहास रचने जा रही थीं, उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया. लेकिन फिर भी आज देश उनके साथ खड़ा है. खेल प्रेमी सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं. निश्चय ही यह एक दिल तोड़ने वाली घटना है. कहा जा रहा है कि भारत को ओलंपिक संघ से कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए. जाहिर है यह फाइनल स्पर्धा थी. भारत सोने के पदक की आस लगा रहा था. इस फैसले को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. दरअसल, भारतीय दल ने विनेश के वजन को 50 किलो तक लाने के लिए थोड़ा समय मांगा था, लेकिन तय वजन से अधिक भार होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया. असल में, रेसलिंग इवेंट में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को अलग-अलग भार वर्ग में वर्गीकृत किया जाता है. रेसलिंग व बॉक्सिंग जैसे खेलों में यह नियम है. ताकि सभी खिलाड़ियों के लिये निष्पक्ष अवसर तय किये जा सकें. यही वजह है कि खिलाड़ी जिस भार वर्ग का चयन करता है, उसे उसी वर्ग में खेलने की इजाजत मिलती है. इसमें किसी तरह की ढील नहीं मिलती. हर स्पर्धा से पहले चिकित्सा जांच व वजन किया जाता है. साथ ही खिलाड़ी के वजन की प्रक्रिया में असफल होने पर उसे प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाता है. फिर पहली प्रतियोगिता में हारे खिलाड़ी को खेलने का मौका दिया जाता है. विनेश के मामले में भी आईओसी ने ऐसा ही फैसला लिया है, लेकिन भारतीयों के लिए यह फैसला असहनीय है. निस्संदेह, हर भारतीय के लिए यह फैसला कष्टदायक है. वे फाइनल से पहले विनेश को अयोग्य करार दिये जाने की घटना पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं. कतिपय लोग इसे पश्चिमी देशों द्वारा विकासशील देशों के खिलाड़ियों के साथ भेदभाव मानते हैं. उनका मानना है कि भारत सरकार को इस मामले में कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए. भारतीय ओलंपिक संघ को भी इससे निबटने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए. देश के तमाम बड़े खिलाड़ी और राजनेता विनेश का हौसला बढ़ाने में लगे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि विनेश आप भारत का गौरव हैं और हर एक भारतीय की प्रेरणा हैं. आपमें लड़ने की क्षमता है. आप सबल होकर लौटें, सारा देश आपके साथ खड़ा है. निस्संदेह, सारे देश की ऐसी ही सोच है. भले ही पेरिस ओलंपिक में उनके हाथ निराशा लगी हो, लेकिन उनके सामने तमाम स्वर्णिम अवसर विद्यमान हैं. बेशक, फाइनल में खेलने के लिए वह अयोग्य करार दे दी गई हों, लेकिन वे आगे मेहनत से और मेडल लाएगी. विनेश की जीत प्रशंसनीय थी और उन्होंने भरसक प्रतिबद्धता भी दिखायी. उन्होंने पहले के राउंड ही नहीं जीते, बल्कि देश के लोगों का दिल भी जीता. लेकिन यह बात तो जरूर है कि उन्हें उनकी मेहनत का वह फल नहीं मिला, जिसकी वह हकदार थीं. लेकिन एक बात तो तय है कि विनेश और भारतीय खेल दल के कर्ता-धर्ताओं के स्तर पर भी लापरवाही तो हुई है. वजन की निगरानी बेहद सावधानी से होनी चाहिए.

> खेल प्रेमी सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं. निश्चय ही यह एक दिल तोड़ने वाली घटना है. कहा जा रहा है कि भारत को ओलंपिक संघ से कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए. जाहिर है यह फाइनल स्पर्धा थी.

सुभाषित

भेदे गणाः विनश्येयुः भिन्नास्तु सुजयाः परैः।
तस्मात् संघातयोगेन प्रयतेरन् गणाः सदा।।

गणराज्य में अगर एकता न हो तो वह नष्ट हो जाता है, क्योंकि एकता न होने पर शत्रु को उसे नष्ट करने मे आसानी होती है. इसलिए गणराज्य में आपसी मतभेदों के बावजूद नागरिकों के बीच हमेशा आंतरिक एकता बनी रहनी चाहिए.

दयनीय हाल में सबर और बिरहोर जनजाति

पूरे भारतवर्ष में सबसे ज्यादा आदिवासी उड़ीसा में है. झारखंड में निवास करने वाली 32 प्रकार की जनजातियों में से आठ पीवीटीजी हैं. झारखंड की कुल जनसंख्या का 26% जनजाति जनसंख्या है, जिनकी अपनी अलग सांस्कृतिक पहचान है . प्रकृति की गोद में बेसन वाली इन जनजातियों का जीवन बहुत ही सरल होता है. यही कारण है कि मानव वैज्ञानिक इन्हें सरल समाज कह कर संबोधित करते हैं. जनजातियों के बीच में ही कुछ ऐसी जनजातियां हैं, जो विकास से कोसों दूर अस्तित्व की रक्षा के लिए दिन-रात संघर्ष कर रही हैं.

देश-काल

डॉ. गंगा प्रसाद झा

भारत में इंडीजीनस दिवस को विश्व आदिवासी दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है. प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को इस दिन भारत के विभिन्न हिस्सों में आदिवासी या जनजाति संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की बात की जाती है. विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से संरक्षण के साथ विकास के लिए भी चिंतन मनन किया जाता है. भारत में कुल जनसंख्या (2011) का आठ प्रतिशत जनजाति जनसंख्या है. इंडियन एंथ्रोपॉलजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया के द्वारा प्रायोजित परियोजना, पीपुल्स ऑफ़ इंडिया के अनुसार भारत में कुल 4635 अंतर्विवाही समूह या जाति हैं, जिसमें अनुसूचित जनजाति भी शामिल है. हो सकता है किसी कारण बस या भूल से इसमें कुछ समूहों को शामिल न किया गया हो, लेकिन संविधान के अनुच्छेद 342 के तहत भारत में 705 समूहों को अनुसूचित जनजाति के रूप में अनुसूची बद्ध किया गया है. इनके लिए संविधान में संरक्षण की बात कही गई है और इन्हें मुख्य धारा में जोड़ने का सतत प्रयास किया जाता रहा है. इन जनजातियों में कुल 75 ऐसी जनजातियां हैं, जो विशेष रूप से कमजोर या कहें वुलनरेबल हैं. इन्हें 2006 से पहले आदिम जनजाति कहा जाता था, जिसे बाद में पार्टिकुलर वुलनरेबल ट्राइब्स पीवीटीजी कहा जाने लगा. पूरे भारतवर्ष में सबसे ज्यादा उड़ीसा में है. झारखंड में निवास करने वाली 32 प्रकार की जनजातियों में से आठ पीवीटीजी हैं. झारखंड की कुल जनसंख्या का 26% जनजाति जनसंख्या है, जिनकी अपनी अलग सांस्कृतिक पहचान है . प्रकृति की गोद में बेसन वाली इन जनजातियों का जीवन बहुत ही सरल होता है. यही कारण है कि मानव वैज्ञानिक इन्हें सरल समाज कह कर संबोधित करते हैं. जनजातियों के बीच में ही कुछ ऐसी जनजातियां हैं, जो विकास से कोसों दूर अस्तित्व की रक्षा के लिए दिन-रात संघर्ष कर रही हैं. इनके बीच 25% से भी कम साक्षरता दर है. इनका जीवन आज भी कंदमूल संग्रह पर निर्भर है. जंगल पर आश्रित जनजातियों के बीच जन्म दर से अधिक मृत्यु दर रहने के कारण इनकी जनसंख्या स्थिर है. झारखंड में निवास करने वाली आठ पीवीटीजी मल पहाड़िया, सौरिया पहाड़िया, कोरबा, असुर, बिरजिया, परहिया, बिरहोर तथा सबर हैं. सबसे अधिक जनसंख्या मल पहाड़िया की है. झारखंड के पीवीटीजी में सबसे दयनीय स्थिति बिरहोर और सबर की है. यहां बिरहोर की जनसंख्या मात्र 10000 है. झारखंड में सबर की जनसंख्या मात्र 9688 है. यहां निवास करने वाली सबर महिलाओं की जनसंख्या 4824 है, जिनमें 3749 महिलाएं साक्षरता से दूर हैं. झारखंड में कुल सबर जनसंख्या का 92% पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला खरसावां में वास करते हैं. जंगल के अलावे इनका मुख्य पेशा भी मजदूरी है. इन्हें डाकिया योजना का लाभ अवश्य मिलता है, जिसके अंतर्गत मुफ्त में इन्हें चावल दिया जाता है, लेकिन प्रश्न यह है कि केवल चावल से इनका जीवन कैसे कटेगा? जंगल से पत्तल लाकर और जलावन के लिए सुखी लड़कियां चुनने के अलावे इनके पास और कोई रोजगार नहीं है. इनके बीच कुपोषण जनित बीमारियां विकराल रूप धारण की हुई है. जागरूकता की कमी के कारण इन्हें योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पाता. जीवन के लिए संघर्ष जारी है. गुणवत्तापूर्ण जीवन की बात तो इनकी समझ से भी परे है. इन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि राज्य और कल्याणकारी राज्य व्यवस्था क्या है? इन्हें अगर पता है तो बस इतना कि इनके पूर्वज जंगल से जीते थे और ये भी जंगल के आश्रय में ही जी रहे हैं. वहीं से फल -फूल मिलता है, पत्ते मिलते हैं, जिसका दोना बनाकर ये नजदीक के हाट -बाजार में बेचते हैं और जो कुछ नगद मिलता है, उसी से दवा और जीने के लिए अन्य आवश्यक चीजें खरीदनी पड़ती हैं. इन्हें यह भी नहीं मालूम कि आजादी के 78 वीं वर्षगांठ का मतलब क्या है? झारखंड में 24 वर्ष के अबुआ दिसुम अबुआ राज में पीढ़ी दर पीढ़ी जल जंगल जमीन की रक्षा करने वाली जनजातियों के लिए अबुआ दिशुम अबुआ राज में क्या-क्या हुआ.

सबर जनजाति के बीच भले ही गरीबी और कुपोषण जनित बीमारियां हों और उनके पास सुख-सुविधाओं के सामान न हों, लेकिन इनके पास जो है, वह जटिल समाज के पास नहीं है. इनके पास परंपरागत औषधि ज्ञान है. इनके बीच समाज में मिलजुल कर रहने की अद्भुत कला है. सामाजिकता और मानवता पर आधारित सबर समाज को, एक दूसरे को किस तरह से सहयोग दिया जाए, यह कला प्रकृति ने सिखायी है. जंगल से कंदमूल एकत्र करना हो या फिर से गृह निर्माण, सभी कुछ एक दूसरे के सहयोग पर निर्भर करता है. इनके बीच अकूत संपत्ति या फिर एक दूसरे को ठगने की प्रवृत्ति नहीं है. एक दूसरे को सम्मान देकर बराबरी के साथ समाज में कैसे रहा जाता है, कोई इनसे सीखे . प्रकृति पूजक सबर जनजातियों के बीच बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष सम्मान दिया जाता है. इस समाज को दहेज की जानकारी नहीं है और न ही वृद्धाश्रम की. किसी भी प्रकार के आपसी विवाद का हल समाज के परंपरागत प्रधान द्वारा सरल तरीके से कर लिया जाता है, जो सर्वमान्य होता है. इस कार्य हेतु बैठक बुलाने में समाज के गोराईत सहयोग देते हैं. अशिक्षा के कारण समाज में अंधविश्वास और स्वास्थ्य समस्याओं से निजात पाने के लिए जादू टोना पर विश्वास करने वाले लोगों की संख्या काफी अधिक है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

क्षमा शस्त्रं करे यस्य

नीतिकार ने कहा है-क्षमा शस्त्रं करे यस्य दुर्जनः किं तं करिष्यति. अर्थात जिसके हाथ में क्षमा रूपी शस्त्र है, उसका कोई दुर्जन क्या बिगाड़ पाएगा? यह बात सिद्धांततः अत्यंत सरल है, लेकिन व्यावहारिक दृष्टिकोण से देखा जाये तो उतना ही कठिन. बहुत सी ऐसी घटनाएं प्रकाश में आये दिन आती रहती हैं कि किसी दुष्ट व्यक्ति ने दुष्टता कर दी. क्षमाशील व्यक्ति ने उसे क्षमा कर दी. परिणाम वह नहीं हुआ, जिसकी अपेक्षा थी. दुष्ट व्यक्ति ने यह माना कि सामनेवाला कायर है. डरपोक है. यह उससे डरता है, इसलिए वह उसकी दुष्टता का माकूल जवाब नहीं दे सकता. वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आता और फिर दुष्टता कर बैठता है, लेकिन क्षमाशील अपनी क्षमा वृत्ति का त्याग नहीं करता. एक समय ऐसा भी आता है कि दुष्ट व्यक्ति को अपनी गलती का एहसास हो जाता है. किसी की दुष्टता का प्रतिशोध लिया जा सकता है, लेकिन प्रतिशोध लेने का आनंद मात्र एक दिन का होता है, जबकि क्षमा करने का गौरव सदा बना रहता है. सच्ची क्षमा समस्त ग्रंथियों को विदीर्ण करने का सामर्थ्य रखती है. हर परिस्थिति में स्वयं को संयोजित संतुलित रखना भी क्षमा ही है. क्षमा देने व क्षमा प्राप्त करने का सामर्थ्य उसी में है, जो आत्म निरीक्षण कर सकता है. क्षमापना आत्म शुद्धि का प्रवहमान अनुष्ठान है, सौम्यता, विनयसरलता, नम्रता शुद्ध आत्म में स्थापित होती है. अच्छे विचारों को धरातल पर उतारना या स्वभाव में सम्मलित करना बहुत ही दुष्कर होता है, बरसों के जमे जमाये व्यवहार आसानी से नहीं उखड जाते. ज्ञान की बहुत बडी बडी बातें, सत्संग, प्रवचन कहकर अक्सर हम उडा देते हैं. लेकिन फ़िर भी अच्छे विचारों पर किया गया क्षणिक चिन्तन भी व्यर्थ नहीं जाता. सदाचरण को 'अच्छा' मानने की प्रवृत्ति मानसिकता में बनी रहती है. देर से व शनैः शनैः ही सही हृदय की शुभ मानसिकता अंततः क्रियान्वन में उतरती ही है. इसीलिए दया, करूणा, अनुकंपा और क्षमा के भावों को उचित जानना मानना व कहना आवश्यक है. पालन जब होगा तब होगा हृदय में इनका निवास जरूरी है. वय, परिस्थिति एवं अनुभवों के आधार पर धीरे-धीरे ही क्षमाशीलता आ सकती है. हर व्यक्ति की परिस्थिति फरक होती है. पूर्व में स्थापित बुद्धि क्षमा का निर्णय नहीं ले सकती. घटना अथवा दुर्घटना से तदुत्पन्न बुद्धि ही निर्णय लेती है. व्यक्ति ज्यादातर परिस्थियों का गुलाम होता है.और परिस्थितियां मनुष्य को विवश कर देती हैं.

देश-दुनिया में आदिवासियों की दशा और दिशा

आदिवासी दिवस

तुहिन

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1994 में विश्व के मूल निवासियों के लिए 9 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया. यह तय हुआ कि 1995-2004 के बीच अंतरराष्ट्रीय मूल निवासी दशक के दरम्यान प्रति वर्ष 9 अगस्त अंतरराष्ट्रीय मूल निवासी दिवस के रूप में मनाया जाए. 2004 में महासभा ने 'कार्य और महत्ता के दशक' के रूप में 2005- 2015 के बीच दूसरा अंतरराष्ट्रीय मूल निवासी दशक मनाने की घोषणा की. संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुमान के अनुसार दुनिया के 70 देशों में करीब 370 मिलियन मूल निवासी (आदिवासी) निवास करते हैं और यह विश्व की कुल जनसंख्या के 6 प्रतिशत से कुछ कम है तथा 72 देशों में 5000 अलग-अलग शाखाओं से ताल्लुक रखते हैं. विश्व की प्राचीन सभ्यताओं का निर्माण मूल निवासियों ने किया था. मध्ययुग में यूरोपियन उपनिवेशवाद जब पूरी दुनिया में अपना पैर जमाने लगा तो एशिया, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और आस्ट्रेलिया के मूल निवासियों पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा. क्रिस्टोफर कोलंबस द्वारा अमेरिका की खोज के बाद यूरोपियन उपनिवेशवादी ताकतें विशेषकर स्पेन, पुर्तगाल, हालैंड (डच) ब्रिटेश, डेनमार्क, फ्रांस, बेल्जियम आदि अमेरिका महादेश को आबाद करने के नाम पर अफ्रीकी महादेश से जहाज भर-भर कर अफ्रीकी मूल निवासियों को बलपूर्वक अमेरिका ले गए. यूरोपियन उपनिवेशवादी ताकतों ने अफ्रीका में गांव के गांव जलाकर व बर्बर तरीके से जबरदस्ती अफ्रीका (जहां पर कि पृथ्वी की प्रथम मानव सभ्यता का प्रकाश फैला था) के लोगों को उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका में ले जाकर गुलाम बनाया. अफ्रीका के मूल निवासियों के गुलाम व्यापार से यूरोपियन उपनिवेशवाद फलता-फूलता रहा. अमेरिका को जिन लोगों ने अपने खून पसीने से सींचा, आबाद किया, आज भी वे अफ्रीकी-अमरीकी, अमेरिका में दूसरे दर्जे के नागरिक हैं तथा नस्लवादी रंगभेद नीति का सबसे ज्यादा शिकार हैं. भले ही अमेरिका में गुलाम प्रथा का कानूनी रूप से विलोप हो गया हो, लेकिन अब भी वे वहां सबसे ज्यादा गरीब, बदहाल, बेरोजगार, हिंसा के शिकार, मानवाधिकारों से वंचित सबसे ज्यादा तादाद में जेल में बंद हैं. एक तरफ तो उत्तर अमेरिका में अफ्रीका के मूलनिवासियों पर गुलामी थोपकर अमानवीय शोषण किया गया तो दूसरी ओर दक्षिण अमेरिका (लैटिन अमेरिका) में वहां के मूल निवासियों माया, इन्का, एजटेका आदि रेड इंडियन समुदाय का समूल विनाश कर दिया. पेरू में क्रूर स्पेनीय सेनापति पिजारो ने सोने के खजाने की लालच में आदिवासी राजा अताहुआल्पा समेत असंख्य आदिवासियों की निर्मम हत्या की. यह कहा जाता है कि दक्षिण अमेरिका में यूरोपीयन सभ्यता, रेड इंडियन मूल निवासियों के खून और मांस के लोथड़ों की बुनियाद पर पनपा है. दक्षिण अमेरिका में हाइती पर फ्रांस तथा ब्राजील पर पुर्तगाल के आधिपत्य के अलावा समूचा महाद्वीप स्पेनी उपनिवेशवाद के कब्जे में रहा. उसी प्रकार अफ्रीका में ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, बेल्जियम व फ्रांस ने उपनिवेश बनाया तो एशिया के विभिन्न देशों को ब्रिटेन, फ्रांस, पुर्तगाल, अमेरिका व हालैंड ने अपना उपनिवेश बना लिया. ऑस्ट्रेलिया में तो कैप्टन कूक द्वारा महाद्वीप की खोज करने के बाद, वहां के मूल निवासियों का खात्मा करके ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने ब्रिटेन के तमाम दागी अपराधियों को आस्ट्रेलिया में बसाकर यूरोपियन सभ्यता की नींव डाली. पहले उपनिवेशवाद फिर पूंजीवाद के सर्वोच्च रूप साम्राज्यवाद के खिलाफ उपनिवेश की जनता, विशेष रूप से मूल निवासियों/आदिवासियों का प्रतिरोध संग्राम जारी रहा. द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद साम्राज्यवादियों ने उपनिवेशों में जनता के मुक्ति संघर्ष की तीव्रता तथा अपने संकट की घड़ी को देखते हुए दुनिया को लूटने की नयी रणनीति इख्तियार की. तमाम साम्राज्यवादी ताकतों ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटिश साम्राज्यवाद के शक्तिहीन होने के कारण, विश्वयुद्ध में सबसे कम नुकसान उठाने वाली नयी साम्राज्यी ताकत अमेरिका को अपना नेता माना. अतः अमेरिका के नेतृत्व में सभी साम्राज्यवादी ताकतों ने पुराने किस्म के उपनिवेशवाद की जगह, प्रत्यक्ष नियंत्रण की जगह अप्रत्यक्ष नियंत्रण वाली नवउपनिवेशवादी रणनीति को अपनाना शुरू किया. इसके तहत् एशिया, अफ्रीका व दक्षिण अमेरिका में साम्राज्यवादियों ने अपने पुराने उपनिवेशों में दिखावे के लिए 1945 के बाद औपचारिक आजादी की घोषणा की और अपने पिट्ठुओं के हाथ सत्ता सौंप कर (जो कि साम्राज्यवादियों के देशीय दलाल पूंजीपति और सामंती भूस्वामी वर्ग के लोग थे) पर्दे के पीछे से नवउपनिवेशों की राजनीति, अर्थनीति, सामरिक नीति आदि पर नियंत्रण व हस्तक्षेप करने लगे. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> ऑस्ट्रेलिया में तो कैप्टन कूक द्वारा महाद्वीप की खोज करने के बाद, वहां के मूल निवासियों का खात्मा करके ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने ब्रिटेन के तमाम दागी अपराधियों को आस्ट्रेलिया में बसाकर यूरोपियन सभ्यता की नींव डाली. पहले उपनिवेशवाद फिर पूंजीवाद के सर्वोच्च रूप साम्राज्यवाद के खिलाफ उपनिवेश की जनता, विशेष रूप से मूल निवासियों/आदिवासियों का प्रतिरोध संग्राम जारी रहा.

वेनुजुएला में चुनावों के बाद की हिंसा के मायने

देशांतर

कुमार प्रदीप

निकोलस मादुरो को वेनेजुएला का राष्ट्रपति फिर से चुन लिया गया है. उन्हें 51.2 फीसदी वोट मिले, जबकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी एडमंडो गोंजालेज 44.2 फीसदी वोट पाकर दूसरे स्थान पर रहे. राष्ट्रपति मादुरो की यह जीत सुनिश्चित करती है कि बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया कई चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ेगी. इससे पहले, 1999 में ह्यूगो चावेज़ को एक जन लोकतांत्रिक आंदोलन के चलते राष्ट्रपति चुना गया था, यह तब हुआ था, जब वेनेजुएला नवउदारवादी नीतियों के जाल में फंसकर तबाह हो चुका था. नवउदारवादी परियोजना के दायरे में वेनेजुएला के फंसने के कारण 1999 तक वेनेजुएला की राजनीतिक अर्थव्यवस्था (और इसके तेल संसाधन) घरेलू पूंजीपति वर्ग की जूनियर भागीदारी के साथ अमेरिकी साम्राज्यवाद (जो मेट्रोपॉलिटन कैपिटल पर हावी थी) द्वारा निर्धारित मापदंडों के भीतर काम कर रही थी. जब 1999 में राष्ट्रपति चावेज़ चुने गए तो अमेरिकी साम्राज्यवाद के तहत काम करने वाली मेट्रोपॉलिटन केपिटल (और अमेरिका की घरेलू जूनियर साझेदार थी) ने मान लिया था कि उनके आंदोलन को नवउदारवादी परियोजना में शामिल करके सहयोजित किया जा सकता है. हालांकि तब ऐसा नहीं हुआ तो मेट्रोपॉलिटन कैपिटल और उसके जूनियर साझेदारों ने 2003 में एक सैन्य तख्तापलट की साजिश रची, जिसे एक लोकप्रिय जन-विद्रोह ने पराजित कर दिया, जिसमें सशस्त्र बलों के व्यापक रैंक भी शामिल थे. संघर्ष के इस अनुभव के दौरान, बोलिवेरियन क्रांति राजनीतिक-संगठनात्मक रूप से तीसरे रास्ते की खोज (जो पूंजीवादी व्यवस्था और 20वीं सदी के समाजवादी प्रयोगों दोनों से अलग थी) से 20वीं सदी के समाजवाद की ओर बढ़ी. यह वह दौर भी था, जब बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया में वेनेजुएला में वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों की एकता शामिल थी, जिसे कोलेक्टिवो पर आधारित क्रांतिकारी संगठन द्वारा बल दिया गया था. मेट्रोपॉलिटन कैपिटल के (अमेरिकी साम्राज्यवादी आधिपत्य के तहत काम करने वाली) वेनेजुएला के खिलाफ छेड़े गए आर्थिक युद्ध के कारण प्रति व्यक्ति आय (और प्रवासन) में तेज गिरावट आई, जिसे धीरे-धीरे उलट दिया जा रहा है. बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया (जिसके भीतर यह अंतर्निहित है) के साथ कल्याणकारी व्यवस्था के अस्तित्व ने एकतरफा प्रतिबंधों से प्रेरित आर्थिक संकट की गंभीरता को कामकाजी लोगों की भलाई में आनुपातिक गिरावट में प्रसारित होने से रोका है. अमेरिकी साम्राज्यवाद के सीधे इशारे पर काम करने वाली मेट्रोपॉलिटन कैपिटल ने एकतरफा प्रतिबंध लगाए, और अन्य बातों के अलावा, तेल उद्योग से संबंधित मशीनरी और अन्य इनपुट के विदेशी आपूर्तिकर्ताओं को तेल उत्पादन क्षमता की मरम्मत और उन्नयन से रोका. चीन में सेमीकंडक्टर उत्पादन के संबंध में कुछ ऐसा ही प्रयास किया जा रहा है, लेकिन उसमें कम सफलता मिली है, क्योंकि चीन न केवल सेमीकंडक्टर की विश्व मांग का सबसे बड़ा स्रोत है, बल्कि यह दुनिया में हर महत्वपूर्ण नवाचार की आधारभूत अर्थव्यवस्था भी है. 2022 से रूस के संबंध में भी कुछ ऐसा ही प्रयास किया जा रहा है, लेकिन रूस विश्व तेल बाजार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसलिए महानगरीय पूंजी के लिए रूसी तेल निर्यात में कमी करना महानगरीय पूंजी का उद्देश्य नहीं है. इसके बजाय, रूसी तेल निर्यात पर तेल मूल्य सीमा लागू करने का महानगरीय पूंजी का प्रयास पूरी तरह विफल रहा है. विडंबना यह है कि तेल की कीमतों के कारण रूसी तेल निर्यात आय को कम करने में असमर्थता ने मेट्रोपॉलिटन कैपिटल को वेनेजुएला के तेल निर्यात पर अत्यधिक दबाव नहीं डालने के लिए मजबूर किया है. ऐसा इसलिए है क्योंकि वेनेजुएला के तेल निर्यात पर इस तरह के अत्यधिक दबाव से विश्व तेल की कीमतें बढ़ेंगी और इसलिए रूसी तेल निर्यात से आय बढ़ेगी. मेट्रोपॉलिटन कैपिटल को ये झटके समकालीन अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था में शक्तियों के बदले हुए रणनीतिक सहसंबंध को दर्शाते हैं. यह भी खेदजनक है कि बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया वेनेजुएला की वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों की एकता को अपेक्षित सीमा तक बनाए रखने में असमर्थ रही है. हालांकि यह काफी मेहनत और समय लेने वाली प्रक्रिया है, लेकिन वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों के विभिन्न घटकों के बीच निरंतर बहस, चर्चा और सत्ता के बंटवारे की यह प्रक्रिया बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया को और अधिक टिकाऊ बनाएगी. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> संघर्ष के इस अनुभव के दौरान, बोलिवेरियन क्रांति राजनीतिक-संगठनात्मक रूप से तीसरे रास्ते की खोज (जो पूंजीवादी व्यवस्था और 20वीं सदी के समाजवादी प्रयोगों दोनों से अलग थी) से 20वीं सदी के समाजवाद की ओर बढ़ी. यह वह दौर भी था, जब बोलिवेरियन क्रांति की प्रक्रिया में वेनेजुएला में वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों की एकता शामिल थी.

मीडिया में अन्यत्र

उम्मीद से नाउम्मीदी तक: शेख हसीना के बाद बांग्लादेश

भीड़ द्वारा आगजनी और तोड़फोड़ से कुछ ही क्षण पहले ढाका से अपने नाटकीय पलायन के साथ, बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पास ठहर कर यह सोचने का समय होगा कि वह क्या था, जिसके चलते यह अल्प-प्रत्याशित घटना हुई. एक समय लोकतंत्र के लिए लड़ाइयों में बांग्लादेश के युवाओं की उम्मीद और बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था में जान फूंकने वाली प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना को आखिरकार छात्रों के सबसे बड़े दुश्मन के रूप में देखा गया और बीते दो महीनों में हुए प्रदर्शनों में 300 से ज्यादा मौतों के लिए जिम्मेदार ठहराया गया. वर्ष 2009 में आतंकवादी शिविरों पर अपनी कड़ी कार्रवाई, अपराधियों को भारत को सौंपने और कट्टरवाद के खिलाफ अपने अभियान के लिए वह सराही गयीं, लेकिन जोर-जबर की इसी तरकीब का इस्तेमाल अपने विरोधियों पर करने के लिए हाल में उनकी लानत-मलामत ही ज्यादा हुई. आरक्षण को लेकर जुलाई में शुरू हुआ छात्रों का विरोध अंतिम कील रही हो सकती है, लेकिन चुनाव में धांधली और मीडिया को दबाने के आरोपों और नेताओं, पत्रकारों व एक्टिविस्टों को फर्जी आरोपों में जेल भेजने को लेकर गुस्सा पिछले दशक से ही पनप रहा था. जनवरी में चौथे कार्यकाल के लिए चुनाव जीतने के बाद भी शेख हसीना उसी राह पर चलती रहीं. जिस नोबेल विजेता और ग्रामीण बैंक के संस्थापक मोहम्मद यूनुस के खिलाफ मुकदमे कायम किये गये और जेल भेजा गया, अब उनके अंतरिम सरकार का प्रमुख बनने का अनुमान है. शेख हसीना की कार्रवाइयों और असहमति को कोई भी स्थान देने से उनके इनकार ने उस विरासत को धूमिल कर दी है, जो उन्हें सबसे प्रिय है. यह विरासत उनके पिता, बांग्लादेश के बहुत-अजीज संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की है, जिनकी मूर्तियां अब मलबे के बीच खड़ी हैं. इसमें कोई शक नहीं कि भीड़ की इस चरम हिंसा व प्रदर्शनों को राजनीतिक समर्थन था और शायद पाकिस्तान एवं अमेरिका के तत्वों का प्रोत्साहन था. इन दोनों देशों के अवामी लीग सरकार के साथ तनावपूर्ण रिश्ते थे. ज्यादा चिंताजनक बात इस्लामी समूहों की बड़ी भागीदारी है जिससे वह धार्मिक सहिष्णुता और धर्मनिरपेक्षता प्रभावित हो सकती है, जिसे शेख हसीना ने अपने 15 साल के कार्यकाल में लाने की कोशिश की थी. भारत के लिए, इनमें से हरेक नतीजा आत्ममंथन का कारण बनना चाहिए. नयी दिल्ली शेख हसीना को खामियाजे की सलाह दे पाने में विफल रहकर, बांग्लादेशी विपक्षी सदस्यों के खिलाफ उनकी कार्रवाइयों में सहभागी भर नहीं थी. वह विपक्षियों के साथ संवाद बना पाने में भी नाकाम रही और ढाका की सड़कों पर अपनी साख गंवा दी. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

ठिकाना/ठीक

मुसाफिर हूं यारो, न घर है ठिकाना, मुझे चलते जाना है, बस चलते जाना. यह सन् 1972 में आयी फिल्म परिचय के एक गाने का मुखड़ा है, जिसे किशोर कुमार ने अपने जबर्दस्त अंदाज में गाया है. इस गीत में कवि एवं गीतकार गुलजार ने उस मस्त मुसाफिर की मनोवृत्ति का चित्रण किया है, जिसका कहीं कोइई ठिकाना नहीं है. ठिकाना हिंदी भाषा का संज्ञा पुल्लिंग और बहु प्रचलित शब्द है. शब्दकोशों के अनुसार ठिकाना का मतलब है रहने या ठहरने की जगह्र वासस्थान, आश्रय या निर्वाह का स्थान, गुजर करने की जगह, स्थरता, ठहराव, आयोजन, प्रबंध, बंदोबस्त, उपाय, अस्तित्व की दृढ़ता, भरोसा, जागीर, सीमा, हद, अंत, किसी कथन की प्रामाणिकता. सकर्मक क्रिया के रूप में ठिकाना का मतलब है ठहरने या टिकने में प्रवृत्त करना, गुप्त रूप से छिपाकर ले लेना, अपने पास ठहरा लेना, किसी स्त्री को उपपत्नी बनाकर रख लेना. वह इतना झूठ बोलता है, जिसका ठिकाना नहीं. उसकी दौलत का कहीं ठिकाना है. इन दोनों वाक्यों में प्रयोग में आये ठिकाना शब्द का आशय पारावार, हद और अंत के रूप में ही समझा जाता है. इस शब्द से बहुत सारे मुहावरे बने हैं, जो प्रचलन में भी हैं. उदाहरण के लिए किसी के होश ठिकाने नहीं रहते तो किसी की बुद्धि ठिकाने पर नहीं रहती. किसी को खाने का ठिकाना नहीं है. कोई ठिकाना ढूंढता है तो कोई किसी को ठिकाना लगाने के लिए घात लगा कर बैठा है. अगर ऐसा है तो ठीक नहीं है. ठीक मूलतः विशेषण शब्द है, जो कई रूपों में विचरण करता है और गलत को भी ठीक कर देता है. इसका मतलब है उपयुक्त, सही, उचित, मुनासिब, प्रामाणिक, भला, अच्छा, मनोनुकूल, यथार्थ, अभ्रांत, बंधा हुआ, नियत, न कम-न ज्यादा, जो दुरुस्त हो, जिसमें शुद्धता हो. संज्ञा पुल्लिंग के रूप में ठीक का मतलब है निश्चय, प्रबंध, बंदोबस्त, आयोजन, व्यवस्था, योग, जोड़. क्रिया विशेषण के रूप में ठीक का मतलब नियत समय पर, उचित रीति से, प्रमाणिक ढंग से, हूबहू, ठहराव.

धीरे धीरे लोग होते चले गये अमूंछवादी

तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

कुछ भी हुआ हो, धीरे-धीरे लोग अमोक्षवादी के साथ-साथ अमूंछवादी भी हो गये, लेकिन आरम्भ में बड़े-बूढ़ों के लिए यह असहनीय था. बाद में वो भी इसके आदी हो गये. बहुत से लोग जो जवानी में कभी पानी लगा-लगाकर मूंछे एंठते थे, वे भी बुढ़ापे में छिला बैठे. एक बाबाजी अस्सी की उम्र में पहली बार मूंछ छिलाकर निकले. किसी ने पूछा -अरे आप भी छिला दिए. बोले, सुना है मूंछों का भी साइड इफेक्ट होता है. छीलने के बाद पता चला कि मूंछों के रहने से बुढ़ापा भी जल्दी आ जाता है. आज की पीढ़ी सच में बहुत चालाक है. हम पहले जो भी खाते-पीते थे, आधा पेट में जाता था और आधा मूंछों में ही टंगा रहता था. भूंखे रहने से लाख गुना बेहतर है कि मूंछों का ही कत्ल कर दिया जाय. खैर पहले जमाने में मूँछों का छिलाना बाप की मौत के बाद ही होता था. लेकिन आज लडकों को बाप की ज्यादा जरूरत नहीं रह गयी है. अगर बाप के पास कुछ दाम है तो उसका काम है. लेकिन बाप से कोई विशेष काम नहीं रहता. कोई भी वाद हो या वादी उसे लोग आसानी से कबूल नहीं करते. शुरू में अमूंछवादियों को भी काफी कुछ सहना पड़ा. जब शर्मा जी का लड़का पहली बार मूंछ छिलाकर आया. तो वे लड़ाई-झगड़े पर भी उतारू हो गये. वे पहले से ही मानते थे कि उनका लड़का नालायक है. शर्मा जी के अनुसार उस दिन उसने इसी का एक बड़ा सबूत पेश कर दिया था. शर्मा जी बोले कि गीध के मनाने से जानवर नहीं मरते. तुम क्या समझते हो कि तुम्हारे ऐसा करने से मैं जल्दी मर जाऊंगा? ऐसा हरगिज नहीं होगा. उन्हें इस बात की शंका थी कि लड़का उनके जल्दी मरने के लिए ऐसा कर रहा है. लड़का बोला कि आप तो लकीर के फकीर ही रहेंगे. आपको पता नहीं है कि आज नेता से अभिनेता तक, लेखक से लेखपाल तक, ज्ञानी, विज्ञानी से लेकर अज्ञानी तक, डॉक्टर से लेकर मास्टर तक , गरीब-अमीर, मूर्ख-विद्वान और संत-महंत तक सभी बिना मूंछ के हो गये हैं. तो अगर मैंने भी छिलवा दिया तो कौन सा पाप कर डाला? आगे बोला कि इसका बहुत बड़ा साइड इफेक्ट होता है. युवाओं को तो इससे बहुत बड़ा खतरा है. यह साबित भी हो चुका है. तितलियां कभी भी काटों व झाड़-झंखाड़ की ओर भूल कर भी नहीं देखतीं. एक दिन उसे समझाने की गरज से बोले कि क्या मैं तुम्हारा बाप नहीं हूं? लड़का आधुनिक ज्ञानी था. शंका युग भी चल ही रहा है. वह बोला मुझे क्या पता? शर्मा जी दो दिन तक न बोले, न खाना खाए. बाद में वह रोज दिन में दो बार यानी सुबह और शाम, उन्हीं के सामने छीलने लगा. मूंछें गयीं और कुछ पुरुष लम्बी-लम्बी चोटी भी रखने लगे. जब ये रंगीन कपड़े पहनकर निकल पड़ते हैं, तो पीछे चोटी ऊपर से बिना मूंछ देख कुछ मनचले सीटी बजा बैठते हैं. पता चलने पर गाली देते हैं और पछताते हैं. खैर जो शुरुआत में रात-विरात होता था. वही आज दिन में होने लगा . धीरे-धीरे ही सही, लेकिन लोग अंततः हिम्मत जुटा ही लिए. बूढ़े छीलकर दर्पण देखते हैं, तो पूरा-पूरा जवान भले ही न दिखें. लेकिन आत्मसंतुष्टि तो मिलती ही है.

बरसात का बादल तो दीवाना है क्या जाने!

लंबे इंतजार के बाद बारिश आई तो तथाकथित सभ्रांत लोग सोशल मीडिया पर बारिश का रोना शुरू कर दिए कि ओह! कब बंद होगी बारिश! अरे लंबे इंतजार के बाद बरसात हो रही, बरसने दीजिए. मौसम का आनंद लीजिए. तर होने दीजिए माटी के संग तन-मन को. अंकुरन और सृजन की प्रक्रिया यहीं से शुरू होगी, माटी में भी और मन में भी. हमने बात की कुछ बारिश के दीवानों से जो भले उम्र में चालीस-पचास दशक में हैं पर मन वहीं अटका है कागज की कश्ती, घोघो रानी और छई छपाक में. उमड़ते-घुमड़ते बादलों और बारिश की बूंदों को वे उसी शिद्दत से आज भी जीते हैं-

चकाचकैया, बाग के मकइया और घोघो रानी के वे दिन

रमा खलखो

तब हमारे प्रभात तारा स्कूल से एचईसी जहां हमारा क्वाटर था, के लिए पांच बसें जाती थीं, पर बारिश के दिनों में जान कर छुट्टी के बाद बस को हम मिस कर देते थे. इसके बाद स्कूल झोला को पिट्ठू बनाकर पीठ पर लाद कर और छाते में जूते टिका कर खुले पांव में छप-छपाक करते एचईसी के बच्चों के संग चकाचकैया, बाग के मकइया. गाते हुए घोघो रानी को माचिस के खाली डिब्बे में सहजते घर आना. घोघो रानी जानते हैं ना आप? अरे वही लाल रंग का नन्हा सा मखमली कीड़ा जिसे अपने पास रखना और क्लास में बच्चों के सामने झोले से निकाल कर दिखाना क्या अमीरी हुआ करती थी हमारी.

बारिश के साथ याद आता है बरसाती अमरुद को चुरा कर खाना. जी हां, बरसाती अमरूद जिसे खाते हुए आप आज नाक-भौं सिकोड़ते होंगे कि अरे उसमें कीड़े हो सकते हैं. पर हम इसे काट कर नमक-मिर्च मिला कर दोस्तों के साथ जब खाते तो तब यकीनन मजा उससे अधिक होता था जो आज बच्चे साथ पिज्जा-बर्गर की पार्टी करते हुए पाते होंगे. अमरुद के पेड़ तो तब एचईसी क्वाटर में हमारे घर के पिछवारे में भी थे, पर अपने पेड़ का अमरूद खाने में भला क्या मजा. बारिश के मौसम में कर्कट की भीगी छत पर नंगे पांव चढ़ना जब पल-पल पर फिसलने का डर बना होता था, पर हम तो थे ही खतरों के खिलाड़ी, जिनका पेड़ होता था उस परिवार के सदस्यों से छिपा कर उनके ही घर में घुस कर चोरी छिपे अमरूद तोड़ते, गमझे, झोले में जमा करते और फिर मजे से खाते.

मां-पिताजी जब खेतों में रोपनी के लिए जाते थे तो हम भी डिब्बा लेकर साथ जाते और रोपनी करते, डिब्बे में केकड़ा जमा करते. कभी खुखड़ी, रुगड़ा चुनते आह वे भी क्या दिन थे. पर कहते हैं ना कि बचपन की शरारत और भोजन, दोनों बुढ़ापे तक असर दिखाती है, सो आज भी बारिश के साथ मन मचलता है. कंक्रीट के जंगल में रहते हुए भी छई-छपाक की मस्ती के मौके निकाल ही लेती हूं. बारिश आती है तो उम्र के 52वें-53वें साल में भी वही अल्हड़ मस्ती के भाव बादलों के संग मन-आंगन में छा जाते हैं.

वो कागज की कश्ती, वो सोंधी सी यादें

रश्मि शर्मा

कोई मुझसे पूछे कि क्यों होता है बारिश का इंतजार तो मैं एक नहीं, सैकड़ों कारण गिनवा सकती हूं. अव्वल तो मुझे बारिश की बूंदों को देखना, बारिश की आवाज सुनना और उसमें भीगना... तीनों ही बहुत पसंद है. बारिश मेरा पसंदीदा मौसम है.

बचपन में भीगने पर डांट पड़ती थी तो स्कूल जाते समय छाता जरूर लगाती, मगर क्या मजाल कि घर लौटने समय कभी छतरी खोल लूं. कैसे भींगी-इस सवाल के रोज नए जवाब तैयार होते थे. भीगने का आनंद वही समझ सकता है, जो बारिश की बूंदों का लुत्फ उठाना जानता हो.

और पीछे जाऊं तो वो दौर देखा है मैंने जब भरपूर बारिश होती थी. बरसात का तेवर ऐसा कि दोपहर तक धूप निकलती और शाम होने से पहले बारिश. यह रोज का ही नियम था. बचपन में कागज की नाव बनाकर पानी की धार में छोड़ना, उसके पीछे भीगते हुए दूर तक भागना याद आता है.

जब बारिश थम जाती तो हम बच्चे पूरे मैदान का मुआयना करते और मखमली घोघो रानी पकड़कर माचिस की डिबिया में रखते. शाम को बरामदे में दादी के साथ मिलकर बोरसी में आग सुलगाते. दादा जी काम से लौटते तो पहले हाथ तापते क्योंकि उन दिनों बरसात में तापमान भी बहुत कम हो जाता था.

बिजली की चमक और गर्जन की तेज आवाज से डरकर हम दादा जी के पास दुबक जाते. बोरसी की आग में दादी मकई पकाती और उसकी सोंधी खुशबू और नींबू, नमक,मिर्च के साथ स्वाद लेते हुए खाते और दादा जी के किस्से सुनते रहते. कई लोगों के लिए बारिश परेशानी का कारण होता है, मगर मुझे बचपन से ही इसमें आनंद आता है. काले मेघ जब आसमान को घेरते हैं तो एक मयूर की तरह मेरा मन भी नाच उठता है. बूंदों का पत्तियों पर ठहरना, कांपना और गिरना...मैं मंत्रमुग्ध होकर देखती हूं. बारिश के मौसम में पेड़-पौधे एकदम चटख हरे रंग के दिखने लगते हैं तो अपना झारखंड और खूबसूरत लगने लगता है. देर रात जब बारिश होती रहे तो चुपचाप उसकी आवाज सुनना आपको एक अलग दुनिया में ले जाता है. जब पहाड़ बादल की बाहों में होते हैं, तब देखिए वो दृश्य...क्या मजाल कि आपकी पलकें झपक जाए. फुहारों में भीगकर खराब से खराब मूड भी अच्छा हो जाता है, शर्त यही है कि सब भूलकर केवल बारिश का मजा लें.

आकाश में बादल देख कर झूमता मन मयूर

वीना श्रीवास्तव

सावन हमेशा ही मेरा मनभावन रहा है. बचपन से ही बारिश में भीगना, कूदना, छपाक करना प्रिय शगल रहे हैं. सावन है तो बदरा छाएंगे, बदरा हैं तो पपीहे की पिहू और मोर याद आना स्वाभाविक है. पपीहे की इसलिए कि उसे बरसात में स्वाति नक्षत्र का पानी ही भाता है. कहते हैं ऐसा. मोर बादलों को देखकर नाचता है. बस, कुछ ऐसा ही मेरा मन भी है, आकाश बादलों से घिरा और मन मयूर नाचा. अक्सर हम बारिश में लॉन्ग ड्राइव पर जाते हैं. बारिश में हम ही नहीं बल्कि यह प्रकृति भी धुली-धुली-सी इठलाती नजर आती है.

मेरी ठुड्डी के नीचे एक गहरा निशान है जो बचपन में बारिश में छपाक करने, कूदने, नहाने का प्रमाण है. बारिश में कूद-कूदकर भीगती और पक्की फर्श पर स्लिप हो जाती थी. फिर अस्पताल में टांके लगते. वो दर्द काफी समय रहता लेकिन अगली बारिश तक उड़नछू हो चुका होता. चार बार टांके लगे.

बारिशों में कॉलेज जाते समय मम्मी छाता देती और मैं बहाने से छोड़ देती यानी भूल जाती थी. बारिश में हम भीगते हुए रिक्शे से नहीं, पैदल घर आते थे. मम्मी को बाद में पता चला कि यह छाता जानबूझ कर भूलती है. एक बार मैं छाता छोड़के कॉलेज चली गई. एक सहेली जो पास में ही रहती थी, उसको उसके पापा छोड़ने वाले थे. मम्मी उसे छाता देने गईं तो वो बोली जब वो भूल गई तो मैं क्यों लेकर जाऊं? मम्मी ने कहा कि वह भीग जाएगी तो बोली भीग जाएगी तो क्या हुआ, हमें अच्छा लगता है और वो मुझ पर गुस्सा होगी क्यों छाता लेकर आई. इस तरह हमारी पोल खुल गई.

इंदौर का बड़ा प्यारा वाकया है. हम कालिंदी कुंज में शिफ्ट ही हुए थे. बारिश हो रही थी. आदत के मुताबिक मैं और राजेंद्र छत पर चले गए भीगने. कुछ देर बाद नजर पड़ी, तीन-चार घर छोड़कर सामने एक बेटी मोबाइल से हमारे फोटो खींच रही थी. हमें देखा तो तुरंत चली गई. अजीब भी लगा. हम नीचे आए. फिर चेंज करके उसके घर गए. हमने दरवाजा खटखटाया तो उसकी मां निकली बोली बेटी से गलती हो गई. उसको फोटो नहीं खींचने चाहिए थे. उसी ने बताया कि वही आंटी-अंकल आए हैं. वो डरी हुई थी. आके बोली 'सॉरी, आंटी हम आगे से फोटो नहीं खींचेंगे. हमें फोटो नहीं खींचने चाहिए थे'. उसकी मां ने कहा बेटी से गलती हो गई है. किसी की प्राइवेसी में दखल नहीं देना चाहिए. आगे से ऐसा नहीं होगा. हम दोनों मुस्करा रहे थे. हमने कहा माफ तभी करेंगे जब हमें फोटो दोगी. हम भी तो देखें फोटो कैसी आई हैं. कैसी फोटोग्रोफी है तुम्हारी? वो खुश हो गयी, बोली घर आके आपके कम्प्यूटर में ट्रांसफर कर दूंगी. उसके बाद से उनसे बहुत अच्छी दोस्ती हो गई.

एहो धानी रोपनियां तोहरा से ना होहिएऽऽ

बिंदु प्रसाद रिद्धिमा

मेरी यादों के जेहन में तो सावन मतलब थोड़ी ही सही, पर कीचड़ भरे खेतों में धान रोपने से है. मुझे आज भी याद है 35 साल पुरानी वह बातें, जब विमेंस कॉलेज जाने के दौरान, मैं और मेरी सहेलियां रिक्शे से उतरकर कीचड़ भरे खेतों में जा पहुंचती थीं जहां औरतें धान रोप रही होती थीं. हम सहेलियों को देख खेत पर आने से हमें मना भी करती थी कि आप लोगों से रोपा नहीं होगा. पर हमारी भी जिद्द थी, हम लोग अपने कपड़े को थोड़ा ऊपर बांध कीचड़ भरे खेतों में उतर पड़ते थे. कभी-कभी तो पैरों में केंचुए का रेंगना महसूस होता था, पर हम सखियां हो-हल्ला कर कुछ न कुछ रोपा कर ही लेती थीं. जहां लोकल ग्रामीण औरतें लोकगीत में हमारे लिए गातीं थीं कि...एहो धानी रोपनियां तोहरा से ना होहिएऽऽ/तू सब हउए इंग्लिश मीडियम जनी/ रोपनीय तोहरा से ना होहिए... खेत के बगल में ही एक छोटा सा कुंआ था. वहां से बाल्टी से पानी खींचकर हाथ पैर धोकर फिर अपने एम एस सी क्लासेस के लिए निकल पड़ते थे. तब कॉलेज जाने के रास्ते में खेत दिखा करते थे, अब जैसे फ्लैट्स नहीं थे.

क्या मस्ती भरे दिन थे वे? बहुत याद आते हैं, वो सावन में सहेलियों के साथ धान रोपने के दिन, अब भी सावन में, मैं अपने घर के ठीक बगल में हमारी एक छोटी सी खेत पर, मैं हर साल ज़रूर खेत की पूजा करती हूं और धान लगाने जाती हूं. इसलिए सावन का मुझे हमेशा इंतजार रहता है और ताउम्र रहेगा.

जब पानी बहा ले गया मेरी चप्पल

डॉ राजश्री जयंती

सावन की फुहारें जहां बरसात के भीगे-भीगे समां के कारण मन और भावनाओं को नशीला बना देता है वहीं इन दिनों धर्म का पवित्र वातावरण पूजा-पाठ के लिए प्रेरित करता है. दो प्रवृत्तियां लेकिन मौसम एक. एक ओर सावन भोलेनाथ को प्रसन्न करने का महीना है तो दूसरी ओर मौसम की ठंडक दो दिलों में प्यार घोलने का काम करती है. एक ओर भाई-बहन का स्नेह आलोड़ित होता है रक्षाबंधन के रूप में तो दूसरी ओर देशभक्ति का रस बरसता है 15 अगस्त के रूप में.

मेरे बचपन की यादों में सावन का एक विशेष स्थान है. बारिश में छपछप करते हुए स्कूल से घर वापस आना, कागज़ की नाव बना कर उके पीछे पीछे चलते जाना, ओले पड़ने पर छत पर जा कर उनको बटोरना फ़िर उसे खा लेना. सबसे ज़्यादा आनंद आता था बारिश में नहाने में. जैसे जैसे बड़े होते गए ये सब छूटता गया. बचपन की बारिश और उसका आनंद सब हवा हो गए. हां एक घटना याद आ रही है. जुलाई महीने में मैं और मेरी सखियां, सखा सब घर की ओर जा रहे थे. रास्ते में झमाझम बारिश. सब ख़ूब भीगे. बहते पानी में मैं छपाछप कर रही थी. मेरी एक चप्पल बह गई. उससे पकड़ने के चक्कर में सब दूर तक भागे लेकिन चप्पल नहीं मिली. घर में डांट मिलने का डर अलग सता रहा था. खैर घर पहुंची ख़ूब डांट सुनी.

आज भी जब कभी फुर्सत होती है छत पर भीगने जाती हूं. मन मयूर नाचने लगता है. मजा.आता है. रेनी डे आउट भी करती हूं. लेकिन अब कभी कभी लगता है. बारिश और मेरे बचपने के बीच उम्र का फासला आकर खड़ा हो गया. लगता है मेरे बचपन और बारिश के बीच बहुत कुछ आ गया. धर्म की पवित्रता और रिश्तों की सुंदरता के साथ सावन को आने दो, झूम कर आने दो.

बारिश में प्रेयसी का हाथ थाम कर भीगना

दिलीप ठाकुर 'अमर'

बचपन में स्कूल से लौटते वक्त जब बारिश शुरू होती, हम बिना छाते के भीगते घर लौटते. हम बरसाती नालों में छोटी-छोटी कागज़ की नावें बनाकर छोड़ते और देखते कि किसकी नाव सबसे दूर तक जाएगी. घर आकर मां के हाथों के बने गरम पकौड़े और चाय का स्वाद आज भी याद है. उस समय की बेफिक्री, वह मासूमियत और वह खुशी - शायद ही कभी वापस आ पाए.

फिर आया कॉलेज का दौर. मेरी प्रेयसी सफेद कुर्ते में, भीगे बालों को संवारती किसी परी से कम नहीं लगती थी. जैसे ही मुझे देखती, उसकी आंखों में एक चमक आ जाती और चेहरे पर मुस्कान और लज्जा की रौशनी फैल जाती. हमने बिना एक-दूसरे से कुछ कहे, बारिश में हाथ थामे घूमते. हम बिना किसी छाते के भीगते रहते, मानो यह पल कभी खत्म न हो. एक-दूसरे के साथ बिताए गए वो पल कितने खास थे, यह कहना मुश्किल है. अब वह इस जहां में नहीं. उस जहां से बारिश की कुछ ठंडी फुहारें मानो भेजती हो, खासकर सावन में. रूह भीगती है अब तो.

जीवन के पांच दशकों के इस सफर में, बहुत कुछ बदला है, लेकिन कुछ चीजें वहीं की वहीं रही हैं. उनमें से एक है बारिश के पहले दिन का आनंद लेना और हारमोनियम पर राग मियां मल्हार का तराना छेड़ना. आज भी, जैसे ही बारिश शुरू होती है, मैं अपने बरामदे में जाता हूं और खुलकर भीगता हूं. शाम होते होते बारिश की झर-झर की आवाज और भी मधुर हो जाती है. ऐसे में मैं हारमोनियम के साथ राग मियां मल्हार का तराना छेड़ देता हूं.

राग मियां मल्हार, जिसे मानसून का राग भी कहा जाता है, बारिश के मौसम का सबसे उपयुक्त राग है. जब मैं इस राग को गाता हूँ, तो हारमोनियम की तान और बारिश की रिमझिम, दोनों मिलकर एक ऐसा माहौल बनाते हैं जो दिल को सुकून और खुशी से भर देते हैँ और दिल गा उठता है.

"अजहूं ना आये बालमा, सावन बीता जाय..."

एक शेर याद आता है

"बारिश हो नगमात की मुझपर, जब इसकी आवाज़ सुनूं
जी करता है इस बारिश में जनम -जनम तक भीगूं मैं." '

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

मनु भारत में करोड़ों युवाओं को प्रेरित करेंगी : मंत्री

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा के साथ मनु भाकर. खेल मंत्री मांडविया ने मनु भाकर को 30 लाख का पुरस्कार प्रदान किया.

भाषा। नयी दिल्ली

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर की दो कांस्य पदक जीतने की उपलब्धि युवाओं की एक पूरी पीढ़ी को इस खेल को अपनाने और गौरव हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी. 22 वर्षीय मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनीं. उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता और फिर सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक हासिल किया. मनु ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज भी बनीं. मांडविया ने एक्स पर लिखा, पेरिस ओलंपिक 2024 में दो कांस्य पदक जीत कर स्वदेश लौटीं देश की बेटी मनु भाकर से मिलकर उन्हें इस ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं. उन्होंने लिखा, मनु भाकर की यह सफलता भारतीय खेल जगत के करोड़ों युवाओं को प्रेरित करेगी. पूरे देश को उन पर गर्व है. खेल मंत्री ने मनु, उनके पिता राम किशन और निजी कोच जसपाल राणा के साथ बातचीत की तस्वीरें भी साझा कीं. मनु ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बाद बुधवार को भारत लौटीं जहां उनका जोरदार स्वागत हुआ.

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कुसाले का स्वागत

भाषा। पुणे

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले गुरुवार को महाराष्ट्र के पुणे शहर पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया. कुसाले ने पिछले हफ्ते 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में पहला ओलंपिक कांस्य पदक जीता था. सुबह पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पारंपरिक ढोल-ताशा की थाप के बीच लोगों ने कुसाले का स्वागत किया. पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर के कुसाले ने इसके बाद शहर के बीचों-बीच स्थित प्रसिद्ध श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर में पूजा-अर्चना की. शहर के बालेवाड़ी स्थित श्री शिव छत्रपति खेल परिसर में शूटिंग रेंज में उन्हें सम्मानित किया जाएगा. कुसाले के कांस्य पदक जीतने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें एक करोड़ रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की. मध्य रेलवे ने भी कुसाले को पदोन्नत कर विशेष कार्य अधिकारी नियुक्त किया है. वह 2015 में मध्य रेलवे के पुणे डिवीजन में 'कमर्शियल कम टिकट क्लर्क' के पद पर शामिल हुए थे.

कुसाले ने इससे पहले 2023 में चीन में एशियाई खेलों में, 2022 में बाकू में हुए विश्व कप और 2021 में नयी दिल्ली में स्वर्ण पदक जीते थे.

प्रसिद्ध गणेश मंदिर में दर्शन किए

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. अमेरिका	27	35	33	95
2. चीन	26	24	17	67
3. ऑस्ट्रेलिया	18	13	11	42
4. फ्रांस	13	17	21	51
5. ब्रिटेन	12	17	20	49
6. द. कोरिया	12	08	7	27
7. जापान	12	7	13	32
8. इटली	10	11	9	30
9. नीदरलैंड	10	5	6	21
10. जर्मनी	8	5	5	18
69. भारत	0	0	4	4

धीमी-टर्निंग पिचों के लिए अलग खिलाड़ियों का चयन हो सकता है : रोहित

कोलंबो । भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि भारत जस की तस रणनीति अपनाकर भविष्य में धीमी और टर्निंग पिचों के लिए अलग खिलाड़ियों का चयन कर सकता है. श्रीलंका ने परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाकर तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को 110 रन से हराकर श्रृंखला जीती. यह पिछले 27 वर्षों में पहला अवसर है जबकि वह वनडे श्रृंखला में भारत को हराने में सफल रहा.

अंतिम पर लग सकता है तीन साल का प्रतिबंध: सूत्र

पेरिस। अपने मान्यता कार्ड से अपनी बहन को खेल गांव में प्रवेश दिलाने की कोशिश करके भारतीय ओलंपिक दल को शर्मसार करने वाली पहलवान अंतिम पंघाल को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा तीन साल के लिए प्रतिबंधित किए जाने की संभावना है. एक सूत्र ने गुरुवार को पीटीआई को यह जानकारी दी. अंतिम बुधवार को महिलाओं की कुश्ती के 53 किग्रा भार वर्ग में अपना पहला मुकाबला हारने के बाद ओलंपिक से बाहर हो गई थीं. भारतीय दल के एक सूत्र ने बताया, आईओए के अधिकारियों ने इस मुद्दे पर चर्चा की. कोच सहित सभी पर तीन साल का प्रतिबंध लगाने पर विचार किया जा रहा है.

प्रवीण पर भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन का आरोप

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा पर आईसीसी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के तीन आरोप लगाए हैं, जिसमें मैच फिक्सिंग से जुड़ी पेशकश की रिपोर्ट नहीं करना और सबूतों को नष्ट करना शामिल है. इस 25 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर ने कथित तौर पर 2021 में अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ-साथ लंका प्रीमियर लीग के मैच फिक्स करने के लिए की गई पेशकश की रिपोर्ट आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को नहीं की थी.

ओलंपिक हॉकी : 52 साल बाद भारत ने लगातार दो ओलंपिक में पदक जीता, पीएम ने दी बधाई

स्पेन को 2-1 से हरा कर लगातार दूसरी बार भारत ने जीता ओलंपिक का ब्रॉन्ज

भाषा। पेरिस

हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक अपने नाम किया. 52 साल बाद भारतीय टीम ने लगातार दो ओलंपिक में पदक अपने नाम किया है. इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में भी टीम कांसा लाने में सफल रही थी.

भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल किए और भारत को स्पेन के खिलाफ बढ़त दिलाई जो अंत में निर्णायक साबित हुई. भारत ने टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता था और अब लगातार दूसरी बार टीम पोडियम फिनिश करने में सफल रही है. भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था और टीम ने इस दिग्गज खिलाड़ी को शानदार विदाई दी है. भारत की दीवार कहे जाने वाले श्रीजेश टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा हैं. भारत ने इस तरह ओलंपिक में हॉकी स्पर्धा में अपना 13वां पदक जीता.

भारत और स्पेन के बीच पहला क्वार्टर गोल रहित बराबरी पर रहा था. इसके बाद दूसरे क्वार्टर में स्पेन ने गोल कर बढ़त हासिल कर ली थी. हालांकि, दूसरा क्वार्टर खत्म होने से कुछ समय पहले ही हरमनप्रीत सिंह गोल कर भारत को बराबरी दिलाई.

हाफ टाइम तक 1-1 थी टीमें

दोनों टीमों के बीच हॉफ टाइम तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर चल रहा था. इसके बाद तीसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत सिंह ने भारत को बढ़त दिलाई. चौथे क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल करने की काफी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए. हरमनप्रीत ने जहां भारत को बढ़त दिलाई, वहीं श्रीजेश ने गोल पोस्ट पर शानदार बचाव कर स्पेन को बराबरी करने से रोके रखा. 1968 और 1972 के बाद यह पहली बार है जब भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने लगातार दो ओलंपिक में पदक अपने नाम किया है. इस शानदार प्रदर्शन के बाद पीएम मोदी ने हॉकी टीम को बधाई दी और कहा- आपका शानदार प्रदर्शन.

श्रीजेश ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से लिया संन्यास, कहा- मेरा करियर असाधारण रहा

- कंधे पर घुमाया खिलाड़ियों ने

पेरिस । भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने अपना अंतिम मैच खेलने से पहले कहा कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर असाधारण से कम नहीं रहा और उन्होंने उन पर विश्वास करने के लिए देशवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया. केरल का यहां 36 वर्षीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में स्पेन के खिलाफ अपने 18 साल के लंबे करियर का अंतिम मैच खेलेगा. श्रीजेश ने एक्स पर लिखा, अब जबकि मैं आखरी बार पोस्ट के बीच खड़ा होने जा रहा हूं तब मेरा दिल कृतज्ञता और गर्व से फूलकर कुप्पा हो रहा है. सपनों में खोए रहने वाले एक युवा लड़के से भारत के सम्मान की रक्षा करने वाले व्यक्ति तक की यह यात्रा असाधारण से कम नहीं है. आज मैं भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेल रहा हूं. मेरा हर बचाव, प्रत्येक डाइव, दर्शकों का शोर हमेशा मेरे दिल में गूंजते रहेंगे. आभार भारत, मुझ पर विश्वास करने के लिए, मेरे साथ खड़े होने के लिए. यह अंत नहीं है, यह संजोई गई यादों की शुरुआत है. हमेशा के लिए सपनों का संरक्षक. श्रीजेश ने अपने चौथे ओलंपिक खेलों से पहले ही संन्यास की घोषणा कर दी थी. उन्होंने तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाज साथी खिलाड़ियों ने श्रीजेश को कंधे पर उठाकर स्टेडियम में घुमाया.

दूसरे ओलंपिक पदक से चूकीं मीराबाई, चौथे स्थान पर रहीं

- महज एक किलोग्राम के अंतर के कारण से तीसरे स्थान से चूकीं

भाषा। पेरिस

टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू एक समय दूसरा ओलंपिक पदक जीतने के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन अंतिम प्रयास में असफल होने के कारण वह बुधवार को यहां महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग में चौथे स्थान पर रहते हुए पदक से चूक गईं. मीराबाई ने स्नैच में 88 और क्लीन व जर्क में 111 से कुल 199 किग्रा का वजन उठाया. इससे वह महज एक किलोग्राम से पदक से चूक गईं. मीराबाई ने बाद में पत्रकारों से कहा, मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं क्योंकि मुझे चोट से उबरने के बाद तैयारी के लिए बहुत कम समय मिला था. मैं अभ्यास में 85 किग्रा वजन उठा रही थी और मैंने इस प्रतियोगिता में भी ऐसा किया. मैं क्लीन व जर्क में भी अच्छे प्रदर्शन के प्रति आश्वस्त थी. सब कुछ अच्छा चल रहा था और कोच ने जो कुछ कहा, मैंने उसका पालन किया. आज भाग्य मेरे साथ नहीं था, जो मैं पदक नहीं जीत पाई, लेकिन मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया.

अंशु मलिक हारीं, अब रेपेचेज की उम्मीद

पेरिस। भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिक गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के प्रीक्वार्टर फाइनल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पांचवीं वरीय हेलेन लुसी मैरोयूलिस से 2-7 से हार गईं. अपने दूसरे ओलंपिक में हिस्सा ले रहीं अंशु को रेपेचेज में खेलने के लिए मैरोयूलिस के फाइनल तक पहुंचने की उम्मीद करनी होगी. पहले राउंड में अमेरिका की मैरोयूलिस ने शुरू से दबदबा बनाते हुए बढ़त हासिल की. इसमें अंशु काफी 'डिफेंसिव' लग रही थीं. दूसरे राउंड में भी मैरोयूलिस ने यही प्रदर्शन जारी रखते हुए पांच अंक जुटाये जबकि वापसी की कोशिश में जुटीं अंशु केवल दो अंक ही हासिल कर सकीं.

ऐसी घटना की उम्मीद नहीं की थी : हिल्डेब्रांट

भाषा। पेरिस

विनेश फोगाट को अधिक वजन के कारण 50 किग्रा में अयोग्य ठहराए जाने के बाद उस भार वर्ग का स्वर्ण पदक जीतने वाली अमेरिकी महिला पहलवान सारा एन हिल्डेब्रांट ने कहा कि वह खिताबी मुकाबले के दिन सुबह अफरातफरी के लिए तैयार थीं, लेकिन उन्होंने भारतीय खिलाड़ी के इर्द-गिर्द हुई घटना की उम्मीद नहीं की थी. विनेश को अयोग्य ठहराया गया और ओलंपिक फाइनल में क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन लोपेज ने उनकी जगह ली. 29 वर्षीय विनेश ने सेमीफाइनल में लोपेज को हराया था और स्वर्ण के लिए उन्हें हिल्डेब्रांट का सामना करना था, लेकिन बुधवार की सुबह वजन करने की प्रक्रिया के दौरान उनका वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया.

फाइनल में लोपेज को हराकर स्वर्ण पदक जीतने वाली हिल्डेब्रांट ने कहा, मैं अफरातफरी के लिए तैयार थी लेकिन इस तरह की घटना की उम्मीद नहीं की थी. टोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली 30 वर्षीय हिल्डेब्रांट ने कहा कि उन्होंने वजन मापने के समय विनेश को नहीं देखा और कुछ समय के लिए उन्हें लगा कि भारतीय खिलाड़ी मुकाबले से हट गई है. हिल्डेब्रांट ने फाइनल के बाद याद करते हुए कहा, (विनेश) वजन मापने के समय नहीं थी इसलिए मेरे दिमाग में चल रहा था, हे भगवान, यह एक संभावना हो सकती है. फिर, हमें खबर मिली कि उसने वजन नहीं मापा और हमें लगा कि वह मुकाबले से हट गई है.

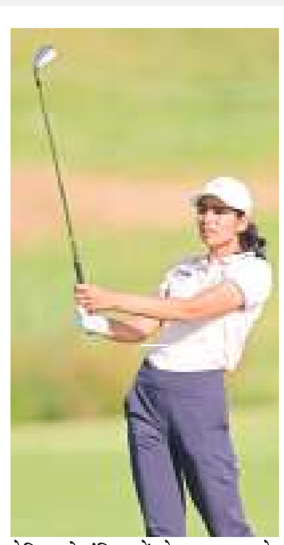

पेरिस ओलंपिक में गोल्फ मुकाबले में भारत की दीक्षा डागर.

ज्योति याराजी महिला 100 मी बाधा दौड़ से बाहर

भाषा। पेरिस

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारत की 100 मीटर बाधा दौड़ खिलाड़ी ज्योति याराजी गुरुवार को यहां रेपेचेज हीट एक में चौथे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गईं और पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर हो गईं. हीट एक में ज्योति ने 13.17 सेकेंड का समय लिया और वह अपनी हीट में सात धावकों के बीच चौथे स्थान पर रहीं. उन्होंने रेपेचेज दौर में हिस्सा लेने वाली 21 धावकों में 16वां स्थान हासिल किया. ज्योति की हीट से दक्षिण अफ्रीका की मारियोन फोरी (12.79 सेकेंड) और नीदरलैंड की मायकी जिन-ए-लिम (12.87 सेकेंड) ने पहले दो स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई. रेपेचेज की प्रत्येक तीन हीट से शीर्ष दो धावकों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया. पहली बार ओलंपिक खेल रही ज्योति इन खेलों की 100 मीटर बाधा दौड़ में भाग लेने वाली पहली भारतीय भी हैं. 24 साल की ज्योति का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.78 सेकेंड का है और अगर वह अपने इस प्रदर्शन को दोहराती तो सेमीफाइनल में जगह बना लेती.

सुर्खियों में विनेश फोगाट के संन्यास लेने पर बजरंग पुनिया ने कहा

आप हारी नहीं, विजेता हो, आपको हराया गया...

भाषा। नयी दिल्ली

पहलवान विनेश फोगाट के पेरिस ओलंपिक में अयोग्य ठहराए जाने के बाद कुश्ती से संन्यास लेने के फैसले पर पूरे खेल समुदाय ने उनका समर्थन किया. इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को बुधवार को महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था. उन्होंने एक्स पर संन्यास की घोषणा की. टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि विनेश हारी नहीं बल्कि उनको हराया गया है. बजरंग ने पोस्ट किया, विनेश आप हारी नहीं (आपको) हराया गया है. हमारे लिए सदैव आप विजेता ही रहोगी. आप भारत की बेटी के साथ साथ भारत का अभिमान भी हो. रियो 2016 में कांस्य पदक जीत कर ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि विनेश के साथ जो कुछ हुआ वह हमारे देश की हर बेटी की हार है. साक्षी ने कहा, विनेश तुम हारने वाली नहीं हो. यह हमारे देश की हर बेटी की हार है जिसके लिए आपने लड़ाई लड़ी. यह पूरे देश की हार है. देश आपके साथ है. एक एथलीट के तौर पर मैं आपके संघर्ष और जुनून को सलाम करती हूं.

पेरिस में गुरुवार को विनेश से मिलते अभिनव बिंद्रा.

विनेश ने फैसला जल्दबाजी में लिया होगा : महावीर

द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच महावीर फोगाट ने कहा कि उन्होंने यह फैसला जल्दबाजी में लिया होगा और इस पहलवान के करीबी लोग उन्हें 2028 में लॉस एंजिल्स मैं होने वाले ओलंपिक खेलों को लक्ष्य बनाने के लिए प्रेरित करेंगे. महावीर फोगाट ने पीटीआई वीडियो से कहा, यह सच है, लोग हिम्मत हार जाते हैं. जब वह आएंगी तो हम (मैं, बजरंग, गीता) सब बैठेंगे और बात करेंगे. हम फैसला लेंगे और बता देंगे. आवेश में आकर लोग ऐसे फैसले ले लेते हैं लेकिन हम इस पर फैसला करेंगे. हम उसे 2028 ओलंपिक में खेलने के लिए प्रोत्साहित करेंगे. मैं इनाम की घोषणा करने के लिए हरियाणा सरकार को धन्यवाद देता हूं. जब तक मैं सक्रिय हूं, खिलाड़ियों की मदद करता रहूंगा. पूर्व खेल मंत्री और एथेंस ओलंपिक के रजत पदक विजेता निशानेबाज राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस घटना को दुखद और दिल तोड़ने वाला बताया. उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी के जीवन में वर्षों का संघर्ष, उतार-चढ़ाव होता है, फिर कौशल दिखाने और जीतने के लिए वह महत्वपूर्ण दिन आता है.

लक्ष्य निश्चित पदक के हकदार थे: एक्सेलसन

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस खेलों में अपने खिताब की रक्षा करने वाले दो बार के विश्व चैंपियन विक्टर एक्सेलसन ने कहा है कि युवा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ओलंपिक में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए निश्चित रूप से पदक के हकदार थे. 22 साल के लक्ष्य इस साल ओलंपिक में सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी बने लेकिन डेनमार्क के सुपरस्टार एक्सेलसन से अंतिम चार के मुकाबले में हार गए. लक्ष्य को आगे भी निराशा का सामना करना पड़ा क्योंकि वह कांस्य पदक के प्ले ऑफ में मलेशिया के ली जी जिया से हार गए और अंततः चौथे स्थान पर रहे. एक्स पर लक्ष्य के अपने प्रशंसकों से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त करने वाली पोस्ट पर जवाब देते हुए एक्सेलसन ने लिखा, आगे बढ़ते रहो भाई. आप वास्तव में खुद पर गर्व कर सकते हो. काश सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले सभी खिलाड़ी पदक जीते पाते क्योंकि आप निश्चित रूप से इसके हकदार हो.

खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए आप सभी को बधाई. अपने सेमीफाइनल मैच में लक्ष्य को 22-20, 21-14 से हराने के बाद एक्सेलसन ने अगले ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ी को स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदारों में से एक बताया था. एक्सेलसन ने कहा था, लक्ष्य एक शानदार खिलाड़ी है. उसने इस ओलंपिक में दिखाया है कि वह एक बहुत ही मजबूत प्रतिस्पर्धी है और मुझे यकीन है कि अब से चार साल बाद, वह स्वर्ण जीतने के प्रबल दावेदारों में से एक होगा. (वह) एक अद्भुत प्रतिभा और एक शानदार व्यक्ति है और मैं उसे शुभकामनाएं देता हूं.

भारतीय रिजर्व बैंक ने रैपो रेट यथावत रखा, चेक क्लीयरेंस पर आरबीआई का बड़ा फैसला

अब कुछ ही घंटे में बैंक खाते में आ जाएंगे पैसे

एजेंसी। मुंबई

चेक का निपटान (क्लियरिंग) अब कुछ ही घंटों में हो जाएगा. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चेक समशोधन में लगनेवाले समय को कुछ घंटे करने और उससे जुड़े जोखिम कम करने के मकसद से कदम उठाने की घोषणा की है. वर्तमान में चेक जमा करने से लेकर राशि आने तक दो दिन का समय लग जाता है. लेकिन नई व्यवस्था में चेक जमा करने के कुछ ही घंटों में यह क्लियर हो जाएगा. आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करते हुए कहा, चेक समाशोधन को दुरुस्त करने, निपटान जोखिम कम करने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के मकसद से चेक ट्रांजेक्शन सिस्टम (सीटीएस) की वर्तमान प्रक्रिया में बदलाव का प्रस्ताव है. उन्होंने कहा कि इसके तहत मौजूदा सीटीएस व्यवस्था के तहत बैच में प्रसंस्करण की जगह कारोबारी समय में निरंतर आधार पर समाशोधन की व्यवस्था की जाएगी.

नई व्यवस्था में कैसे होगा काम : आरबीआई के अनुसार, नई व्यवस्था में चेक को स्कैन' किया जाएगा, उसे प्रस्तुत किया जाएगा और कुछ घंटों में समाशोधन किया जाएगा. इससे चेक का समाशोधन कुछ घंटे में हो जाएगा, जबकि अभी दो दिन तक का समय (टी प्लस 1) लगता है. दास ने कहा कि इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जल्दी ही जारी किए जाएंगे. इसके अलावा, आरबीआई ने बैंकों की तरफ से अपने ग्राहकों के बारे में क्रेडिट सूचना कंपनियों को दी जानेवाली रिपोर्ट हर पखवाड़े देने का

प्रस्ताव किया है. वर्तमान में महीने में एक बार यह रिपोर्ट दी जाती है.

नौवीं बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं : आरबीआई ने आर्थिक गतिविधियों में जारी तेजी का हवाला देते हुए एवं महंगाई पर कड़ी नजर रखते हुए लगातार नौवीं बार नीतिगत दरों को यथावत रखने का फैसला किया है, जिससे ब्याज दरों में कमी की उम्मीद लगाये आम लोगों को निराशा हाथ लगी है. मई 2022 से 250 आधार अंकों तक लगातार छह बार दर वृद्धि के बाद पिछले वर्ष अप्रैल में दर वृद्धि चक्र को रोक दिया गया था और यह अभी भी इसी स्तर पर है. आरबीआई ने उम्मीद के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार नौवीं बार नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा. आरबीआई ने कहा कि खाने के सामान की ऊंची महंगाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसके अन्य क्षेत्रों पर प्रभाव को रोकने के लिए सतर्क रहने की जरूरत है.

आपके यूपीआई से दूसरे व्यक्ति भी कर सकेंगे पैसे ट्रांसफर : यूपीआई ट्रांजेक्शन को लेकर आरबीआई ने कई अहम ऐलान भी किए हैं. इसके तहत रिजर्व बैंक ने यूपीआई ट्रांजैक्शन की लिमिट बढ़ाई है, तो यूजर्स के लिए एक नए फीचर डेलीगेटेड पेमेंट्स को शुरू करने का ऐलान किया है. इसके तहत एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को अपने बैंक अकाउंट से यूपीआई के जरिए पेमेंट करने के लिए अथॉराइज कर सकेगा. इसमें दूसरे व्यक्ति के लिए यूपीआई से जुड़ा अलग बैंक अकाउंट रखने की जरूरत नहीं होगी. हालांकि, इस प्रक्रिया में प्राइमरी यूजर की मंजूरी जरूरी है. रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि इससे देशभर में डिजिटल भुगतान की पहुंच और उपयोग में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है. इस संबंध में विस्तृत निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगे.

टैक्स पेमेंट लिमिट में इजाफा : इसके साथ ही रिजर्व बैंक ने यूपीआई के जरिए टैक्स पेमेंट की लिमिट बढ़ाने की घोषणा की. वर्तमान में, यूपीआई के लिए टैक्स भुगतान की सीमा एक लाख रुपए है. इसे बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दिया गया है. दास ने कहा-चूंकि डायरेक्ट और इनडायरेक्ट टैक्स भुगतान सामान्य, नियमित और उच्च मूल्य के हैं. आरबीआई के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोगकर्ता आधार 42.4 करोड़ हो गया है. हालांकि, उपयोगकर्ता आधार के और विस्तार की संभावना है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष कोई पुराना मुकदमा या शत्रु परेशानी का कारण बन सकता है. ऋण लेने से बचें. दौड़धूप अधिक रहेगी. बुरी खबर मिल सकती है. वाणी पर नियंत्रण रखें. दुष्ट जन हानि पहुंचा सकते हैं. समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी.

वृषभ दोस्त के चयन में सही निर्णय लें. प्रेम में धोखा मिल सकता है. कार्य की प्रशंसा होगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे. विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा.

मिथुन अपने सगे संबंधियों से मुलाकात होगी. उत्साह-वर्धक सूचना मिलेगी. स्वाभिमान बना रहेगा. नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे. स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें. रुका धन मिलेगा. व्यापार में नए अनुबंध होंगे.

कर्क बड़ा कार्य होने और धन के आगमन से मन प्रसन्न होगा. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. जोखिम न उठाएं. प्रसन्नता रहेगी. धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी. आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है.

सिंह शारीरिक कष्ट संभव है. दूसरों पर अतिविश्वास न करें. वस्तुएं संभालकर रखें. आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी. स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी. व्यापार अच्छा चलेगा.

कन्या मानसिक सुख शांति मिलेगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता रहेगी. सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी.

तुला खर्च पर नियंत्रण आवश्यक है. समय अनुकूल है किसी खास कार्य का प्रयास करें. प्रसन्नता रहेगी. उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा. प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे.

वृश्चिक पूजा-पाठ में मन लगेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. निवेश शुभ रहेगा. प्रसन्नता रहेगी. अपनी वस्तुएं संभालकर रखें. जीवनसाथी से मतभेद. व्यवहार-कुशलता से समस्या का समाधान हो सकेगा. वाहन सावधानी से चलाएं. नया वस्तु का आगमन होगा

धनु सरकारी कार्य में विलंब हो सकता है. कुसंगति से हानि होगी. आय कम होगी. नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे. व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता का विशेष योग है. व्यापारिक निर्णय जल्दबाजी में न लें. पीली वस्तु का दान करें.

मकर प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. चिंता रहेगी. प्रमाद न करें. परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे. शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी. अधूरे पड़े काम पूरे होने के योग हैं.

कुंभ शत्रु परास्त होंगे. बेरोजगारी दूर होगी. यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे. व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. संतान की शिक्षा संबंधी समस्या रह सकती है.

मीन जीवनसाथी से विवाद हो सकता है. व्यापार में लाभ की स्थिति बनी है. मेहनत की आवश्यकता है. प्रसन्नता बनी रहेगी. आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है. कार्य, व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा.

पद्मश्री डॉ रामदयाल मुंडा चैलेंज फुटबॉल प्रतियोगिता 23 अगस्त से

रांची । डॉ रामदयाल मुंडा क्रीड़ा केंद्र व रुमबुल के संयुक्त तत्वावधान में दसवीं पद्मश्री डॉ रामदयाल मुंडा चैलेंज फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 23 अगस्त से 30 अगस्त तक किया जा रहा है. इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों को इंट्री दी जाएगी.

सरकार बना रही है झारखंड प्रॉक्यूरमेंट ऑफ गुड्स एंड सर्विस मैनुअल

बदल जाएगी अब तक चली आ रही ठेका प्रथा, नहीं होगी गड़बड़ी

- अफसर अपने लाभ के लिए नहीं कर सकेंगे पावर का दुरूपयोग
- भ्रष्ट आचरण को रोकने के लिए होगा तंत्र विकसित

रवि भारती। रांची

झारखंड में चली आ रही ठेका प्रथा में आमूल-चूल बदलाव होगा. कोई भी अफसर अपने लाभ के लिए अपने पावर का दुरुपयोग नहीं कर सकेंगे. भ्रष्ट आचरण को रोकने के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित किया जाएगा. इसके लिए राज्य सरकार झारखंड प्रॉक्यूरमेंट ऑफ गुड्स एंड सर्विस मैनुअल 2024 बना रही है। इस नियम के दायरे में राज्य सरकार के सभी कार्य विभाग पथ निर्माण, ग्रामीण कार्य, नगर विकास, पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन, पेयजल, जलसंसाधन, ऊर्जा विभाग रहेंगे. तैयार ड्राफ्ट में स्पष्ट कहा गया है कि अनुचित खर्च या निष्क्रिय सूची से बचने के लिए गुणवत्ता खरीद की विषय वस्तु की मात्रा और सीमा स्पष्ट रूप से बताई जाएगी. खरीद करने वाली यूनिट में खरीद की विषय वस्तु की अनावश्यक मात्रा या विशेषताएं शामिल नहीं होंगी. खरीद इकाई यह सुनिश्चित करेगी.

डिबारमेंट के नियम में भी किए गए हैं बदलाव : इस नए कानून में डिबार करने के भी नियम में बदलाव किए गए हैं. ड्राफ्ट में कहा गया है कि यदि किसी बोलीदाता को अदालत द्वारा दोषी ठहराया जाता है तो उसे प्रतिबंधित या काली सूची में डाल दिया जाएगा. अदालत द्वारा दोषसिद्धि के कारण प्रतिबंधित बोलीदाता दोषसिद्धि की अवधि और उसके बाद के तीन वर्षों के लिए राज्य की किसी भी खरीद इकाई की किसी भी खरीद प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पात्र नहीं होगा. रोक की अवधि दोषसिद्धि की तारीख से शुरू होगी. दोषसिद्धि के मामले में डिबारमेंट स्वचालित रहेगा. डिबारमेंट का कोई आदेश पारित करने की आवश्यकता नहीं होगी, जहां वाद-विवाद को एकल खरीद इकाई तक सीमित करने का प्रस्ताव है, उस इकाई द्वारा उचित आदेश जारी किए जाएंगे, जिससे निर्दिष्ट अवधि के लिए वंचित फर्म के साथ अपने सभी व्यवसाय को रोक दिया जाएगा.

सार्वजनिक खरीद की आवश्यकता का होगा आकलन : वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की आवश्यकता का निर्धारण करते समय, खरीद इकाई यह सुनिश्चित करेगी कि इसकी अनिवार्यता पर आकलन करेगी कि क्या खरीद सार्वजनिक आवश्यकता के लिए आवश्यक है. यह सुनिश्चित करना खरीद इकाई की जिम्मेदारी होगी कि कोई ऐसी खरीद न की जाए जो सार्वजनिक जरूरतों के लिए जरूरी न हो. जेम पोर्टल के जरिये प्रोक्यूरमेंट इत्यादि कराने और पारदर्शिता बरतने संबंधी विस्तृत प्रकिया निर्धारित की गयी है. पांच लाख से ऊपर की सामग्रियों की खरीद के लिए ओपेन बिड प्रोसेस अपनाने का निर्णय लिया है, साथ ही सामग्रियों के रखरखाव व सर्विस पर भी विशेष ध्यान रखा गया है.

ये होंगे नए नियम

- प्रथम दृष्टया में खर्च अवसर की मांग से अधिक नहीं होगा
- कोई भी पदाधिकारी अपने लाभ के लिए खर्च स्वीकृत करने में अपने पावर का इस्तेमाल नहीं करेगा
- सार्वजनिक धन का व्यय किसी विशेष व्यक्ति या लोगों के एक वर्ग के लाभ के लिए नहीं किया जाएगा . जब तक कि व्यय किसी मान्यता प्राप्त नीति के अनुसरण में न हो या राशि के लिए दावा अदालत में लागू न किया जा सके
- खर्च करते समय पदाधिकारी ऐसी कोई जिम्मेदारी नहीं लेगा जिससे हितों का टकराव पैदा हो

क्या होगा फायदा :

- दक्षता, मितव्ययिता और पारदर्शिता होगी सुनिश्चित
- बोली दाताओं को उचित और न्यायसंगत सुविधा होगी उपलब्ध
- प्रतिस्पर्धा को मिलेगा बढ़ावा दे
- रुकेगा भ्रष्ट आचरण

इन वस्तुओं व कच्चे माल की होगी खरीद

- वस्तुओं में सभी लेख, सामग्री, वस्तु, खाद्यान्न, बिजली के सामान, इलेक्ट्रॉनिक सामान, पशुधन, दवाएं, फर्नीचर, किताबें, फिक्स्चर, कच्चे माल, उपभोग्य वस्तुएं, स्पेयर पार्ट्स, उपकरण, मशीनरी शामिल हैं
- उपकरण, औद्योगिक संयंत्र, वाहन, हवाई जहाज, जहाज, रेलवे रोलिंग स्टॉक असेंबली, उप-असेंबली, सहायक उपकरण, मशीनों का समूह जिसमें एक एकीकृत उत्पादन प्रक्रिया या सामान की अन्य श्रेणियां या सॉफ्टवेयर, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, लाइसेंस, पेटेंट या अन्य संपदा जैसे अमूर्त उत्पाद शामिल हैं
- इसमें शराब, नियमित उपयोग के लिए आवश्यक पेट्रोलियम उत्पाद, पुस्तकालय के लिए आवधिक पत्रिकाएं आदि जैसे उत्पाद शुल्क योग्य सामान शामिल नहीं हैं
- सामान की खरीद में कुछ कार्य या सेवाएं शामिल हो सकती हैं, जो परिवहन, बीमा, स्थापना, कमिशनिंग जैसे माल की आपूर्ति के लिए आकस्मिक या परिणामी हैं . प्रशिक्षण, संचालन, रखरखाव आदि

आदिवासी हो समाज युवा महासभा की प्रदेश व जिला कमेटी का गठन

संवाददाता। किरीबुरु

महासभा कला एवं संस्कृति भवन, हरिगुटू, चाईबासा में आदिवासी हो समाज युवा महासभा राष्ट्रीय कमिटी के पदाधिकारियों की उपस्थिति में कई कमेटी का गठन किया गया. इसमें आदिवासी हो समाज युवा महासभा झारखंड प्रदेश कमिटी, पश्चिमी सिंहभूम जिला कमिटी, सदर चाईबासा और जगन्नाथपुर अनुमंडल कमिटी का पुनर्गठन किया गया. आदिवासी हो समाज महासभा की नियमावली के तहत निम्न चार-चार पदाधिकारियों को सर्वसम्मति से चयन किया गया. आदिवासी हो समाज युवा महासभा झारखंड प्रदेश कमिटी के अध्यक्ष गोविन्द बिरुवा, उपाध्यक्ष नरसिंह बिरुली, सचिव गलय चातोम्बा, कोषाध्यक्ष शंकर सिधु को बनाया गया. जिला समिति, पश्चिमी सिंहभूम का अध्यक्ष शेरसिंह उर्फ गंगाराम बिरूवा, उपाध्यक्ष हरीश कुंकल, सचिव ओएबन हेम्ब्रम, कोषाध्यक्ष सत्यव्रत उर्फ छोटू बिरुवा को बनाया गया. अनुमंडल कमिटी जगन्नाथपुर का अध्यक्ष बलराम लागुरी, उपाध्यक्ष पुत्कर लागुरी, सचिव लक्ष्मण तिरिया, कोषाध्यक्ष बलि लागुरी को बनाया गया.

अनुमंडल कमिटी सदर चाईबासा का अध्यक्ष रामेश्वर बिरुवा, उपाध्यक्ष चाहत

देवगम, सचिव अशीष तिरिया, कोषाध्यक्ष एलिस बोदरा को बनाया गया. नव चयनित सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत किया गया. बैठक में 14 सितम्बर को राष्ट्रीय स्तर पर तय किये गये हो भाषा आंदोलन की तैयारी के संबंध में चर्चा की गयी.

बैठक में ये थे उपस्थित : इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष इपिल सामड, उपाध्यक्ष सुरा बिरूली, महासचिव गब्बरसिंह हेम्ब्रम, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र पुरती, संयुक्त सचिव रवि बिरूली, संगठन सचिव गोपी लागुरी, राष्ट्रीय सदस्य श्याम बिरूवा, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां निर्वतमान जिलाध्यक्ष गोमेया सुंडी, विष्णु बानरा, कोल झारखंड बोदरा, गणेश गागराई, संजय हांसदा, लेबा गागराई, सुमन पुरती, फूलमति सिरका, दांसर बोदरा, अयन सूंडी, टाटाराम सामड, प्रमिला बिरूवा, कस्तुरी पिंगुवा, दूदूगर पिंगुवा, योगेश्वर पिंगुवा, संजय लागुरी, उरांव समाज से लालू कुजूर, राज कुमार लकड़ा, बंधुराम सोय आदि लोग उपस्थित थे.

एनटीएचए बना नवल टाटा हॉकी झारखंड जूनियर स्टेट हॉकी चैंपियनशिप का विजेता

- रांची बना उपविजेता, सिमडेगा की टीम तीसरे स्थान पर रही

खेल संवाददाता। रांची

नवल टाटा हॉकी झारखंड जूनियर स्टेट हॉकी चैंपियनशिप 2024 (पुरुष) का एनटीएचए जमशेदपुर ने खिताब जीता. गुरुवार कोनवल टाटा हॉकी अकादमी जमशेदपुर के एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में एनटीएचए ने शूटआउट में रांची को मात देकर चैंपियनशिप अपने नाम किया. रांची और जमशेदपुर के बीच रोमांचक फाइनल मुकाबला हुआ. निर्धारित समय तक दोनों टीम ने 3-3 गोल दागे. जिसके बाद विजेता का फैसला शूटआउट से किया गया. जिसमें एनटीएचए ने रांची को मात दी. फाइनल मैच में एनटीएचए के खिलाड़ी नवीन केरकेट्टा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

हार्डलाइनर्स के लिए सिमडेगा और खूंटी के बीच मुकाबला खेला गया. जिसमें सिमडेगा ने खूंटी को 3-1 से पराजित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया. खूंटी टीम के खिलाड़ी सुंदर पूर्ति प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. फाइनल मैच में मुख्य अतिथि, टाटा मोटर्स के एचआर प्रमुख मोहन घंटा और टाउन एडमिन और स्पोर्ट्स रजत सिंह सहित हॉकी झारखंड संयुक्त सचिव माइकल लाल, एनटीएचए के परियोजना निदेशक गुरमीत सिंह राव उपस्थित थे. मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की.

पेज एक का शेष

यह देश की सुरक्षा...

कोर्ट ने मौखिक कहा कि जब संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिए के आने की बात हो रही है, ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर अब तक जवाब क्यों नहीं आया है. कोर्ट को बताया गया की संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिए फर्जी ढंग से आधार कार्ड और वोटर कार्ड बना ले रहे हैं और वहां की भोली-भाली आदिवासी लड़कियों से शादी कर उनकी जमीन पर कब्जा कर ले रहे हैं. इस पर कोर्ट ने राज्य सरकार से मौखिक कहा कि सरकार को संथाल परगना जैसे इलाकों में औचक निरीक्षण कर लोगों के आधार कार्ड एवं वोटर कार्ड का सत्यापन करना चाहिए ताकि घुसपैठियों की पहचान हो सके. कोर्ट ने मौखिक कहा कि झारखंड में घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें तुरंत निकालना जरूरी है, अन्यथा और घुसपैठिए झारखंड आते रहेंगे. राज्य सरकार को झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में पुलिस फोर्स को मजबूत कर घुसपैठियों को रोकन होगा. कोर्ट ने मौखिक कहा की राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार दोनों को देश एवं राज्य में घुसपैठ पर मिल कर काम करना होगा. कोर्ट ने मामले के अगली सुनवाई 22 अगस्त निर्धारित की है. दरअसल, बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई के संबंध में हाईकोर्ट ने पूर्व की सुनवाई में संथाल परगना के 6 जिलों के डीसी को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था. साथ ही कहा था कि संबंधित जिलों के एसपी डाटा उपलब्ध कराने में उपायुक्तों को फीडबैक देंगे. वहीं मुख्य सचिव सबको मॉनिटरिंग करेंगे. संथाल में घुसपैठियों से वहां जनसंख्या की स्थिति में कुप्रभाव को लेकर दानियल दानिश की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई.

पर उपदेश कुशल बहुतेरे

संसदीय बोर्ड के सदस्यों की जाति क्या है, महासचिवों में किस जाति की प्रधानता है और पार्टी तथा परिवार से जुड़ी संस्थाओं के उच्च पदों पर किस जाति के लोग विराजमान हैं ? फिर अपनी जाति भी तो बतानी पड़ेगी और वह भी बाकायदा प्रमाण के साथ. हमारे देश में जाति तय करने की एक ही परंपरा है और वह पितृकुल पर आधारित है. हम आप अअना धर्म तो बदल सकते हैं, इसके लिए तौर-तरीके तय हैं लेकिन जाति बदलने का कोई प्रावधान नहीं है. यानी जाति बदलने की छूट किसी को नहीं है. जाति बदलने का कोई वैधानिक उपाय हो जाए तो सभी अपनी जरूरत के हिसाब से जाति बदल लेंगे. झारखंड के कुर्मी आदिवासी बनने के लिए आंदोलन क्यों करेंगे ? फिर यह छूट उन्हें कैसे मिल गई या मिलेगी जो दूसरों की जाति पूछते घूम रहे हैं या उसकी काबिलियत की शिनाख्त उसकी जाति के आधार पर कर रहे हैं ? आप प्रधानमंत्री की जाति पूछ सकते हैं और यह आरोप भी लगा सकते हैं कि उनके पिछड़ा होने में लोचा है तो आप अपने ही मुखारविंद से अपनी कैफियत क्यों नहीं बता देते और भरी संसद में आपको कथित रूप से गाली देनेवालों का मुंह सदा के लिए बंद क्यों नहीं करा देते ? आप जाति पूछकर एक पत्रकार को अपनी सभा में पिटवाते हैं. आपको एक सहयोगी खानदानी नेता एक पत्रकार की जाति पूछकर उसे शर्म करने का सुझाव देते हैं तो कुछ बातें साफ भी हो जानी चाहिए. पर उपदेश कुशल बहुतेरे नहीं चलेगा. अगर आप लोग इस मुद्दे पर केवल गलाबाजी करेंगे और समूची राजनीति को जाति के कीचड़ में धंसाएंगे तो आप भी धसेंगे. आखिर किसी ने ईश्वर के यहां प्रार्थना पत्र तो दिया नहीं था कि वह उसे ऐसी जाति में पटक दें जो गाली सुने, लतियाई जाए और गरियाई जाए. इसलिए निंदा उनकी होनी चाहिए जो जाति के आधार पर किसी की अवमानना करते हैं, भेद करते हैं. हमें समता और समतामूलक समाज की ओर अग्रसर होना चाहिए. यदि हिंदू-मुसलमान के खून रंग लाल होता है, तो क्या दलित, आदिवासी, पिछड़ा और सवर्ण के रक्त विविधवर्णी होते हैं ? निखालिश जाति और परिवार के नाम पर बनी और चल रही पार्टियां भी आये दिन जातीय गणना का शिगूफा छोड़ती रहती हैं, लेकिन जब उन्हें सामाजिक न्याय का रथ खींचने का मौका मिलता है, तो वे उस पर अपनी बिरादरी और घर परिवार के लोगों को ही बैठाते हैं. सही है कि प्रायः सभी राजनीतिक दल टिकट बंटवारे के समय जातीय समीकरण को ही ध्यान रखते हैं. इस वजह से कर्मठ, सक्षम और प्रतिभाशाली कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हो जाती हैं. लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हम जाति के आधार पर भारतीय समाज को आपस में लड़ाने का कुचक्र रचते रहें. सिर्फ जाति की राजनीति करने वाला कोई भी नेता अखिल भारतीय ख्याति न तो प्राप्त कर सका है, न प्राप्त कर पाएगा. इसलिए जातीय गणना कराइए, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों को आगे बढ़ाने के लिए कार्यक्रम बनाइए, उनके लिए आवाज उठाइए, लेकिन किसी की योग्यता का मूल्यांकन सिर्फ जाति के आधार पर मत करिए. दूसरी बात यह है कि हम डिजिटल युग में जी रहे हैं. सबकी कथनी-करनी, उसका पाखंड और दोहरा चरित्र क्षणभर में सार्वजनिक हो जाता है. तब, "जा दिसि बहे बयार पीठ वाही दिसि कीजै" को अंगीकार करने वाले नेताओं को मुंह छिपाने के लिए बहानेबाजी का झीना परदा भी नहीं मिलता है. किसी का मूल्यांकन उसके गुण-दोष के आधार पर कीजिए, जाति, धर्म, क्षेत्र और रंग के आधार पर नहीं. स्वयं कुछ स्तुत्य उदाहरण पेश करें फिर आलोचना का अस्त्र-शस्त्र चलाएं तो वह अचूक होगा, अन्यथा नहीं.

आदिवासियों की सामाजिक...

जिन पर गौर किया जाना जरूरी है. ये हमारी पारंपरिक समाज व्यवस्था की सुरक्षा, संसाधनों पर नियंत्रण, स्वशासन व भाषा और पहचान के साथ आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है. दुर्भाग्य से देश की सरकार आदिवासियों के विकास की बातें तो करती हैं, लेकिन संविधान प्रदत्त अधिकारों के अनुपालन पर गंभीरता से पहल नहीं करती. आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को धरातल पर उतारने की कोशिश गंभीरता से नहीं हुई झारखंड के संदर्भ में अगर हम बात करें, तो संविधान प्रदत्त अधिकारों के तहत कई पहलु ऐसे हैं, जिसे पूरा करने की जिम्मेवारी राज्य सरकार की है. परंतु राज्य गठन के बाद पिछले 23 वर्षों में आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को धरातल पर उतारने की कोशिश गंभीरता से नहीं की गयी. अनुसूचित क्षेत्र में पंचायतों का विस्तार कानून (पेसा) के तहत हमारी सामाजिक-सांस्कृतिक अस्मिता और आदिवासी स्वशासन का संकल्प संविधान में दुहराया गया है. इसके तहत राज्य सरकारों को नियमावली बनाकर पारंपरिक ग्राम सभा को स्वशासन का अधिकार और अपने संसाधनों के आधार पर आर्थिक विकास के लिए स्वनिर्णय लेने का अधिकार प्रदान करने का संवैधानिक दायित्व है. परंतु राज्य गठन के 23 वर्षों के बाद भी पेसा कानून की नियमावली राज्य में नहीं बनी और अनुसूचित क्षेत्र की 383 पंचायतों की 16000 ग्राम सभा को आदिवासी पारंपरिक स्वशासन के तहत आत्मनिर्णय के अधिकारों से वंचित होना पड़ा. इसका परिणाम भी हमारे सामने है कि गांवों में विकास की गति नगण्य है और गांवों से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है. जमीन आदिवासीयों की जीविका और सामाजिक अस्तित्व की सुरक्षा का मुख्य आधार है, परंतु आदिवासी जमीन का अवैध हस्तांतरण हमारी चिंता का विषय है.

भूमंडलीकरण आदिवासी समाज के लिए एक खतरनाक प्रकिया है : भूमंडलीकरण आदिवासी समाज के लिए खतरनाक प्रकिया है, जो हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक अस्तित्व और हमारे संसाधनों के विकास को बुरी तरह से प्रभावित करती है. दुर्भाग्य से राष्ट्रीय नीतियां भूमंडलीकरण की खुली अर्थ नीति पर ही केंद्रित है और झारखंड सरकार भी उन्ही नीतियों का पक्षधर बन कर समाज के अधिकारों की उपेक्षा करने पर मजबूर हैं. अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासियों के प्रशासनिक व्यवस्था की बात करें तो संविधान की पांचवी अनुसूची यानी अनुच्छेद 244 (1) आदिवासियों के शासन और प्रशासन की बात करता है, जिसका उत्तरदायित्व राज्य के राज्यपाल में निहित है. हम कह सकते हैं कि झारखंड में आदिवासी समाज की सामाजिक सांस्कृतिक पहचान का सवाल अधूरा है और आदिवासी समाज की आर्थिक प्रगति को गति नहीं मिल रही है. **जय आदिवासी**

वक्फ संशोधन बिल संसद में पेश...

उन्होंने कांग्रेस समेत विपक्ष से अपील की कि वे बिल का समर्थन करें, इससे उन्हें करोड़ों लोगों की दुआ मिलेगी. चंद लोगों ने पूरे वक्फ बोर्ड पर कब्जा करके रखा है. मुस्लिमों को जो इंसाफ नहीं मिला, उसे सही करने के लिए बिल लाया गया.

बिल के विरोध में किसने-क्या कहा: -कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल ने कहा, हम हिंदू हैं लेकिन साथ ही हम दूसरे धर्मों का भी सम्मान करते हैं. यह बिल झारखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा चुनावों के लिए खास है. आप यह नहीं समझते कि पिछली बार जनता ने आपको सबक सिखाया था. एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा- वक्फ प्रॉपर्टी पब्लिक प्रॉपर्टी नहीं है. वक्फ प्रॉपर्टी का मतलब मस्जिद और दरगाह की जगह है. सरकार कह रही है कि हम महिलाओं को मैंबर बनाएंगे. क्या वे बिलकिस बानो को मैंबर बनाएंगे. यह सरकार मुसलमानों की दुश्मन है. सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा- बिल सोची समझी राजनीति के तहत पेश हो रहा है. वक्फ में गैर मुस्लिमों को शामिल करने का औचित्य नहीं है. अगर आप डीएम को ताकत दे देंगे तो गड़बड़ी होगी.

बिल के समर्थन में किसने-क्या कहा: जदयू सांसद और केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ललन सिंह ने कहा- इस बिल को मुसलमान विरोधी बताने की कोशिश की जा रही है. यह बिल मुस्लिम विरोधी नहीं है. तेदेपा के सांसद जीएम हरीश बालयोगी ने कहा- यह बिल मुस्लिमों और महिलाओं के हित में है. शिवसेना के श्रीकांत शिंदे ने कहा, देश में एक ही कानून चलेगा. आपको अलग कानून की जरूरत क्यों है. यह संशोधन दूरगामी सुधार लाएगा, ऐसा मुझे भरोसा है.

जेपीसी होती क्या है ? : संसद को एक ऐसी एजेंसी की जरूरत होती है जिसपर पूरे सदन को भरोसा है. इसके लिए संसद की समितियां होती हैं. इन समितियों में संसद के सदस्य होते हैं. किसी बिल या फिर किसी सरकारी गतिविधियों में वित्तीय अनिमितताओं के मामलों की जांच के लिए जेपीसी का गठन किया जाता है. ये समितियां दो प्रकार की होती हैं. स्थाई समितियां और अस्थाई समितियां. स्थाई समितियों का कार्यकाल एक साल होता है और इनका काम लगातार जारी होता है. वित्तीय समितियां, विभागों से संबंधित समितियां और कुछ दूसरी तरह की समितियां स्थायी समितियां होती हैं. वहीं, अस्थाई या तदर्थ समितियों का गठन कुछ खास मामलों के लिए किया जाता है. जब इनका काम खत्म हो जाता है, तो इन समितियों का अस्तित्व भी खत्म हो जाता है. जेपीसी का गठन तब होता है, जब एक सदन उसका प्रस्ताव पास कर दे और दूसरा सदन उसका समर्थन कर दे.

बिहार

गांधी और दीघा घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर

बागमती, कोसी व गंडक भी उफान पर

संवाददाता। पटना

नगर के गांधी घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है. दीघा घाट पर भी जलस्तर में इजाफा हुआ है. गांधी घाट पर बुधवार सुबह नदी का जलस्तर 48.35 मीटर था, वह गुरुवार सुबह 48.70 मीटर पर पहुंच गया है. गंगा खतरे के निशान से 10 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है. दीघा घाट पर भी गंगा नदी 49.54 मीटर से बढ़कर 49.92 मीटर पर पहुंच गई है. इस तरह से यहां 38 सेंटीमीटर पानी बढ़ा है. फतुहा और हाथीदह में भी नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है. यहां भी यह भी गंगा खतरे के निशान के पास पहुंच गई है.

नेपाल समेत उत्तर बिहार में हो रही वर्षा से कई नदियों में फिर से उफान आ गया है. सीतामढ़ी-शिवहर में कोसी, झीम और रातो नदी के

जलस्तर में वृद्धि देखी जा रही है. शिवहर में बागमती खतरे के निशान से 73 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है. कोसी और सीमांचल की नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो रही है.

खगड़िया में गंगा और बूढ़ी गंडक रफ्तार में है. दोनों नदियां तेजी से खतरे के निशान की ओर बढ़ रही हैं. पिछले 24 घंटे में गंगा के जलस्तर में 43 और बूढ़ी गंडक के जलस्तर में 53 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है. वहीं कोसी के जलस्तर में 10 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है. कोसी खतरे के निशान से 37 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है. बागमती के जलस्तर में बीते 24 घंटे के दौरान 15 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है. बागमती खतरे के निशान से 49 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है.

सुपौल स्थित बराज पर शाम चार बजे कोसी का डिस्चार्ज 2,14,220 क्यूसेक रिकार्ड किया गया. बराज के 27 फाटकों को उठाते हुए इसे डाउन स्ट्रीम में पास आउट कराया जा रहा है. हालांकि मुख्य अभियंता ने तटबंध के सभी बिंदुओं को सुरक्षित बताया है. मधुबनी और दरभंगा में कोसी और कमला में भी चढ़ाव है. वाल्मीकिनगर गंडक बराज से बुधवार की शाम 1.42 लाख क्यूसेक पानी गंडक नदी में छोड़ा गया है. पिपरा-पिपरासी तटबंध के विभिन्न कटान स्थलों पर नदी का दबाव बना हुआ है.

सिवान जिला के कांवरिया की करंट लगने से हुई मौत

सीवान । रोहतास जिले के प्रसिद्ध गुप्ता धाम स्थित गुप्तेश्वर महादेव का दर्शन करने जा रहे सिवान जिला के एक कांवरिया की मौत गुरुवार को थाना क्षेत्र के उगहनी गांव में विद्युत तार की चपेट में आने से हो गई. मृतक संजीत साह 35 वर्ष सिवान जिला के महाराजगंज थाना क्षेत्र के पटेढी गांव निवासी जग नारायण साह के पुत्र थे. साथ में आए कांवरियों ने बताया कि पिकअप से सिवान जिला से 22 कांवरियों की टीम भगवान शिव का दर्शन पूजन करने निकली थी. देवघर बाबा धाम से दर्शन करने के बाद मां ताराचंडी का दर्शन कर सभी गुप्ता धाम जाने के लिए चेनारी थाना क्षेत्र के उगहनी गांव में पहुंचे. गांव की गली में विद्युत तार गिरा हुआ था. टीम में शामिल संजीत का पैर विद्युत तार के संपर्क में आ गया. जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए.

पत्नी को पीट-पीट कर शराबी पति ने मौत के घाट उतारा

- पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेजा

संवाददाता। बेतिया

बेतिया में एक शराबी पति ने पत्नी को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया है. वहीं घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है. घटना जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र के ब्लॉक बारवा गांव की है. मृतका की पहचान बारवा गांव निवासी धनंजय कुमार साह की 30 वर्षीय पत्नी ममता देवी के रुप में की गई है. मृतका के परिजनों ने उसके पति और सास पर हत्या का आरोप लगाया है. इधर, घटना के संबंध में बताया जाता है कि गुरुवार की सुबह शराब पीने को लेकर पति पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था. इस पर शराबी पति ने पत्नी की जमकर पिटाई की, उसके बाद गला दबाकर उसकी हत्या कर दी. वहीं मृतका के परिजनों ने बताया कि 4 वर्ष पूर्व हिंदू रीति रिवाज से ब्लॉक बारवा निवासी रामदेव साह के पुत्र धनंजय कुमार साह से शादी हुई थी. उनके दांपत्य जीवन से दो बच्चे है. शादी के कुछ दिनों के बाद से ही पति प्रतिदिन शराब पीकर आता था और विरोध करने पर मृतका के साथ मारपीट करता था. इधर, सूचना पर एसडीपीओ जय प्रकाश सिंह, प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष डॉक्टर सपना रानी, पुलिस निरीक्षक अवनीश कुमार सदरबल घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की. एसडीपीओ ने बताया कि घटना की जांच के लिए एसएफएल टीम को बुलाया गया है.

ब्रीफ खबरें

समारोह में हमले की साजिश हुई नाकाम

वियना। अमेरिकी गायिका टेलर स्विफ्ट के इस हफ्ते होने वाले तीन संगीत समारोह को हमले की साजिश का पता चलने के बाद रद्द कर दिया गया है तथा इस्लामिक स्टेट समूह से संबंधित दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है. ऑस्ट्रिया के गृह मंत्रालय में जन सुरक्षा निदेशक फ्रांज रुफ ने बताया कि 19 वर्षीय मुख्य संदिग्ध के घर से रासायनिक पदार्थ और तकनीकी उपकरण मिले हैं. कहा कि जांचकर्ता संदिग्ध के घर से जब्त किए गए सबूतों का मूल्यांकन कर रहे हैं.

भुवनेश्वर में विवाद में दो महिलाओं की हत्या

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर के एक 'अपार्टमेंट' में बुधवार की रात वाहन खड़ा करने को लेकर हुए विवाद में दो महिलाओं की हत्या कर दी गई. वारदात एयरफील्ड पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्याणी प्लाजा में हुई. पुलिस ने बताया कि पीड़ितों की पहचान रश्मि रंजन सेठी (28) और उनकी मित्र जुलू सेठी (35) के रूप में हुई है. उपायुक्त (डीसीपी) प्रतीक सिंह के अनुसार, वाहन की ''पार्किंग'' को लेकर हुआ विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि चाकू से दोनों पर वार किया गया.

जम्मू-कश्मीर पहुंची चुनाव आयोग की टीम

श्रीनगर। निर्वाचन आयोग की टीम के बृहस्पतिवार को यहां पहुंचने के बाद उससे मिले राजनीतिक दलों के सभी प्रतिनिधियों ने जम्मू-कश्मीर में तत्काल विधानसभा चुनाव कराने की मांग की. मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में टीम सुबह यहां पहुंची और शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, भाजपा, कांग्रेस सहित पंजीकृत राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की.

राजस्थान के भाजपा विधायक का निधन

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर की सलूम्बर विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक अमृत लाल मीणा का बुधवार रात हृदयाघात से निधन हो गया. वह 65 वर्ष के थे. राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मीणा के निधन पर शोक व्यक्त किया है.

सिद्धरमैया, शिवकुमार को कोर्ट का समन जारी

बेंगलुरु। बेंगलुरु की एक अदालत ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को समन जारी कर उन्हें 29 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहा है. यह मामला दो साल से अधिक समय पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा 'नेशनल हेराल्ड' मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से बार-बार पूछताछ किए जाने के खिलाफ प्रदर्शन में उनकी भागीदारी से संबंधित है. ईडी द्वारा राहुल गांधी को 'अनावश्यक परेशान' किए जाने के खिलाफ जून 2022 में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया था. सिद्धरमैया व शिवकुमार समेत कांग्रेस नेताओं ने प्रतिबंधात्मक आदेशों की अवहेलना कर प्रदर्शन किया था.

'डोरोथी सीट' ब्रिटिश सैन्य अधिकारी कर्नल केलेट ने अपनी दिवंगत पत्नी डोरोथी की याद में बनाई थी, यहां से दिखता है शहर का सुंदर नजारा

नैनीताल : बारिश से हुए भूस्खलन में लोकप्रिय पर्यटन स्थल 'डोरोथी सीट' ढहा

एजेंसी। नैनीताल

'टिफिन टॉप' के नाम से प्रसिद्ध नैनीताल का लोकप्रिय पर्यटन स्थल 'डोरोथी सीट' मंगलवार देर रात भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में ढह गया. उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि देर रात करीब 11 बजे शहर तेज आवाज से गूंज उठा और 'टिफिन टॉप' से बड़े-बड़े पत्थर नीचे गिरने लगे. उन्होंने बताया कि चूंकि क्षेत्र में उस समय कोई नहीं था, इसलिए भूस्खलन से कोई जनहानि नहीं हुई. समुद्र तल से 2290 मीटर की उंचाई पर स्थित 'डोरोथी सीट' में हर साल लाखों पर्यटक और स्थानीय लोग घूमने के लिए जाते हैं. 'टिफिन टॉप' के मार्ग में पड़ने वाली पहाड़ी पर भी गहरी दरारें आ गयीं जिससे उसके उपर पर बनी संरचना-एक गोल प्लेटफार्म और उस पर बनी एक 'बेंच' भी गिर गयी. 'डोरोथी सीट' से शहर का बहुत सुंदर नजारा दिखाई देता है और मौसम साफ होने पर हिमालय की पहाड़ियां दिखाई देती हैं. 'डोरोथी सीट' ब्रिटिश सैन्य अधिकारी कर्नल केलेट ने अपनी दिवंगत पत्नी डोरोथी की याद में बनाई थी जिन्हें इस जगह पर बैठकर चित्रकारी करना पसंद था. जहाज से इंग्लैंड जाते समय डोरोथी की सेप्टिसीमिया रोग से मृत्यु हो गयी थी. 'टिफिन टॉप' नैनीताल से केवल तीन किलोमीटर की दूरी पर है. घटना की सूचना मिलते ही मध्यरात्रि 12 बजे उपजिलाधिकारी को जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी और राज्य आपदा प्रतिवादन बल की एक टीम के साथ मौके पर भेजा गया. क्षेत्र में चाय की दुकान चलाने वाले दिनेश सुंथा ने बताया कि मंगलवार रात उनका भतीजा आशुतोष दुकान के अंदर ही सो रहा था और उसी ने बताया कि रात में डोरोथी सीट स्थल गिर गया.

राजस्थान में भारी बारिश का दौर जारी धौलपुर में 200 मिलीमीटर बरसात हुई

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में भारी बारिश का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में धौलपुर में सबसे अधिक 200 मिलीमीटर बारिश हुई . जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार बृहस्पतिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के 24 घंटों के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर तथा पूर्वी राजस्थान में अनेक स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ वर्षा हुई . इसी दौरान दौसा, अलवर, झुंझुनू, सवाई माधोपुर में भारी वर्षा तथा धौलपुर, करौली एवं भरतपुर जिले में अति भारी वर्षा दर्ज की गई . सबसे अधिक बारिश धौलपुर में हुई, जो 200 मिलीमीटर है . इसी तरह भरतपुर के नदबई में 15 सेंटीमीटर, धौलपुर के बाड़ी में 15 सेमी., करौली में 14 सेमी., दौसा के महुआ में नौ सेमी., अलवर के कठूमर में नौ सेमी., झुंझुनू के पिलानी में आठ सेमी. बारिश हुई .

हिमाचल प्रदेश में 10 व 11 अगस्त के लिए भारी बारिश का 'ऑरेंज' अलर्ट

शिमला। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर सप्ताहांत में गरज-चमक और आंधी के साथ भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जताते हुए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया . राज्य में मॉनसून की सक्रियता के बीच अगले 24 घंटे में सिरमौर, चंबा, शिमला, कुल्लू और मंडी जिलों के अलग-अलग हिस्सों में हल्के से मध्यम स्तर के बाढ़ के खतरे की भी चेतावनी दी है . बुधवार शाम साढ़े पांच बजे के बाद से शिलारू में सबसे अधिक 86 .4 मिली बारिश दर्ज की गई, इसके बाद बग्गी में 76 .6 मिमी, सुंदरनगर में 64 .2 मिमी, मंडी में 60 .2 मिमी, गोहर में 57 .4 मिमी, जोगिंदरनगर में 53 मिमी, पंडोह में 50 मिमी, पालमपुर में 48 .8 मिमी, धर्मशाला में 38 मिमी, कुफरी में 24 मिमी बारिश हुई .

मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली, कहा

नागरिकों की सुरक्षा करेगी सरकार

एजेंसी। ढाका

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली. यूनुस (84) को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति भवन 'बंगभवन' में आयोजित एक समारोह में पद की शपथ दिलाई. वर्ष 2006 में नोबेल पुरस्कार पाने वाले यूनुस को मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन द्वारा संसद भंग किए जाने के बाद अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया था. इससे पहले आरक्षण प्रणाली के खिलाफ व्यापक प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर चली गई थीं.

छोटे-छोटे ऋण के मामले में अपने शानदार कार्यों के लिए 2006 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किए जाने वाले यूनुस (84) ओलंपिक खेलों के लिए पेरिस गए यूनुस दुबई से होते हुए स्वदेश लौटे. यूनुस को लेकर अमीरात की उड़ान (ईके-582) स्थानीय समयानुसार दोपहर 2:10 बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी. सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां, वरिष्ठ अधिकारियों, छात्र नेताओं और सिविल सोसाइटी के सदस्यों ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया. हवाई अड्डे पर संवाददाता सम्मेलन में यूनुस ने उन युवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने हसीना के खिलाफ आंदोलन को सफल बनाया. उन्होंने कहा, 'हमें दूसरी बार आजादी मिली है. हमें इस आजादी की रक्षा करनी है.' यूनुस ने कहा, 'देश अब आपके हाथों में है. अब आपको अपनी आकांक्षाओं के अनुसार इसका पुनर्निर्माण करना है. आपको देश के निर्माण के लिए अपनी रचनात्मकता का उपयोग करना होगा. आपने देश के लिए आजादी हासिल की है.' उन्होंने कहा, 'हम जो सरकार बनाएंगे वह नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी.' यूनुस ने नागरिकों से विरोध प्रदर्शन के दौरान पैदा हुई अराजकता से देश को बचाने को कहा. उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश एक बहुत खूबसूरत देश हो सकता है और हम इसे ऐसा बना सकते हैं.' उन्होंने अबू सईद को भी श्रद्धांजलि दी, जो भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस गोलीबारी में मारे गए शुरुआती लोगों में से एक थे.

ढाका में मीडिया से मोहम्मद यूनुस ने कहा-'हमें दूसरी बार आजादी मिली है. हमें इस आजादी की रक्षा करनी है.' **प्रेट्र**

हसीना के बेटे ने कहा-आईएसआई फैला रही देश में अशांति

लोकतंत्र बहाल होने पर हसीना स्वदेश लौटेंगी

कोलकाता। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर बांग्लादेश से भारत पहुंचीं शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने बृहस्पतिवार को कहा कि बांग्लादेश में लोकतंत्र बहाल होते ही उनकी मां अपने देश लौटेंगी. उन्होंने कहा कि उनके देश में अशांति फैलाने में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है. 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में जॉय ने कहा कि हालांकि 76 वर्षीय हसीना निश्चित रूप से बांग्लादेश लौटेंगी, लेकिन अभी यह तय नहीं है कि वह सेवानिवृत्त नेता के रूप में लौटेंगी या सक्रिय नेता के रूप में. उन्होंने यह भी कहा कि शेख मुजीब (शेख मुजीबुर रहमान) परिवार के सदस्य न तो अपने लोगों को छोड़ेंगे और न ही संकटग्रस्त अवामी लीग को बेसहारा छोड़ेंगे. जॉय ने अपनी मां की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भारत से अंतरराष्ट्रीय राय बनाने में मदद करने और बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली के लिए दबाव बनाने की अपील की. उन्होंने कहा, 'हां, यह सच है कि मैंने कहा था कि वह बांग्लादेश नहीं लौटेंगी. लेकिन देश भर में हमारे नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं पर लगातार हमलों के बाद पिछले दो दिन में बहुत कुछ बदल गया है. अपने लोगों को सुरक्षित रखने के लिए अब हमें जो भी करना होगा वह करने जा रहे हैं. हम उन्हें अकेला नहीं छोड़ेंगे.' जॉय ने फोन पर पीटीआई-भाषा से कहा, 'बांग्लादेश में अवामी लीग सबसे बड़ी और सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है, इसलिए हम अपने लोगों से दूर नहीं जा सकते. लोकतंत्र बहाल होने के बाद वह (हसीना) निश्चित तौर पर बांग्लादेश लौटेंगी.' अवामी लीग को 'भारत की सदाबहार सहयोगी' करार देते हुए उन्होंने कहा कि नयी दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाकर बांग्लादेश में अवामी लीग के नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए. बांग्लादेश में बनने वाली अंतरिम सरकार से जॉय ने कानून एवं व्यवस्था बहाल करने का भी आग्रह किया और कहा कि 'देश अराजकता के गर्त में जा रहा है तथा क्षेत्र में दूसरा अफगानिस्तान बन रहा है.'

उम्मीद है अंतरिम सरकार समान अवसर तैयार करेगी : उन्होंने कहा कि उन्हें यह भी उम्मीद है कि जब भी लोकतंत्र बहाल होगा और नया चुनाव होगा तो अंतरिम सरकार समान अवसर तैयार करेगी. जॉय ने कहा, 'आप अवामी लीग को बाहर नहीं कर सकते हैं और बांग्लादेश में कभी भी प्रतिनिधि लोकतंत्र नहीं रख सकते हैं. उनके (मोहम्मद यूनुस) व्यक्तिगत विचार जो भी हों, उन्होंने कहा है कि वह एकता सरकार चाहते हैं तथा आगे बढ़ना चाहते हैं और अतीत की गलतियों की पुनरावृत्ति नहीं होने देना चाहते हैं. मुझे आशा है कि वह अपनी बात पर कायम रहेंगे.' जॉय ने कहा कि लोकतंत्र बहाल हो जाने पर अवामी लीग या बीएनपी सत्ता में आएगी, और 'मुजीब परिवार तथा शेख हसीना साथ में रहेंगे.' उन्होंने कहा, 'वह पिछले दो दिन से हमारी पार्टी के सभी नेताओं के संपर्क में हैं.'

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ तत्काल हिंसा रोकने का आह्वान

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। दो प्रमुख भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ जारी हिंसा को तत्काल रोके जाने का आह्वान किया है. सांसदों ने अंतरिम सरकार के मनोनीत प्रधानमंत्री नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस से भी आग्रह किया है कि वह देश की बागडोर संभालने पर कानून का शासन बनाए रखें.

दो प्रभावशाली सांसदों की यह टिप्पणी बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ अपराध में वृद्धि और हिंदू मंदिरों को नष्ट किए जाने के बीच कई हिंदू-अमेरिकी समूहों द्वारा विदेश विभाग के अधिकारियों से मुलाकात करने के एक दिन बाद आई है. उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की निंदा करने में अमेरिकी संसद और प्रशासन की विफलता अस्वीकार्य है. बांग्लादेश में अनेक हिंदू मंदिरों, घरों और व्यवसायों में तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हुई हैं. हसीना के इस्तीफा देकर सोमवार को भारत पहुंचने के बाद से हिंसा में हसीना की अवामी लीग पार्टी से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेता मारे गए हैं. सांसद रो खन्ना ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'बांग्लादेशी छात्रों को प्रधानमंत्री हसीना के खिलाफ सिर्फ मानवाधिकार की चिंता थी. यह अच्छा है कि वह चली गईं. लेकिन अब हिंदुओं को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा गलत है. यूनुस को कानून का शासन बनाए रखना चाहिए और मंदिरों या किसी भी राजनीतिक दल या आस्था के लोगों को हिंसा से बचाना चाहिए.' सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा, 'मैं सभी सरकारी अधिकारियों, नए प्रशासन और पुलिस प्रमुख तथा बांग्लादेश के लोगों से देश भर में फैली हिंसा को खत्म करने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह करता हूं.'

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार हैं : अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा है कि वह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है . नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में बांग्लादेश में एक अंतरिम सरकार बृहस्पतिवार को शपथ ले सकती है . विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बुधवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा, 'हम बांग्लादेश के घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं और हमने साफ तौर पर अंतरिम सरकार के नेता के रूप में मोहम्मद यूनुस की नियुक्ति देखी है .' उन्होंने बांग्लादेश में तेजी से बदलते घटनाक्रम के बारे में पूछे गए सवालों पर कहा, 'हमें लगता है कि अंतरिम सरकार बांग्लादेश में दीर्घकालिक शांति और राजनीतिक स्थिरता कायम करने में अहम भूमिका निभाएगी .' इस बीच, विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि अंतरिम सरकार के संबंध में सभी फैसलों में लोकतांत्रिक सिद्धांतों, कानून के शासन और बांग्लादेश के लोगों की इच्छा का सम्मान होना चाहिए . प्रवक्ता ने एक सवाल पर कहा, 'हम समझते हैं कि नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने पर सहमत हो गए हैं . हम अंतरिम सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह बांग्लादेश के लोगों के लिए लोकतांत्रिक भविष्य की योजना बना रही है .' यूनुस ने बुधवार को सभी से 'नयी जीत' का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए 'शांति कायम करने' और 'हर प्रकार की हिंसा से बचने' की अपील की .

अराजकता के बीच बांग्लादेश में लोग जाग कर गुजार रहे रातें

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश में में व्याप्त अराजक माहौल के बीच अपराधियों द्वारा लूटपाट किए जाने और डकैती डाले जाने के डर से लोग पूरी रात जागकर बिता रहे हैं और अपनी सपंत्तियों की सुरक्षा के लिए खुद ही सड़कों पर पहरा दे रहे हैं. पिछले दो दिनों से अपराधियों के गिरोह निवासियों के घरों में लूटपाट और डकैती डाल रहे हैं. डकैती और लूटपाट के डर के कारण कई निवासियों ने बुधवार पूरी रात जगकर बिताई. ढाका के एक छोर से दूसरे छोर तक, खासकर उत्तरा से मोहम्मदपुर तक लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं.

बांग्लादेश की समाचार वेबसाइट 'बीडीन्यूज 24. कॉम' की एक खबर में बताया गया कि उत्तरा और मोहम्मदपुर समेत कई इलाकों में निवासी अपनी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए समूहों में पहरा दे रहे हैं. ढाका विश्वविद्यालय में अंशकालिक शिक्षक और मोहम्मदपुर के बोसिला की रहने वाली नाजवी इस्लाम ने बताया कि लुटेरों ने मंगलवार रात इलाके में आतंक मचाया. मस्जिदों से लगातार लोगों को सर्तक रहने का एलान किया जा रहा है. लोगों ने समूहों में बुधवार रात सड़कों पर पहरा दिया और उनके हाथों में लाठी-डंडे व बल्लियां थीं. मदरसे के सैकड़ों छात्रों ने भी इलाके की रखवाली की. छात्र छोटे-छोटे समूहों में बंट गए और उन्होंने सरकारी इमारतों, सार्वजनिक संपत्तियों की रखवाली की.

धन की आपूर्ति बाधित

वहीं 'डेली स्टार' में प्रकाशित खबर में नबोदय आवासीय क्षेत्र के एक निवासी के हवाले से बताया गया कि 'कल रात कुछ लोग हथियार लेकर पड़ोसी के घर घुस गए उन्होंने जबरन मेन गेट खोला और नकदी और जेवरात लूट लिए .' डेली स्टार ने बैंक कर्मचारियों के हवाले से बताया कि सुरक्षा न होने के कारण बैंकों में धन की आपूर्ति बाधित हो गई है, जिससे अधिकांश एटीएम में नकदी नहीं है और यहां तक कि कई बैंक शाखाओं में भी नकदी खत्म हो गई है . इस बीच, देश के राजनीतिक दलों ने अंतरिम मंत्रिमंडल के स्वरूप पर चर्चा की . बांग्लादेश में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने अंतरिम सरकार में 15 नेताओं के नामों की कथित तौर पर सूची तैयार की है .

शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से 232 लोगों की हुई मौत

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद हुई हिंसक घटनाओं में देशभर में कम से कम 232 लोगों की मौत हुई है. इसी के साथ जुलाई के मध्य में शुरू हुए आरक्षण विरोधी प्रदर्शन के बाद से मरने वालों का आंकड़ा 560 हो गया है.

मीडिया में बृहस्पतिवार को आई खबरों में यह जानकारी दी गई है. हसीना ने अपने शासन के खिलाफ कई हफ्ते तक चले छात्रों के उग्र विरोध प्रदर्शन के बाद सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़कर भाग गईं. 'प्रोथोम अलो' अखबार के मुताबिक, हसीना के सत्ता से हटने के बाद बुधवार शाम तक कुल 232 लोगों की मौत हो चुकी थी. इससे पहले, 16 जुलाई से चार अगस्त तक सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था को लेकर हुए आंदोलन के दौरान हुई झड़पों में लगभग 328 लोग मारे गए थे. कुल मिलाकर, पिछले 23 दिनों में तकरीबन 560 लोग मारे गए. 232 में से ज्यादातर लोगों की मौत मंगलवार को हुई. कुछ लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. गाजीपुर में मंगलवार को काशीमपुर की उच्च सुरक्षा वाली जेल से करीब 209 कैदी भाग गए. जेल के सुरक्षाकर्मियों ने कैदियों को भागने से रोकने के लिए गोलियां चलाईं. जेल सूत्रों ने बताया कि इस घटना में तीन उग्रवादियों समेत छह लोगों की मौत हो गई.

कार्यस्थलों पर लौटने लगे पुलिस कर्मचारी

बांग्लादेश में नवनियुक्त प्रमुख के आह्वान पर पुलिसकर्मी कार्यस्थलों पर धीरे-धीरे लौटने लगे हैं . विद्यार्थियों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन के कारण सोमवार को शेख हसीना सरकार के पतन के बाद कई पुलिस थानों पर हमला किया गया और उनमें आग लगा दी गई . इसके चलते कई अधिकारियों ने और अधिक हमलों के खतरे को देखते हुए अपने थाने छोड़ दिये . छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में पुलिसकर्मियों सहित 400 से अधिक लोग मारे गए . नवनियुक्त पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) मोहम्मद मैनुल इस्लाम ने बुधवार को अधिकारियों को अगले 24 घंटे के भीतर अपनी-अपनी इकाइयों से जुड़ने का आदेश दिया था .

दौरा राष्ट्रपति तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में न्यूजीलैंड पहुंचीं, द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा

मुर्मू ने गवर्नर जनरल, उप प्रधानमंत्री से मुलाकात की

एजेंसी। वेलिंगटन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को न्यूजीलैंड की गवर्नर जनरल डेम सिंडी कीरो और उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से मुलाकात कर मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की. मुर्मू तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण के तहत बुधवार को न्यूजीलैंड पहुंचीं. यहां पहुंचने पर उन्हें शाही सलामी गारद दिया गया.

राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यूजीलैंड की गवर्नर जनरल डेम सिंडी कीरो से मुलाकात की. दोनों नेताओं ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों की सराहना की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की.' बाद में पीटर्स ने भी राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की. पीटर्स न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री भी हैं. मुर्मू के कार्यालय ने कहा, 'दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति को रेखांकित किया और कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया.' उन्होंने वेलिंगटन में न्यूजीलैंड अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन को भी संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति के बारे में बात की. मुर्मू ने कहा, 'शिक्षा हमेशा मेरे दिल के करीब रही है. मैंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रत्यक्ष रूप से देखा और अनुभव किया है.'

अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा समूह

राष्ट्रपति ने कहा कि आज, भारत में एक युवा आकांक्षी जनसांख्यिकी है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए तैयार है . भारतीय माता-पिता अपने बच्चों के लिए सर्वोत्तम संभव शिक्षा की आकांक्षा रखते हैं और यह वास्तव में स्वागत योग्य है कि कई भारतीय छात्र न्यूजीलैंड के विभिन्न संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं . 8,000 भारतीय छात्र पूरे न्यूजीलैंड में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ाई कर रहे हैं, जिससे वह यहां अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा समूह बन गया है . कहा कि न्यूजीलैंड अनुसंधान और नवाचार, समावेशिता और उत्कृष्टता पर विशेष ध्यान देने के साथ अपनी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए प्रसिद्ध है . कहा कि न्यूजीलैंड शिक्षा सम्मेलन शिक्षा में जारी सहयोग को मजबूत करने और सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज करने का शानदार अवसर प्रदान करता है .

जापान में भूकंप के तगड़े झटके

- सुनामी की चेतावनी, गंभीर क्षति की तत्काल सूचना नहीं
- स्थानीय निवासियों से समुद्र तट से दूर रहने का आग्रह

एजेंसी। टोक्यो

जापान के दक्षिणी तट पर बृहस्पतिवार को भूकंप के तगड़े झटके महसूस किये गये जिसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई. स्थानीय निवासियों से समुद्र तट से दूर रहने का आग्रह किया गया, लेकिन किसी के घायल होने या गंभीर क्षति की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है. जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.1 मापी गई.

एजेंसी ने बताया कि इसका केंद्र जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के पूर्वी तट पर लगभग 30 किलोमीटर (18.6 मील) की गहराई में था. भूकंप के सबसे जबरदस्त झटके क्यूशू द्वीप के मियाजाकी प्रांत के निचिनान शहर और आसपास के इलाकों में महसूस किये गये. एजेंसी ने कहा कि भूकंप आने के लगभग आधे घंटे बाद क्यूशू के दक्षिणी तट के कुछ हिस्सों और निकटवर्ती शिकोकू द्वीप पर 50 सेंटीमीटर (1.6 फुट) ऊंची सुनामी की लहरें देखी गईं. मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि अधिकारी भूकंप में हुई क्षति का आकलन कर रहे हैं, हालांकि इस संबंध में तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है. जापान के एनएचके टेलीविजन ने कहा कि भूकंप के केंद्र के निकट मियाजाकी हवाई अड्डे पर खिड़कियों के टूटने की खबरें हैं. परमाणु विनियमन प्राधिकरण ने कहा कि क्यूशू और शिकोकू पर स्थित सभी 12 परमाणु रिएक्टर सुरक्षित हैं, जिनमें से तीन वर्तमान में संचालित हैं. मार्च 2011 में आये भीषण भूकंप और सुनामी के बाद से फुकुशिमा परमाणु आपदा के बाद से परमाणु ऊर्जा संयंत्रों वाले क्षेत्रों में भूकंप एक बड़ी चिंता का विषय रहा है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)